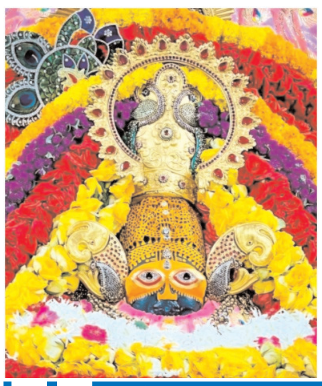

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:358। पेज:।12 mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 19 अगस्त 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'भारत में 2027 तक खाना-पीना महंगा हो सकता है'

• रिसर्च फर्म जेपी मॉर्गन का अलर्ट- सरकार पर 3 लाख करोड़ रुपये का बोझ बढ़ेगा

एजेंसी

पटना। 2027 तक भारत में खाने-पीने की चीजों के दाम काफी बढ़ सकते हैं। यह अलर्ट मल्टीनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म जेपी मॉर्गन ने जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार पर 3 लाख करोड़ रुपए की सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा। फर्म ने दावा किया है कि महंगाई का असर पूरी दुनिया पर होगा। फर्टिलाइजर की कमी, जियोपॉलिटिकल तनाव के साथ एक अल नीनो तूफान के आने से यह संकट गहराएगा। साल 2027 की पहली छिमाही में ग्लोबल स्तर पर खाने-पीने की चीजों के दाम 5फीसदी तक बढ़ सकते हैं। 2026 की पहली छिमाही में यह आंकड़ा 2.8फीसदी पर था। भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए अधिक मायने रखती है, क्योंकि देश में पहले से ही फर्टिलाइजर काफी महंगी है।

ईरान में तनाव के कारण खाद और गैस का संकट

मिडिल ईस्ट का रोलः दुनिया का 42फीसदी यूरिया और 27फीसदी अमोनिया (खाद बनाने का केमिकल) मिडिल ईस्ट यानी अरब देशों से आता है। अगर वहां युद्ध या तनाव के कारण सप्लाई रुकी, तो पूरी दुनिया में खाद की भारी किल्लत हो जाएगी और दाम आसमान छूने लगेंगे

गैस की कीमतेंः यूरिया जैसी खाद बनाने में नेचुरल गैस का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। अगर गैस महंगी हुई, तो खाद बनाना भी महंगा हो जाएगा। खाद महंगी होने पर किसान इसका कम इस्तेमाल करेंगे,

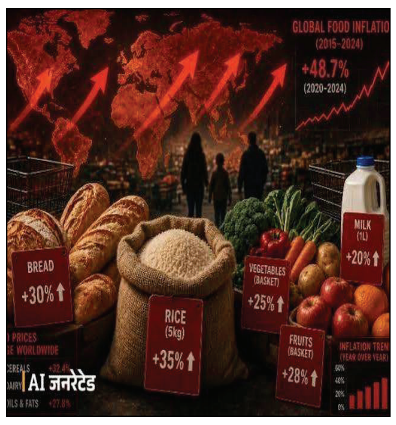

जिससे फसलों की पैदावार घट जाएगी।

सुधरने में लगेगा लंबा समयः अगर एक बार खाद के कारखाने या गैस प्लांट इस संकट की वजह से बंद या प्रभावित हुए, तो उन्हें दोबारा पूरी तरह ठीक होने में 1 से 5 साल तक का लंबा समय लग सकता है।

सरकारी खजाने पर खाद सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा

266 रुपये में यूरिया की बोरीः भारत दुनिया में सबसे ज्यादा यूरिया खरीदने वाले देशों में से एक है। देश में यूरिया की 45 किलो की बोरी का दाम सिर्फ 266.50 रुपये है, सरकार उसे विदेशों से इसके दस गुने से भी ज्यादा दाम में खरीदती है।

इस बड़े अंतर का पूरा खर्च सरकार खुद उठाती है, जिसे 'खाद सब्सिडी' कहते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस साल सरकार का यह सब्सिडी खर्च 3 लाख करोड़ रुपये से भी ऊपर जा सकता है।

सरकार के सामने बड़ी चुनौतीः अगर मिडिल ईस्ट का संकट लंबा खिंचा, तो यह खर्च और बढ़ेगा। ऐसे में सरकार के सामने बड़ी दुविधा होगी- या तो वह अपनी जेब से भारी नुकसान सहकर खाद को सस्ता रखे, या फिर किसानों को खाद का इस्तेमाल कम करने के लिए कहे जिससे फसलों की पैदावार पर असर पड़ सकता है।

2026 के अंत तक सुपर अल नीनो तुफान की आशंका

81फीसदी चांसः खाद की किल्लत के साथ-साथ मौसम भी एक बड़ी मुसीबत बनने वाला है। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि 2026 के अंत तक बहुत खतरनाक यानी सुपर अल नीनो आने की 81फीसदी संभावना है, जो 2027 तक खिंच सकता है।

फसलों पर मार : इतिहास गवाह है कि जब भी अल नीनो आता है, गर्म और खराब मौसम की वजह से खेती-किसानी को नुकसान होता है और फसलों की पैदावार औसतन 3.5फीसदी तक घट जाती है।

महंगाई में उछाल : इस खराब मौसम के कारण दुनियाभर में खाने-पीने की चीजों की महंगाई करीब 1.5फीसदी तक और बढ़ सकती है, जो आम आदमी की जेब पर सीधा असर डालेगी।

सार-समाचार

एयर इंडिया ने नियामक आवश्यकता से अधिक किए पायलट्स के टेस्ट

• यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने मंगलवार को ऐलान किया कि उसके द्वारा सभी पायलट के स्वेच्छा से किए जा रहे टेस्ट जरूरी नियामक आवश्यकताओं से अधिक हो गए हैं। यह उसके यात्रियों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का हिस्सा है। यह जानकारी एयरलाइन की ओर से जारी बयान में दी गई। एयरलाइन ने कहा कि सभी पायलट के टेस्ट जारी हैं और सभी पक्षकारों और मीडिया से अपीली की कि वे किसी भी अनवेरिफाइड जानकारी पर आधारित रिपोर्ट या जानकारी पर विश्वास न करें। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'सुरक्षा और प्रोफेशनलिज्म के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के तहत, एयर इंडिया ने रेगुलेटरी जरूरतों से आगे बढ़कर सभी पायलटों के लिए स्वेच्छा से एक टेस्टिंग प्रोग्राम शुरू किया है।

मणिपुर में 46 उग्रवादियों का आत्मसमर्पण

• दो उग्रवादी और ड्रग्स तस्करी के आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में शांति बहाली के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरक्षा बलों को मंगलवार को तब बड़ी सफलता मिली, जब प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (ताइबांगनबा) के 46 कैडरों ने हथियार डालकर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। इस दौरान दो अन्य उग्रवादी कैडरों और ड्रग्स तस्करी के एक आरोपित को भी गिरफ्तार किया गया। इंफाल स्थित प्रथम मणिपुर राइफल्स परेड ग्राउंड में आयोजित घर वापसी समारोह में 46 कैडरों ने मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह के समक्ष आत्मसमर्पण किया। उन्होंने 20 हथियार, 216 राउंड गोला-बारूद और तीन विस्फोटक भी सुरक्षा बलों को सौंपे। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों के पुनर्वास की प्रक्रिया भारत सरकार की 'नॉर्थ ईस्ट राज्यों में उग्रवादियों के आत्मसमर्पण और पुनर्वास के लिए संशोधित योजना, 2018' के तहत की जाएगी।

उत्तराखंड में भारी बारिश

• ऋषिकेश में गंगा खतरे के निशान से ऊपर

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून सक्रिय है। पिछले 24 घंटे में राज्य के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हुई है। नरेंद्रनगर में सर्वाधिक 265 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा हुई है। राज्य में नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और ऋषिकेश में गंगा खतरे के निशान से ऊपर है। मौसम एवं विज्ञान विभाग ने देहरादून, टिहरी, पौड़ी और ऊधमसिंह नगर में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजधानी देहरादून समेत प्रदेशभर में सोमवार से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला जारी है। कई क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, जबकि आसमान में काले घने बादल छाए रहे और मौसम ठंडा है। लगातार बारिश के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, सड़क अवरोध और नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

दिल्ली पुलिस बोली- सीजेपी का संसद मार्च गैरकानूनी था

सुप्रीम कोर्ट में कहा- हिस्ट्रीशीटर शामिल हुए । बैरिकेड तोड़े, लेकिन हमने ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे। पुलिस ने बताया कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया।डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में हाई लेवल कमेटी बनाएगा। पुलिस-प्रदर्शनकारी के घायल होने पर- 20 जुलाई को जंतर-मंतर के आसपास 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी

मौजूद थे। करीब 3 किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए लगभग 5 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। झड़प में 240 से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल हुए। कील वाली लाठियों के आरोप पर- याचिकाओं में चुनिंदा फोटो, अधूरे वीडियो और अपुष्ट मीडिया रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया। इनमें पुलिस की कार्रवाई का पूरा संदर्भ नहीं दिखता। वीडियो में ऐसी लाठी की सिर्फ एक घटना दिखती है। वह लाठी एक प्रदर्शनकारी के हाथ में थी। पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के हमले पर- प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, पुलिसकर्मियों से मारपीट की और उनका सुरक्षा सामान खींचा। इसके बाद हिंसा रोकने के लिए कानूनी तरीके अपनाए गए।

तीन करोड़ लखपति दीदियों का लक्ष्य पूरा

अब छह करोड़ का संकल्पः शिवराज सिंह चौहान

सरकारी सेवा केवल आजीविका का साधन नहीं है, बल्कि यह देश और जनता की सेवा का संकल्प है।

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से उद्घोषित 'शक्ति की सप्तधारा' को धरातल पर उतारने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों के अंतर्गत विभागों का संकल्प कार्यक्रम केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर मंगलवार को पूसा स्थित सी. सुब्रमण्यम सभागार में आयोजित किया गया। 'शक्ति की सप्तधारा से कृषि और ग्रामीण विकास को नई दिशा' नामक इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, वैज्ञानिकों, किसानों, लखपति दीदियों, फूड प्रोसेसर्स, निर्यातकों और किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों को विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी तथा डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासामी और चारों विभागों के सचिव भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'शक्ति की सप्तधारा' के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण का स्पष्ट मार्ग देश के सामने रखा है। कृषि और फूड प्रोसेसिंग इस

सप्तधारा की महत्वपूर्ण शक्ति है। देश को कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और वैश्विक मानकों के अनुरूप उत्पादन पर भी ध्यान देना होगा, ताकि भारतीय किसानों के उत्पाद दुनिया के बाजार में मजबूती से अपनी पहचान बना सकें।

उन्होंने कहा कि आज का कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि कृषि और ग्रामीण विकास से जुड़े पूरे परिवार का सामूहिक संकल्प है। इस परिवार में किसान, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी, प्रोसेसर, निर्यातक, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं और किसान उत्पादक संगठन सभी बराबर के भागीदार हैं। प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है और सभी को मिलकर प्रधानमंत्री जी के विजन को सफल बनाना है।

मप्र के भिंड में पिकअप-डंपर की भिड़ंत

यूपी के लखीमपुर से लौटते वक्त हादसा, 8 मजदूरों की मौत, 23 घायल

एजेंसी

ग्वालियर । मध्य प्रदेश के भिंड जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। छिमका गांव के पास मजदूरों से भरे एक लोडिंग वाहन की सामने से आ रहे डंपर से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसा ग्वालियर-भिंड मार्ग पर गोहद चौराहे के पास छिमका गांव के पास हुआ। पिकअप गाड़ी में सवार सभी मजदूर ग्वालियर से काम करके अपने घर लौट रहे थे।

इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने सामने से पिकअप को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एक घायल मजदूर ने बताया, 'हम मध्य प्रदेश के ग्वालियर से आ रहे थे और अपने घर

जा रहे थे। एक ट्रक ने हमारी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ।' हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। जेएएच के ट्रॉमा सेंटर के कैजुअल्टी इंचार्ज डॉ. देवेंद्र शर्मा ने बताया, 'यह घटना आज भिंड जिले के छिमका गांव के पास हुई, जो गोहद चौराहा के नजदीक है। मजदूर एक पिकअप गाड़ी में जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक डंपर से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। '

भिंड हादसे पर सीएम योगी ने जताया दुख

लखनऊ । मध्य प्रदेश के भिंड जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-719 पर मंगलवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ' 'मध्य प्रदेश के भिंड में एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत पीड़ादायक और मन को व्यथित करने वाली है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

पीएम मोदी 'सेमीकॉन इंडिया' के पांचवें सत्र का 17 सितंबर को करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। इससे देश के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बड़ा बूस्ट मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई। मंत्रालय ने बताया कि 'सिलिकॉन टू सिस्टम्सः बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम वाली तीन दिन की कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनी 17 से 19 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (आईएसएम) और ग्लोबल इंडस्ट्री एसोसिएशन एसईएमआई मिलकर आयोजित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, ग्लोबल सेमीकंडक्टर कंपनियों, इंडस्ट्री के अधिकारियों, रिसर्चर्स, एकेडेमिक्स, स्टार्ट-अप्स और

स्टूडेंट्स के एक साथ आने की उम्मीद है, ताकि सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में हो रहे विकास पर चर्चा की जा सके। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने हाल ही में देश की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई-चेन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 'सेमीकॉन 2.0' को मंजूरी दी है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवादः विफल रही बात

हिंदू पक्षकार बोले- नहीं देंगे मस्जिद के लिए एक इंच जमीन

एजेंसी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही सुलह-समझौते की कोशिशें एक बार फिर नाकाम साबित हुई हैं। मथुरा के सुलह समझौता केंद्र में मंगलवार को होने वाली दूसरी वार्ता मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के कारण विफल हो गई। मुस्लिम पक्ष के न आने पर कोर्ट ने पत्रावली पर सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस अहम विवाद की सुनवाई सीधे सुप्रीम कोर्ट में 21, 22 और 23 अगस्त को की जाएगी।

उपस्थित नहीं हुआ मुस्लिम पक्ष

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और हिंदू पक्ष के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने

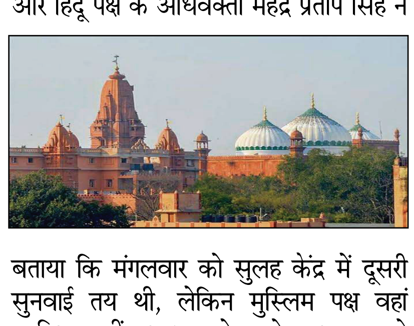

बताया कि मंगलवार को सुलह केंद्र में दूसरी सुनवाई तय थी, लेकिन मुस्लिम पक्ष वहां उपस्थित नहीं हुआ। इससे पहले 7 अगस्त को भी दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई थी, जो पूरी तरह बेनतीजा रही थी।

हिंदू पक्ष ने वापस लिया जमीन देने का प्रस्ताव

अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने अपना रुख कड़ा करते हुए स्पष्ट किया कि पहले मुस्लिम पक्ष के सामने मस्जिद हटाने के बदले अन्य जगह जमीन देने का प्रस्ताव रखा गया था। लेकिन, अब उन्होंने कोर्ट में साफ कर दिया है कि यह पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ही है, इसलिए अब मस्जिद के बदले कोई भी वैकल्पिक भूमि नहीं दी जाएगी।

'दस्तावेज न होने के कारण कतरा रहा मुस्लिम पक्ष'

मामले के एक अन्य हिंदू पक्षकार दिनेश फलाहरी ने मुस्लिम पक्ष की गैरहाजिरी पर सवाल खड़े किए हैं। फलाहरी का दावा है कि मुस्लिम पक्ष के पास इस विवादित स्थल से जुड़े कोई भी ठोस दस्तावेज मौजूद नहीं हैं। उनका कहना है कि यही मुख्य कारण है कि वे बार-बार कोर्ट की कार्यवाही और समझौता वार्ता से बच रहे हैं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
19 अगस्त 2026

शिक्षा और संस्कृति का सच्चा संगम झालावाड़ी साईं सुथार जाति मंडल, नवा बाज़ार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। श्री झालावाड़ी साई-सुथार जाति मंडल, नवा बाज़ार, वडोदरा (स्थापित 1942-43) ने हर साल की परंपरा के अनुसार जाति के होनहार सितारों को प्रोत्साहित करने के लिए रविवार, 16 अगस्त 2026 को दोपहर 3:30 बजे सरदार कम्युनिटी ए.सी. हॉल, सरदार एस्टेट, अजवा रोड, वडोदरा में एक ग्रैंड स्टूडेंट अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन किया है। कार्यक्रम का उद्घाटन जीवनदाता और मंडल के संस्थापक ट्रस्टी, श्री विट्ठलभाई जीवराजभाई गोहेल (मोरबी) और अहमदाबाद के मुख्य अतिथि, श्री जे.बी. सोलंकी साहेब ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर, मंच पर मौजूद सभी आमंत्रित लोगों को ग्रुप के सदस्यों ने गुलदस्ते और शॉल देकर सम्मानित किया। इस सेरेमनी का मेन थीम उन स्टूडेंट्स को सम्मानित करना था जिन्होंने पढ़ाई-लिखाई में कामयाबी हासिल करके समाज और परिवार का नाम रोशन किया है। सेरेमनी में आए बड़े लोगों ने स्टूडेंट्स की मेहनत की तारीफ़ की और उन्हें कामयाबी की ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए मोटिवेट किया। इस इवेंट की एक खास और यादगार बात यह थी कि जिन स्टूडेंट्स ने खास कामयाबी हासिल की थी, उन्हें स्टेज से अपने विचार और अनुभव बताने का शानदार मौका दिया गया। उसके बाद, सभी होनहार स्टूडेंट्स को इनाम बांटे गए। इस बड़े प्रोग्राम को कामयाब बनाने के लिए ग्रुप के प्रेसिडेंट श्री जयंतीभाई भूराभाई परमार, प्रेसिडेंट श्री चंद्रकांत बी. परमार, वाइस प्रेसिडेंट हेमंत एम. विद्यार्थी, चंद्रकांत एस. परमार और नितिनभाई वी. गोहिल के साथ-साथ मिनिस्टर श्री विनोदभाई एन. डेडानिया, जॉइंट सेक्रेटरी मनहरभाई एन. गोहिल, अरविंदभाई के. मकवाना और ट्रेज़रर श्री राजेशभाई एम. गालिया के साथ-साथ पूरी कमिटी मेंबर्स ने बहुत अच्छा काम किया।

वडाली APMC की सिल्वर जुबली और कोऑपरेटिव जिन की गोल्डन जुबली का ग्रैंड सेलिब्रेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। एग्रीकल्चर मिनिस्टर जीतूभाई वघानी की अध्यक्षता में हुए सेरेमनी में किसानों, ट्रेडर्स और कोऑपरेटिव लीडर्स को सम्मानित किया गया। एग्रीकल्चर मिनिस्टर जीतूभाई वघानी की अध्यक्षता में वडाली में एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी की सिल्वर जुबली और कोऑपरेटिव जिन की गोल्डन जुबली का ग्रैंड सेलिब्रेशन हुआ। सेरेमनी में किसान, ट्रेडर्स, कोऑपरेटिव लीडर्स, ऑफिस बेयरर्स और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। इस मौके पर एग्रीकल्चर मिनिस्टर जीतूभाई वघानी ने कहा कि 50 साल पहले पुरखों ने किसानों के हितों को ध्यान में रखकर कोऑपरेटिव जिन जैसी संस्था बनाई थी। आज नई पीढ़ी को मॉडर्न टेक्नोलॉजी, प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन के साथ एग्रीकल्चर सेक्टर को आगे बढ़ाने की ज़रूरत है। उन्होंने किसानों को नेचुरल फार्मिंग अपनाने और सॉइल हेल्थ कार्ड के आधार पर खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसान खेती के प्रोडक्ट्स की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग से बेहतर रिटर्न पा सकते हैं। उन्होंने मॉडर्न और डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया। यह कहते हुए कि सरकार किसानों को अच्छी क्वालिटी के बीज दिलाने के लिए कमिटेड है, उन्होंने नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की भी बात कही। उन्होंने किसानों से ग्रीनहाउस सब्सिडी समेत सरकार की अलग-अलग स्कीम्स का फायदा उठाकर अपनी इनकम बढ़ाने की अपील की। इस मौके पर APMC वडाली और सहकारी जीन से सालों से जुड़े नेताओं, व्यापारियों, कर्मचारियों और दान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। प्रोग्राम में डिस्ट्रिक्ट पंचायत प्रेसिडेंट रीनाबेन पटेल, MP शोभनाबेन बरैया, ख्नरमनलाल वोरा, कनुभाई पटेल, महेश पटेल, शामलभाई पटेल, जेठाभाई पटेल, विजय पटेल, ऋतुराज पटेल, महेंद्रसिंह परमार और दूसरे नेता, किसान, व्यापारी और नागरिक मौजूद थे।

डभोई में मौत की छलांग! नांदोडी भागोल के पास नहर में गिरी बाइक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई शहर के नांदोडी भागोल इलाके में चोटरिया पीर दरगाह के पास आज एक भयानक हादसा सामने आया है जिसने सबको चौंका दिया। एक अनजान बाइक सवार पूरी स्पीड से गुजर रहा था, तभी अचानक उसका स्टीयरिंग से कंट्रोल छूट गया और बाइक सीधे नर्मदा नहर में जा गिरी। हादसा इतना भयानक था कि बाइक के जमीन पर गिरते ही एक ज़ोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके की आवाज़ सुनकर आस-पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। अच्छी बात ये रही कि इस घटना के समय नर्मदा नहर में पानी नहीं था। अगर नहर में पानी होता तो युवक की डूबने से तुरंत मौत हो जाती। नहर खाली होने की वजह से युवक को डूबने से तो बचा लिया गया, लेकिन ऊंचाई से नहर के सीमेंट स्लैब से टकराने की वजह से युवक को गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हालत में वहीं पड़ा रहा। घटना की सूचना मिलते ही डभोई पुलिस का काफिला बिना किसी देरी के कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने कमाल की समय की पाबंदी और इंसानियत दिखाते हुए तुरंत नहर में घुसकर स्थानीय लोगों की मदद से खून से लथपथ पड़े युवक को बाहर निकाला। पुलिस ने तुरंत 108 एम्बुलेंस बुलाई और घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, घायल युवक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। युवक के बेहोश होने की वजह से उसका नाम, पता या कोई भी शुरुआती जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने युवक की पहचान के लिए बाइक नंबर और दूसरी जानकारी के आधार पर गहन जांच शुरू कर दी है।

तीर्थस्थल डाकोर में नॉन-वेज की लॉरियों और दुकानों को हमेशा के लिए बंद करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डाकोर/खेड़ा। राजा रणछोड़रायजी की पवित्र भूमि और मशहूर तीर्थस्थल डाकोर में नॉन-वेज बेचने वाली लॉरियों और दुकानों को हमेशा के लिए बंद करने के लिए धार्मिक संगठनों और संतों ने आवाज उठाई है। डाकोर में मौजूद दंडी स्वामी आश्रम के महंत श्री विजयदासजी महाराज ने प्रशासन को पत्र लिखकर नॉन-वेज की बिक्री रोकने के लिए कड़ा ज्ञापन दिया है। दंडी स्वामी आश्रम डाकोर के महंत श्री विजयदासजी महाराज ने थसरा प्रोविंशियल ऑफिसर को लिखित अनुरोध पत्र भेजा है। इस लेटर में उन्होंने डाकोर शहर में मेन सड़कों और मंदिर के आस-पास चलने वाली नॉन-वेज लॉरियों और दुकानों को हमेशा के लिए हटाने या बंद करने की ज़ोरदार मांग की है। भक्तों की परेशानी: दर्शन के लिए आने वाले भक्तों और पैदल चलने वालों के ठीक सामने खुले में बिकने वाली नॉन-वेज लॉरियाँ और मीट-मटन उनकी धार्मिक भावनाओं और आस्था को बहुत नुकसान पहुँचा रहे हैं।

अहमदाबाद में एक और 'लट्ठा कांड' की तैयारी?

'PI घसुरा और वहीवटदार सुरेश चौधरी के खिलाफ तुरंत सस्पेंड करने की मांग: 'महानगर मेट्रो' फोन पर PI की चुप्पी मिलीभगत की गवाही देती है

वसूली के चक्कर में मधुपुरा में ज़हरीली केमिकल वाली शराब की खुली बिक्री

मधुपुरा में पुलिस की शह पर बिक रही ज़हरीली केमिकल शराब

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर का मधुपुरा इलाका अब क्राइम और गैर-कानूनी कामों का अड्डा बन गया है। गंभीर आरोप सामने आए हैं कि जनता की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार वही पुलिस अधिकारी और कर्मचारी इन असामाजिक तत्वों के रक्षक बन गए हैं। मधुपुरा पुलिस स्टेशन के P.I. Z. N. घसुरा और उनके कथित वहीवटदार सुरेश चौधरी के साथ-साथ क्राइम ब्रांच में काम करने वाले सब-एडमिनिस्ट्रेटर वेलजीभाई की मिलीभगत से पूरे इलाके में देसी-विदेशी शराब, जुआ और MD ड्रग्स का धंधा खुलेआम चल रहा है। मधुपुरा में गैर-कानूनी शराब के अड्डों का नेटवर्क

वसूली और कमीशन सेटिंग

शराब तस्करों के मुताबिक, वहीवटदार सुरेश चौधरी देसी शराब के हर कैन पर एक तय कमीशन लेता है। दूसरे डिपार्टमेंट में काम करने के बावजूद, क्राइम ब्रांच के सुरेश चौधरी और वेलजीभाई मधुपुरा पुलिस स्टेशन का करोड़ों रुपये का काला मैनेजमेंट संभाल रहे हैं। ये वहीवटदार अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर, PCB और DCP के आदेशों की परवाह किए बिना अड्डे चला रहे हैं। एक और 'लट्ठा कांड' की डरावनी आशंका नागजी कलोलवाला की सप्लाई की गई केमिकल वाली ज़हरीली शराब से कभी भी कोई बड़ा लट्ठा कांड हो सकता है। अगर कल कोई हादसा होता है या बेगुनाह लोगों की जान चली जाती है, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार होगा? पुलिस और शराब तस्करों के इस गठजोड़ की वजह से आस-पास के लोगों और खासकर महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। इलाके में शराबियों और असामाजिक तत्वों की वजह से परेशान करने की घटनाएं आम हो गई हैं।

फोन पर PI घसुरा की साफ़ आवाज़

इस पूरे मामले पर क्लैरिटी पाने और P.I. Z. N. से कॉन्टैक्ट करने के लिए 'महानगर मेट्रो' के एडिटर ने घसुरा से उनका पक्ष जानने के लिए फोन पर कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन उठाना ठीक नहीं समझा। पुलिस की इजाज़त या प्रोटेक्शन के बिना इतने बड़े पैमाने पर शराब और जुए का धंधा चलाना नामुमकिन है।

'महानगर मेट्रो' के वहीवटदार से सीधे सवाल और मांगें

1. PI Z. N. घसुरा को अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर तुरंत सस्पेंड करें। 2. कथित वहीवटदार सुरेश चौधरी और वेलजीभाई के CDR और उनकी प्रॉपर्टी की बिना किसी भेदभाव के जांच होनी चाहिए।

3. स्टेट मॉनिटरिंग सेल और PCB को मधुपुरा के सभी ठिकानों पर तुरंत रेड करनी चाहिए और सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

खाकी पर हफ्ता वसूली का दाग! मधुपुरा में शराब के हर कैन पर फिक्स है कमीशन, PI घसुरा और क्राइम ब्रांच के 'वहीवटदार' पर उठे गंभीर सवाल

लोकल सूत्रों के मुताबिक, इलाके में इन जगहों पर अड्डे धड़ल्ले से चल रहे हैं

- **दूधेश्वर धोबीघाट:** शेनाज का देसी शराब का अड्डा
- **मधुपुरा:** मनिया की देसी शराब
- **सब्जी मंडी:** जयेश की देसी शराब
- **मारुति शोरूम (गार्डन) के पास:** गलिया की देसी शराब
- **ईदगाह:** हंसा की देसी शराब
- **भाविन का अड्डा:** देसी और विदेशी (अंग्रेजी) शराब की बिक्री
- **नागजी कलोलवाला:** पूरे मधुपुरा इलाके में थोक मात्रा में केमिकल वाली देसी शराब सप्लाई करने का आरोप

चीन, पाकिस्तान और भारत का सिंडिकेट पकड़ा गया: अहमदाबाद साइबर क्राइम ने पश्चिम बंगाल से 'बॉस स्कैम' के मुख्य साथियों को पकड़ा

पाकिस्तान के इस्लामाबाद से चल रहा था कॉल सेंटर और हांगकांग में बना मैलवेयर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने इंटरनेशनल लेवल पर चल रहे एक भयानक और सोची-समझी योजना के तहत 'बॉस स्कैम' का भंडाफोड़ किया है और पश्चिम बंगाल से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चीन, पाकिस्तान और भारत से जुड़े इस इंटरनेशनल साइबर रैकेट में शामिल आरोपी भारत से डमी स्ढ्रूकार्ड और OTP सप्लाई करके विदेशी साइबर माफियाओं की मदद कर रहे थे।

पश्चिम बंगाल से दो आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद साइबर क्राइम टीम ने खुफिया जानकारी और टेक्निकल एनालिसिस के आधार पर पश्चिम बंगाल में छापेमारी कर इमरान अली पियादा और इंजामुल मोल्लाह नाम के दो ताकतवर साइबर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपी इमरान अली एक जानी-मानी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कंपनी में 'पॉइंट ऑफ़ सेल' का काम करता था। वह अपनी दुकान पर स्ढ्रूकार्ड खरीदने आने वाले भोले-भाले कस्टमर्स का पर्सनल डेटा और बायोमेट्रिक्स चुरा लेता था। उसी कस्टमर के डेटा का इस्तेमाल करके वह दूसरे नकली और डमी स्ढ्रूकार्ड एक्टिवेट करता था। पता चला है कि उसने अब तक करीब 4,500 डमी स्ढ्रूकार्ड एक्टिवेट किए हैं। इमरान अली एक्टिवेट किए गए डमी SIM कार्ड के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर OTP और WhatsApp एक्टिवेशन बेचने का काला धंधा चला रहा था दूसरा आरोपी इंजामुल मोल्लाह पाकिस्तान और हांगकांग के इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड करने वालों के सीधे संपर्क में था। इस्लामाबाद से कॉल सेंटर और हांगकांग से मैलवेयर नेटवर्क अहमदाबाद साइबर क्राइम स्टेशन में दर्ज1.5 करोड़ की बड़ी ठगी की शिकायत की जांच के दौरान इस इंटरनेशनल रैकेट के लिंक का पता चला। साइबर क्राइम ब्रांच ने समय रहते कार्रवाई करते हुए अब तक शिकायत करने वाले के 1.13 करोड़ बरामद कर लिए हैं। फिलहाल, पुलिस ने दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर उनसे गहराई से पूछताछ शुरू कर दी है कि देश में और कितने सिम सप्लायर और एजेंट इस नेटवर्क में शामिल हैं।

वडोदरा में भव्य रथ यात्रा के दौरान बावरिया गैंग का भंडाफोड़: मोंगिया गैंग के बाद, अब राजस्थान के कुख्यात बावरिया गैंग का धमाकेदार भंडाफोड़ हुआ है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा. वडोदरा क्राइम ब्रांच ने उन प्रवासी गैंग पर नज़र रखी है जो वडोदरा शहर में आषाढ़ी बीज के पवित्र मौके पर निकली भगवान जगन्नाथजी की भव्य रथ यात्रा के दौरान भक्तों की भीड़ का फ़ायदा उठा रहे हैं। रथ यात्रा के दौरान एक्टिव मोंगिया गैंग का सफ़ाया करने के बाद, पुलिस टीम ने अब राजस्थान के कुख्यात 'बावरिया गैंग' का सनसनीखेज खुलासा किया है। क्राइम ब्रांच के PI संजय गमेती, PI डी. जे. चुडासमा और उनकी टीम ने एक इंटरस्टेट ऑपरेशन चलाकर गैंग के दो मुख्य तेज़ तर्रार साथियों को गिरफ़्तार किया है। रथ यात्रा के दौरान भक्तों के सोने के गहने, मोबाइल और कीमती पर्स चोरी और लूट की घटनाओं के बाद क्राइम ब्रांच ने तुरंत जांच शुरू की थी। पहले गिरफ्तार किए गए मोंगिया गैंग से गहराई से पूछताछ के दौरान पुलिस को इंटरस्टेट बावरिया गैंग की गतिविधियों के बारे में चौंकाने वाली जानकारी मिली। सूचना मिलने पर, वडोदरा क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीमों ने राजस्थान और हरियाणा बॉर्डर के पास के गांवों में टेंट लगाकर सीक्रेट निगरानी शुरू कर दी। टेक्निकल सर्विलांस और सटीक जानकारी के आधार पर, पुलिस ने बावरिया गैंग के दो मुख्य लीडरों, जितेंद्रसिंह बहादुरसिंह बावरिया और आरती धर्मसिंह बावरिया (दोनों धंधोली गांव, अलवर, राजस्थान के रहने वाले) को घेरकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपी टूट गए और उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने रथ यात्रा की भीड़ का फायदा उठाकर चार भक्तों की सोने की चेन तोड़ी थीं। क्राइम ब्रांच ने आरोपियों से लूटी गई चारों चेन सफलतापूर्वक जब्त कर ली हैं। आरोपियों से कड़ी पूछताछ में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस गैंग में 5 और महिलाएं और 2 पुरुष साथी भी शामिल थे। वडोदरा क्राइम ब्रांच ने इन सभी सात फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग राज्यों में जांच टीमें भेजी हैं। वडोदरा पुलिस के इस आक्रामक ऑपरेशन से माइग्रेंट स्मगलिंग गैंग में भारी हलचल मच गई है। इस इंटर-स्टेट गैंग ने आषाढ़ी बीज पर वडोदरा में हुई जगन्नाथजी की इस भव्य रथ यात्रा में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर चोरी और लूटपाट की घटनाओं को अंजाम दिया।

खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच का विस्फोटक ऑपरेशन फिजिकल सागर आबाद चोरी की संपत्ति के साथ पकड़ा गया

7 साल पुराना अनसुलझा कार चोरी का मामला सुलझा: नडियाद एलसीबी पुलिस ने तस्करों पर कसा शिकंजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। खेड़ा-नाडियाड क्राइम ब्रांच (एलसीबी) टीम ने अपराध और चोरी के मामलों पर नकेल कसने में एक बड़ी सफलता हासिल की है। वर्षों पुराने और अनसुलझे अपराधों पर कार्रवाई के तहत पुलिस ने नडियाद के भौतिक सागर को चोरी की संपत्ति के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। वहीं, पुलिस ने सात साल पुराने वाहन चोरी के एक जटिल मामले का पर्दाफाश कर कानून का राज बहाल कर दिया है. प्राप्त विवरण के अनुसार, खेड़ा-नडियाद अपराध शाखा की टीम कुछ मुखबिरों के नेटवर्क के आधार पर इलाके में गश्त कर रही थी और निगरानी कर रही थी। इसी बीच पुलिस को विशेष सूचना मिली कि नडियाद का भय्या सागर नामक व्यक्ति संदिग्ध एक्टिवा से घूम रहा है. एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, अपराध शाखा ने एक त्वरित और योजनाबद्ध छापेमारी की और फिजिक सागर को हिरासत में लिया। पुलिस ने जब एक्टिवा से उसके कागजात और नंबर प्लेट के बारे में पूछताछ की तो सगरा टूट गया और उचित जवाब नहीं दे सका। पुलिस की गहन और तकनीकी जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि यह एक्टिवा आज से सात साल पहले चोरी हो गई थी!

क्राइम ब्रांच आई सामने, आरोपी सलाखों के पीछे

7 साल से पुलिस की किताब में अनसुलझा वाहन चोरी का यह अपराध आखिरकार खेड़ा-नडियाद एलसीबी की समय पर और सटीक जानकारी के कारण सुलझ गया है। चोरी की गाड़ी को जब्त कर पुलिस ने आरोपी भौतिक सागर के खिलाफ कानूनी आपराधिक कार्यवाही शुरू कर दी है और उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है। इस सफल ऑपरेशन से पूरे नडियाद और खेड़ा जिले के तस्करों और असामाजिक तत्वों में काफी उत्साह फैल गया है। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने अपराध शाखा पुलिस के सराहनीय प्रदर्शन की सराहना की है। पुलिस ने आगे कहा है कि आगे भी कड़ी पूछताछ और जांच की जा रही है कि क्या आरोपी ने पहले भी कोई अन्य चोरी या आपराधिक गतिविधियां की हैं.

आनंद निकेतन स्कूल के खाने में कांच मिलने पर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का फ़ूड डिपार्टमेंट जागा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के मशहूर आनंद निकेतन स्कूल की कैंटीन के खाने में कांच के टुकड़े मिलने की गंभीर घटना के बाद पूरा शहर सकते में है। मासूम बच्चों की सेहत से खुलेआम छेड़छाड़ की इस घटना के सामने आने के बाद अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का फ़ूड और हेल्थ डिपार्टमेंट आखिरकार अपनी नींद से जागा है। आज सुबह से ही म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फ़ूड डेज़िग्नेटेड ऑफ़िसर और हेल्थ डिपार्टमेंट की अलग-अलग टीमों ने शहर के मशहूर प्राइवेट स्कूलों की कैंटीन में सरप्राइज़ चेकिंग और रेड शुरू कर दी है। इसी कैंपेन के तहत म्युनिसिपल टीम ने सरखेज में मौजूद अडानी विद्या मंदिर स्कूल में रेड मारी। एडमिनिस्ट्रेशन ने स्कूल कैंटीन की साफ-सफाई, किचन की हालत और बच्चों को परोसे जाने वाले खाने की क्वालिटी की अच्छी तरह से जांच की। हेल्थ अधिकारियों ने मौके से बच्चों के लिए बनाए गए खाने और इस्तेमाल की गई खाने की चीज़ों के सैंपल लेकर लैब में टेस्टिंग के लिए भेज दिए हैं। लाइसेंस और सर्टिफिकेट है या नहीं।

ST रिज़र्वेशन में फर्जी सर्टिफिकेट के करोड़ों के घोटाले का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राज्य में फर्जी घोटालों की बाढ़ के बीच, आज राजधानी गांधीनगर के अखबार भवन में एक बड़ा धमाका हुआ। स्टूडेंट लीडर और सोशल एक्टिविस्ट युवराजसिंह जडेजा ने एक सनसनीखेज प्रेस कॉन्फ्रेंस करके एक भयानक और सोची-समझी साजिश के तहत फर्जी सर्टिफिकेट घोटाले का पर्दाफाश किया है, जिसमें रिज़र्वेशन में अनुसूचित जनजातियों के अधिकारों पर हमला किया गया है। उन्होंने सरकारी कागज़ात और RTI से मिले पक्के फैक्ट्स पेश करके सरकारी दफ्तरों में चल रही बड़ी मिलीभगत का पर्दाफाश किया है। युवराजसिंह जडेजा ने मीडिया के सामने सबूत पेश करते हुए कहा कि बिना किसी रजिस्ट्रेशन या सरकारी रिकॉर्ड में एंट्री के हाथ से लिखे फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर गैर-कानूनी तरीके से स्त्र कैटेगरी के फायदे लिए गए हैं। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के ऐसे (नकली) साइन का इस्तेमाल करके जाली कागज़ बनाए गए हैं जो हैं ही नहीं। इतना ही नहीं, असली रेवेन्यू गांव के मूल निवासी होने के बावजूद जंगल में रहने के पूरी तरह से फर्जी उदाहरण बनाकर आदिवासी समुदाय के संवैधानिक अधिकारों को खुलेआम लूटा गया है। इस स्कैम की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि गुजरात हाई कोर्ट के साफ फैसलों और आदेशों के बावजूद इसे दरकिनार कर दिया गया है। जांच के लिए जिम्मेदार एनालिसिस कमेटी ने ऑफिशियल डॉक्यूमेंट्री सबूत पेश किए हैं कि नियमों के खिलाफ जाकर गलत काम करने वालों को बचाया गया। युवराजसिंह जडेजा ने आगे कहा कि यह स्कैम सिर्फ सरकारी नौकरियों या स्कॉलरशिप तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आदिवासी समुदाय के अस्तित्व और संवैधानिक सुरक्षा के खिलाफ एक बहुत बड़ी साजिश है।

राज्य सरकार का ऐतिहासिक फैसला: पंचायत तलाटी और रेवेन्यू तलाटी का नया जॉब चार्ट घोषित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। ग्रामीण प्रशासन को और बेहतर और पारदर्शी बनाने के लिए गुजरात सरकार ने एक बहुत ही अहम और ऐतिहासिक फैसला लिया है। लंबी मांगों और लगातार कोशिशों के बाद, दोनों कैडर के लिए एक साफ 'जॉब चार्ट' घोषित किया गया है, जिससे पंचायत तलाटी-कम-मिनिस्टर और रेवेन्यू तलाटी के बीच काम का तनाव खत्म हो गया है। इस फैसले से दोनों कैडर के अधिकारियों की बुनियादी भूमिका, जिम्मेदारियां और काम का दायरा एकदम साफ हो जाएगा, जिससे ग्रामीण इलाकों के लोगों के रुके हुए काम जल्दी निपटेंगे। पंचायत, रूरल हाउसिंग एंड रूरल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के नए तय जॉब चार्ट के मुताबिक, पंचायत तलाटी ग्राम पंचायत सेक्रेटरी के तौर पर सारा काम संभालेंगे। डेवलपमेंट और सरकारी स्कीम: गांव लेवल पर केंद्र और राज्य सरकार की वेलफेयर और पर्सनल स्कीम को लागू करना। ग्राम सभा ऑर्गनाइज़ करना, पंचायत की अलग-अलग कमेटियों की मीटिंग और काम को डी-स्ट्रेस करना। गांव वालों को साफ पता चल जऑर्गनाइज्ड और तेज होगा।

DCP नकुम का बचाव करने वाले BJP नेता के खिलाफ वकील खड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत. सूरत में DCP राजदीप सिंह नकुम और वकील आसिफ मुल्तानी के बीच विवाद ने अब बहुत ही तीखा राजनीतिक और कानूनी रूप ले लिया है। वकील के साथ कथित बदसलूकी और मारपीट के विवाद में फंसे DCP नकुम का खुलकर समर्थन करने वाले BJP नेता मुकेश गुजराती के खिलाफ अब पूरी कानूनी कम्युनिटी खड़ी हो गई है। सूरत बार एसोसिएशन और वकील नेताओं ने BJP नेता के खिलाफ कड़े शब्दों में अपना गुस्सा जाहिर किया है और उन्हें पद से हटाने की मांग की है। 'हाई कोर्ट के मोहरे जितने भी काबिल नहीं' – लॉयर्स एसोसिएशन का तीखा हमला बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और लॉयर्स एसोसिएशन के नेताओं ने मीडिया के सामने तीखा हमला करते हुए कहा, 'गुजराती पुलिस अधिकारियों के गलत कामों पर पर्दा डालने और उनका बचाव करने के लिए मैदान में उतरे BJP नेता मुकेश में हाई कोर्ट का मोहरा बनकर काम करने की काबिलियत या काबिलियत नहीं है।' वकीलों ने आरोप लगाया कि ऐसे नेता बिना किसी कानूनी जानकारी के, सिर्फ अपनी चापलूसी करने के लिए वकीलों और कानून लागू करने वाली आम जनता के अधिकारों को कुचल रहे हैं। सूरत में वकीलों पर हुए अत्याचार के विरोध में पूरे गुजरात के कानूनी हलकों में गुस्सा फैल गया है। वकीलों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर DCP राजदीप सिंह नकुम के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई और कानून का अपमान करने वाले BJP नेता मुकेश गुजराती को संगठन या उनके पद से नहीं हटाया गया, तो आने वाले दिनों में वकील काम बंद करके पूरे राज्य में उग्र आंदोलन करेंगे। पुलिस और रूलिंग पार्टी के नेता के बीच इस कथित मिलीभगत के खिलाफ वकीलों के गुस्से भरे रवैये से सूरत एडमिनिस्ट्रेशन और पॉलिटिकल सर्कल में भारी हंगामा मच गया है।

वराछा के शीतल रेस्टोरेंट से काजू-पनीर ऑर्डर करने वाले परिवार पर फ़ूड पॉइज़निंग का काला पंजा टूटा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत. सूरत शहर के वराछा इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने फ़ूड सेफ़्टी और रेस्टोरेंट के खाने की क्वालिटी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वराछा में रहने वाले एक परिवार ने 15 अगस्त की रात स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान पास के मशहूर 'शीतल रेस्टोरेंट' से काजू-पनीर की पंजाबी सब्जी ऑर्डर की थी। लेकिन परिवार को नहीं पता था कि खुशी में ऑर्डर किया गया यह खाना उनकी मौत बन जाएगा। काजू और पनीर की सब्जी खाने के कुछ ही देर में परिवार के सभी पांच सदस्यों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बार-बार उल्टी, जी मिचलाना और पेट में असहनीय दर्द होने की वजह से सभी सदस्यों को गंभीर हालत में सदविचार हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान, 5 अगस्त की रात को ज़हरीले खाने के गंभीर असर की वजह से मासूम की 5 साल की बेटी आर्या की मौत हो गई। 5 साल की बच्ची की दुखद मौत ने पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया है। फिलहाल, मासूम आर्या के माता-पिता और परिवार के दो अन्य सदस्य हॉस्पिटल में इलाज करा रहे हैं। इस घटना के बाद वराछा इलाके में काफी गुस्सा है, लोगों में गुस्सा फैल रहा है। ठीक म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट की एक टीम को रेस्टोरेंट में इस्तेमाल किए गए पनीर और मसालों की जांच करने का काम सौंपा गया है और यह भी कि खाना कितना बासी या ज़हरीला था।

मुरलीधर प्रोटीन्स' से 2,995 kg संदिग्ध खाने का तेल ज़ब्त, काली करतूतों का पर्दाफ़ाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडल. S.O.G ब्रांच ने खाने की चीज़ों में मिलावट के खिलाफ़ सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की है। SO.G. ने गोंडल तालुका के भोजपरा गांव के बाहरी इलाके में मौजूद 'मुरलीधर प्रोटीन्स' नाम की फ़ैक्टरी पर कार्रवाई की है। टीम ने रेड मारकर भारी मात्रा में 2,995 किलोग्राम संदिग्ध और मिलावटी खाने का तेल ज़ब्त किया है। इस सफल अभियान से मिलावट करने वाले व्यापारियों में काफ़ी हलचल मच गई है। S.O.G. ब्रांच के PSI जी. जे. झाला, ASI विपुलभाई और कांस्टेबल पृथ्वीराज सिंह गोंडल तालुका इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे थे, तभी उन्हें एक मुखबिर से खास जानकारी मिली कि भोजपरा गांव के बाहरी इलाके में प्लॉट नंबर 59/7/1 पर 'मुरलीधर प्रोटीन्स' नाम के एक शेड में तेल में संदिग्ध तरीके से मिलावट की जा रही है, जिससे लोगों की सेहत के साथ खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है। सूचना मिलते ही SO.G. PI °. एफ. पारगी के कहने पर पुलिस ने फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (राजकोट) के फूड सेफ्टी ऑफिसर के साथ मिलकर फैक्ट्री में अचानक छापा मारा। छापेमारी के दौरान, फैक्ट्री से 2,995 किलोग्राम संदिग्ध खाने का तेल मिला। फूड सेफ्टी ऑफिसर ने तुरंत तेल के सैंपल लिए और उन्हें जांच के लिए सरकारी लैब में भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने मोटा दलवा गांव के 26 साल के व्यापारी जयदेवभाई प्रभातभाई डांगर (अहीर) के खिलाफ कानूनी क्रिमिनल एक्शन लिया है। लैब रिपोर्ट आने के बाद हेल्थ से छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी धाराएं जोड़ी जाएंगी।

अहमदाबाद के गोटा वंदे मातरम इलाके में धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. अहमदाबाद शहर के पॉश गोटा वंदे मातरम इलाके से चोरी की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक तस्कर, जो ग्राहक बनकर आया था, वंदे मातरम रोड पर एक ब्रांडेड घड़ी की दुकान से बिना ध्यान दिए ?2 लाख से ज़्यादा कीमत की कीमती सोने की घड़ी चुरा ले गया। हालांकि, इस शातिर तस्कर की सारी चालें दुकान में लगे छुपाकर कैमरे में कैद हो गईं। घटना के बारे में सोला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होते ही पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। ग्राहक बनकर आया और बिना ध्यान दिए घड़ी पार कर गया मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी प्रदीप नायक महंगी घड़ियां देखने के बहाने गोटा वंदे मातरम इलाके में ब्रांडेड शोरूम में आया था। जब दुकानदार और सेल्समैन उसे अलग-अलग घड़ियां दिखा रहे थे, तो इस चालाक चोर ने बड़ी चालाकी से 2 लाख रुपये से ज़्यादा कीमत की सोने की परत चढ़ी ब्रांडेड घड़ी बिना ध्यान दिए अपनी जेब या हाथ में डाल ली। आरोपी के वहां से जाने के बाद, स्टॉक गिनते समय घड़ी गायब थी। दुकानदार ने CCTV फुटेज चेक की, जिसमें प्रदीप नायक की चोरी की काली करतूत साफ दिखाई दे रही थी। CCTV फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर, सोला पुलिस स्टेशन की टीम ने क्राइम को सुलझाने के लिए काम शुरू किया। सटीक जानकारी और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर, सोला पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी प्रदीप नायक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 लाख रुपये से ज़्यादा कीमत की चोरी की गई सोने की घड़ी सुरक्षित बरामद कर ली है। सोला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उससे कड़ी पूछताछ कर रही है ताकि पता चल सके कि उसने पहले किसी और शोरूम या व्यापारी को शिकार तो नहीं बनाया है। सोला पुलिस की इस तारीफ़ के काबिल और तेज़ कार्रवाई से व्यापारियों को राहत मिली है।

संत शिरोमणि श्री रविदासजी महाराज की जयंती के मौके पर झालोद में भव्य कलश यात्रा का प्लान

BJP के 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत, झालोद शहर के 47 ग्राम पंचायतों, 7 वार्डों और झालोद मंडल में धार्मिक आस्था के साथ कलश यात्रा निकाली जाएगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद. संत शिरोमणि श्री रविदासजी महाराज की जयंती के मौके पर, भारतीय जनता पार्टी की तरफ से पूरे देश में 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत अलग-अलग धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत, झालोद 130 विधानसभा क्षेत्र में भी एक भव्य पवित्र कलश यात्रा का आयोजन किया गया है झालोद 130 विधानसभा रूरु महेशभाई भूरिया के मार्गदर्शन में, झालोद तालुका में APMC संत श्री रविदासजी महाराज के पवित्र कलश बांटने का कार्यक्रम सुबह 12 बजे गणेश मंदिर में हुआ। धार्मिक आस्था, सामाजिक सद्भाव और एकता के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में BJP नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इस अभियान के तहत, झालोद तालुका की कुल 47 ग्राम पंचायतों, झालोद नगर पालिका के 7 वार्डों और झालोद मंडल के मुख्य कलश के साथ 17 से 21 अगस्त तक अलग-अलग इलाकों में धार्मिक माहौल में पवित्र कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा के दौरान संत श्री रविदासजी महाराज के जीवन, उनके सद्भाव और सामाजिक एकता के संदेश को लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष रेखाबेन बसैया, तालुका पंचायत अध्यक्ष सुरेश कटारा, प्रदेश रुज़. मोर्चा महासचिव शीतलबेन वाघेला, तालुका प्रभारी राहुल रावत, तालुका अध्यक्ष सुरेश भाभोर, शहर अध्यक्ष मयूर पांचाल और कार्यक्रम के जिला प्रभारी भरत श्रीमाली के साथ जिला और तालुका स्तर के सदस्य, सरपंच, संगठन पदाधिकारी और बड़ी संख्या में BJP कार्यकर्ता और शहरवासी मौजूद थे। संत श्री रविदासजी महाराज ने समाज में बराबरी, भाईचारा, इंसानियत और भेदभाव रहित समाज का संदेश दिया। उनके विचारों को लोगों तक पहुंचाने और समाज में समरसता की भावना को और मजबूत करने के लिए निकाली जा रही यह कलश यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता का भी संदेश देगी। झालोद में होने वाले इस अभियान के लिए ग्रामीण और शहरी इलाकों में BJP संगठन की तरफ से बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। 17 से 21 अगस्त तक होने वाली कलश यात्रा के जरिए 'समरस समाज, सशक्त समाज' के संकल्प को पूरा करने की कोशिश की जाएगी।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की कार्रवाई: जुहापुरा का रज़ी कुरैशी रिवरफ्रंट से बड़ी मात्रा में हथियारों के साथ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद शहर में असामाजिक तत्वों और अवैध हथियारों के तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके बड़ी कामयाबी हासिल की है। एक टिप-ऑफ के आधार पर, क्राइम ब्रांच की एक टीम ने शहर के पॉश और हलचल वाले रिवरफ्रंट इलाके में छापा मारा और जुहापुरा से एक संदिग्ध युवक को बड़ी मात्रा में अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। क्राइम ब्रांच टीम को खास जानकारी मिली कि एक युवक अपने टू-व्हीलर में अवैध हथियार लेकर रिवरफ्रंट रोड से गुज़रने वाला है। जानकारी के आधार पर, पुलिस ने निगरानी रखी और संदिग्ध गाड़ी को रोककर जांच शुरू की। गाड़ी की तलाशी लेते समय पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। टू-व्हीलर में मिला सामानः पुलिस ने आरोपी रज़ी कुरैशी (जुहापुरा, अहमदाबाद का रहने वाला) को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया, जिसे गैर-कानूनी हथियारों के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने बताया कि ये सभी खतरनाक हथियार उसे अयूब शेख नाम के एक आदमी ने दिए थे। फिलहाल, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने आरोपी रज़ी कुरैशी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जबकि हथियार सप्लाई करने वाला मेन आरोपी अयूब शेख फिलहाल फरार है, इसलिए उसे पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। यह भी पता लगाने के लिए पूरी जांच शुरू कर दी गई है कि क्या ये हथियार शहर में कोई बड़ा क्राइम करने के लिए लाए गए थे।

सैलरी, पेंशन और एरियर के मुद्दे पर भारतीय मजदूर संघ का राज्य भर में मेगा-आंदोलन

सभी जिला हेडक्वार्टर पर होंगे ज़ोरदार धरने प्रदर्शन, 161 यूनियन दिखाएंगी अपनी ताकत!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर. सरकार द्वारा मज़दूरों और कर्मचारियों के लंबे समय से पेंडिंग मुद्दों को हल न करने पर, देश और राज्य के सबसे बड़े मज़दूर संगठन 'भारतीय मज़दूर संघ' ने आखिरकार आर-पार की लड़ाई का बिगुल बजा दिया है। सैलरी बढ़ोतरी, हायर पेंशन और जॉब सिक्योरिटी समेत कई पेंडिंग मुद्दों पर आज गुजरात के सभी जिला हेडक्वार्टर पर भारतीय मज़दूर संघ के नेतृत्व में राज्य भर में धरना प्रदर्शन और विरोध रैलियां आयोजित की गई हैं। पूरे राज्य में छोटे-बड़े कैडर की 161 से ज़्यादा यूनियनें इस बड़े आंदोलन में एक साथ आ रही हैं।

कर्मचारियों और लेबर यूनियनों की मुख्य मांगें क्या हैं?

राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर हुए इस विरोध प्रदर्शन में, भारतीय मजदूर संघ ने सरकार के सामने अपनी मज़दूर मांगों का एक चार्टर पेश किया है न्यूनतम वेतनः मज़दूरों और कर्मचारियों के लिए कम से कम ?30,000 प्रति माह का न्यूनतम वेतन तय किया जाए।

पेंशन स्कीमः पुरानी पेंशन स्कीम को फिर से लागू किया जाए और EPF और ESI की वेतन सीमा को तुरंत बढ़ाया जाए।

मानदेय पाने वालों को परमानेंट किया जाएः आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर-टेडा घर बहनों और मिड-डे मील (पोषण) कर्मचारियों को सिर्फ़ मामूली मानदेय देने के बजाय, उन्हें परमानेंट सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। लेबर कोड में बदलावः कर्मचारियों और वर्करों के खिलाफ़ कानूनों या नियमों में तुरंत बदलाव किए जाएं। हर कोने से कर्मचारी उमड़े, एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में अफ़रा-तफ़री इस आंदोलन में सिर्फ़ सरकारी या सेमी-गवर्नमेंट ही नहीं बल्कि स्क्र. कॉर्पोरेशन यूनियन, कलेक्टर ऑफिस के कॉन्ट्रैक्ट वाले कर्मचारी, रिक्शा एसोसिएशन और अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर के लाखों वर्कर एक साथ आए हैं। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस के सामने बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के ज़रिए राज्य और केंद्र सरकार को सख्त चेतावनी वाला लेटर भेजा जा रहा है। लेबर यूनियन के नेताओं ने साफ चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने जल्द से जल्द इन पेंडिंग मांगों का हल नहीं निकाला तो आने वाले दिनों में पूरे राज्य में एडमिनिस्ट्रेटिव और ट्रांसपोर्ट सर्विस रोक दी जाएंगी और एक बहुत ही उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

चिखली चौकी प्रभारी को तत्काल निलंबित किया जाए हेमंत वर्मा प्रदेश अध्यक्ष आईरा इंटरनेशनल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. छत्तीसगढ़ पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने चिखली चौकी प्रभारी को तत्काल निलंबित करने की मांग किया है गौरतलब है की चिखली चौकी क्षेत्र में लगातार अपराधीक गतिविधि नशा सुखा नशा अवैध शराब सहित कई अपराधिक गतिविधियां संचालित किया जा रहा है इसके बावजूद भी प्रभारी के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है चिखली क्षेत्र में कल हुई जघन्य हत्याकांड ने पुलिस की भूमिका को पूरी तरह सन्देह के दायरे में ला दिया है उल्लेखनीय है की इसके पहले भी चिखली चौकी प्रभारी पर गंभीर लापरवाही के अनेकों मामले सामने आए उसके बावजूद भी इस लापरवाह अधिकारी पर अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने जिले के एसपी और आईजी से मांग किया है कि चिखली चौकी प्रभारी को कार्यों में लापरवाही की वजह से तत्काल निलंबित किया जाए एवं उनके खिलाफ भी विभागीय जांच किया जाए

रूपकुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर जिलाध्यक्ष उमा चौबे ने दी बधाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई. भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा महिला मोर्चा, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई की जिलाध्यक्ष श्रीमती उमा चौबे ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती उमा चौबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटी को भाजपा महिला मोर्चा के राष्ट्रीय नेतृत्व की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि श्रीमती रूपकुमारी चौधरी का संगठन के प्रति समर्पण, जमीनी स्तर पर कार्य करने का लंबा अनुभव तथा महिलाओं के बीच उनकी सक्रिय भूमिका निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्तर पर महिला मोर्चा को नई ऊर्जा और नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि श्रीमती चौधरी ने जिला पंचायत सदस्य से लेकर विधायक, संसदीय सचिव और सांसद तक का सफर तय करते हुए संगठन एवं जनसेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनका व्यापक राजनीतिक एवं संगठनात्मक अनुभव देशभर की महिला कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है। श्रीमती उमा चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई ऊंचाइयां मिली हैं। ऐसे समय में श्रीमती रूपकुमारी चौधरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलना महिला शक्ति को और अधिक संगठित एवं सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उनके नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा बूथ स्तर तक महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, संगठन को मजबूत करने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएगा।

राजकोट क्राइम ब्रांच की कार्रवाई: पिछले 4 हथियारों के अपराधों में फरार आरोपी 4 और अवैध हथियारों के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट. राजकोट शहर में अपराध और अवैध हथियारों की तस्करी पर रोक लगाने में राजकोट शहर क्राइम ब्रांच को एक बड़ी और अहम कामयाबी मिली है। क्राइम ब्रांच की टीम ने 4 अवैध हथियारों के गंभीर अपराध में पहले पकड़े नहीं गए फरार आरोपी को 4 और अवैध हथियारों के साथ रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस की इस कड़ी कार्रवाई से शहर के असामाजिक तत्वों में भारी हड़कंप मच गया है।

अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ राजकोट पुलिस का खास अभियान

राजकोट शहर पुलिस कमिश्नर के खास निर्देशों और गाइडेंस में, क्राइम ब्रांच ने पहले अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए अपराधियों की हिस्ट्रीशीट चेक करने और उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखने के लिए एक खास अभियान शुरू किया है। शहर में अवैध हथियार रखने या बेचने वाले लोगों के बारे में मुखबिरों और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए जानकारी इकट्ठा की जा रही थी। एक सीक्रेट जानकारी के आधार पर, एक वॉच सेट अप किया गया और अरेस्ट किया गया। इस कैंपेन के दौरान, क्राइम ब्रांच टीम को पक्की और सटीक जानकारी मिली कि आरोपी, जो पहले 4 आर्म्स क्राइम में पुलिस को चकमा दे चुका था, फिर से गैर-कानूनी हथियारों के साथ राजकोट शहर में घुस आया है। जानकारी के आधार पर, क्राइम ब्रांच ने जल्दी और सिस्टमैटिक तरीके से आरोपी को घेर लिया और अरेस्ट कर लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से 04 और गैर-कानूनी हथियार बरामद हुए। पुलिस ने सभी हथियार ज़ब्त कर लिए हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर रही है। हथियार कहां से आए? क्राइम ब्रांच ने ज़ोरदार जांच शुरू कर दी है। राजकोट क्राइम ब्रांच अब आरोपी से सख्ती से पूछताछ कर रही है कि वह ये गैर-कानूनी हथियार कहां से और किससे लाया था और शहर में किसे सप्लाई करने वाला था।

AMC के नाम पर बड़ा स्कैंडल, यह जांच ज़रूरी है कि किसके कहने पर लाखों की चोरी करने वाला हाई-टेक गैंग कौन था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का कर्मचारी बनकर लाखों का कॉपर चुराने वाले हाई-टेक गैंग के पकड़े जाने के बाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इस बात पर बहस चल रही है कि क्या म्युनिसिपल कमिश्नर बंछानिधि पानी, जो अभी शहर के अलग-अलग इलाकों में जाकर साइट का इंस्पेक्शन कर रहे हैं, इस मामले में दिलचस्पी लेंगे और पूरी जांच करेंगे या फिर मामला रफ़ा-दफ़ा कर दिया जाएगा। हालांकि पूरा मामला पुलिस के पास है, लेकिन यह जांच करना ज़रूरी है कि इस गैंग को अहमदाबाद म्युनिसिपल लोगो वाली जैकेट कहां से मिलीं और क्या अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन का कोई बड़ा हेड उनके साथ था। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद शहर के वासना इलाके में एक गैंग पकड़ा गया है, जो AMC कर्मचारियों का गेटअप पहनकर BSNL के लाखों रुपये के अंडरग्राउंड कॉपर वायर चुरा ले गया। चोरी का तरीका ऐसा था कि किसी को शक भी नहीं होता। हालांकि, वासना पुलिस और BSNL स्टाफ ने निगरानी रखी और 4 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। 15 अगस्त की रात को कुछ लोग वासना इलाके में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कर्मचारी बनकर आए। इस गैंग के सदस्यों ने रेडियम जैकेट पहनी हुई थी जो बिल्कुल AMC कर्मचारियों जैसी लग रही थी और खुदाई और मरम्मत के लिए ज़रूरी औजार भी लाए थे। इतना ही नहीं, उन्होंने वहां ड्यूटी पर मौजूद BSNL सिक्योरिटी गार्ड को अपनी झूठी पहचान दी और उसे चुपचाप एक जगह पर बैठा दिया। उन्होंने वहां बैठा लिया कि वे कॉर्पोरेशन से काम के लिए आए हैं। वासना पुलिस स्टेशन की जांच में पता चला है कि यह गैंग मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला है और खास तौर पर चोरी करने के लिए अहमदाबाद आया था। फिर वासना पुलिस ने आगे की जांच शुरू की ताकि पता चल सके कि इस गैंग के पास BSNL की कौन सी लाइन है, इसका मास्टर प्लान कहां से आया और ये कॉपर वायर चोरी करके किसे बेच रहे थे। इस गैंग में और कौन-कौन है और ये कब से ऐसी चोरियां कर रहे हैं। आरोपी इतने चालाक और बेखौफ थे कि उन्होंने कॉर्पोरेशन के काम जैसा माहौल बना दिया ताकि वहां से गुजरने वाले लोगों या पुलिस को उन पर शक न हो। इससे पता चलता है कि अपराधी कितना भी चालाक क्यों न हो, उससे गलतियां हो ही जाती हैं। BSNL के ऑफिशियल स्टाफ को शक वाली जानकारी मिली कि रात में डक्ट खुले हुए हैं।

आज का राशिफल

19 अगस्त 2026, बुधवार

मेष
आज कामकाज में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ
दिन अनुकूल रहेगा। रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

मिथुन
मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य के प्रतितं लापरवाही न करें।

कर्क
आज भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें। परिवार में सुखद माहौल रहेगा और पुराने विवाद सुलझ सकते हैं।

सिंह
आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी में प्रशंसा मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में लाभ के संकेत हैं।

कन्या
आज व्यवस्थित तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। व्यापार में नई संभावनाएं सामने आएंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला
दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। साझेदारी के काम में सावधानी रखें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन प्रसन्न करेगी।

वृश्चिक
कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता का लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

धनु
आज कोई महत्वपूर्ण फैसला लेना पड़ सकता है। मेहनत से सफलता मिलेगी। यात्रा के योग बन सकते हैं और नए संपर्क लाभदायक रहेंगे।

मकर
करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। अधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश से जुड़े फैसले जल्दबाजी में न लें।

कुंभ
आज रचनात्मक कामों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में लाभ हो सकता है। किसी करीबी से मनमुटाव हो तो बातचीत से समाधान निकालें।

मीन
दिन सकारात्मक रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। धन लाभ के अवसर मिलेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

ईश्वर आपकी हर मनोकामना पूर्ण करें आपका दिन मंगलमय हो।

ज्योतिषाचार्य
पं. महेश शर्मा
जयपुर, राजस्थान

नितिन नवीन की नई टीम: नई ऊर्जा और नया संतुलन

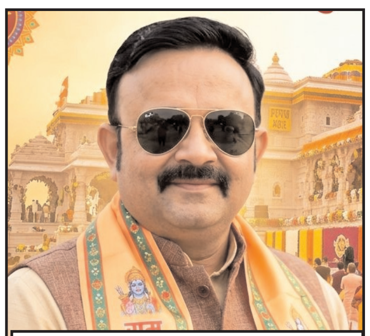

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है।

राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीरथ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है।

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है। बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात नितिन नवीन ने पूरी तरह से 'पुराना हटाओ, नया लाओ' की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है।

यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी रोजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है।

नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है। इसलिए राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चुनावी दृष्टि से स्वाभाविक रणनीति है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नई टीम का उद्देश्य केवल 2026-27 के चुनाव नहीं हो सकते। भाजपा की दृष्टि निश्चित रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे आगे तक जाती है। 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य तभी राजनीतिक और सामाजिक आधार प्राप्त कर सकता है जब पार्टी संगठन निरंतर नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ता रहे। इसलिए नितिन नवीन की टीम को एक प्रकार से 2029 की तैयारी और 2047 की राजनीतिक-संगठनात्मक नींव के रूप में भी देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर पर भी आने वाले समय में परिवर्तन या विस्तार की अटकलें स्वाभाविक हैं, विशेषकर जब सरकार को आगामी राज्यों के राजनीतिक समीकरणों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को साथ लेकर चलना है। लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में अभी किसी विशेष व्यक्ति की नियुक्ति को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। अनुराग ठाकुर जैसे अनुभवी नेताओं के संभावित भविष्य की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो सकती है, पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर निर्भर करेगा। नरेन्द्र मोदी की राजनीति में संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों के माध्यम से ऊर्जा पैदा करने की परंपरा रही है, इसलिए भविष्य में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो तो उसे आश्चर्य के बजाय व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए। वास्तव में नितिन नवीन की नई टीम का सबसे बड़ा संदेश 'रीसेट' नहीं, 'रीकैलिब्रेशन' है-अर्थात संगठन को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण के अनुरूप उसकी दिशा और गति को पुनर्संतुलित करना। वरिष्ठ नेताओं का अनुभव, युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भूमिका, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सामाजिक विविधता और पेशेवर दक्षता-इन सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास दिखाई देता है। नई टीम में 65 पदाधिकारियों में बड़ी संख्या में नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने की बात भी सामने आई है, जो संगठन में पीढ़ीगत बदलाव की गति को दशार्ती है।

अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा। कुल मिलाकर यह टीम भाजपा की उस राजनीति की तस्वीर प्रस्तुत करती है जिसमें अनुभव को विरासत, युवा ऊर्जा को भविष्य और सामाजिक विविधता को विस्तार का माध्यम बनाया गया है। यदि नितिन नवीन इस टीम की क्षमताओं को एक साझा संगठनात्मक लक्ष्य में बदल पाए, तो यह परिवर्तन केवल भाजपा के पदाधिकारियों की सूची में बदलाव नहीं रहेगा, बल्कि पार्टी की कार्यशैली, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति में दिखाई देने वाला परिवर्तन बन सकता है। आने वाले चुनाव इस प्रयोग की पहली परीक्षा होंगे और 2029 उसका बड़ा मूल्यांकन। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भाजपा ने अपने संगठन को नई दिशा देने का प्रयास किया है और अब उस दिशा को जनविश्वास में बदलने की जिम्मेदारी नितिन नवीन तथा उनकी नई टीम के कंधों पर है।

संपादकीय

नबीन के नगीने

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नये बदलाव के जरिये एक तीर से कई निशाने साधे गए हैं। कार्यकारिणी में उ.प्र. के पदाधिकारियों का दबदबा, अपेक्षाकृत युवाओं को तरजीह तथा आईटी सेल के शीर्ष पद में बदलाव बताता है, ये परिवर्तन समय की जरूरत है। कहीं न कहीं जेन-जी आंदोलन के बाद पार्टी ने बदलाव की आकांक्षी नई पीढ़ी से जुड़ने का मन बनाया है। छात्र आंदोलन में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका को महसूस करते हुए एक दशक के बाद भाजपा के आईटी हेड अमित मालवीय की विदाई हुई है और दीपक म्हस्के की एंट्री हुई है। कैमिस्ट्री के प्रोफेसर रहे म्हस्के चुनावी आंकड़ों और सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित डेटा विश्लेषण अभियान से जुड़े रहे हैं। छत्तीसगढ़ आईटी सेल के समन्वयक रहे म्हस्के सोशल मीडिया कार्यकताओं को प्रशिक्षण देने और विभिन्न क्षेत्रों में व्हाट्सऐप समूहों का नेटवर्क तैयार करने के लिये पहचान रखते हैं। दरअसल, पार्टी वार-प्रतिवार के दौर से आगे निकलकर क्षेत्र, आयु समूह व मुद्दों के जरिये जनता का मूड भांपने का प्रयास करेगी। निस्संदेह, यह निर्णय राजनीति में सोशल मीडिया की बदलती भूमिका को भी दशार्ता है। पार्टी ने महसूस किया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म अब सिर्फ प्रचार का जरिया ही नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक असंतोष से मुकाबले तथा आम लोगों से जुड़ने का भी माध्यम बना है। पार्टी ने यह भी महसूस किया कि हालिया छात्र आंदोलन में छोटे वीडियो, व्यंग्य, राजनीतिक मीम व वायरल सामग्री की लोगों को जोड़ने में बड़ी भूमिका रही है। वहीं दूसरी ओर भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उ.प्र. में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उ.प्र. का दबदबा नजर आता है। जिन आठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, उनमें राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी सुर्खियों में है। साथ ही राजनीतिक समीकरण साधने के लिये ओबीसी से लेकर अल्पसंख्यक चेहरे कार्यकारिणी में उ.प्र. से शामिल किए गए है। कह सकते हैं राजनीति के साथ ही सामाजिक समीकरण भी साधने की कोशिश हुई है। बहरहाल, नितिन नबीन की नई कार्यकारिणी में महामंत्री के रूप में स्मृति ईरानी की वापसी ने खासी सुर्खियां बटोरी हैं क्योंकि अमेठी से चुनाव हारने के बाद उन्हें हाशिये पर माना जा रहा था। एक समय राहुल गांधी को हराकर अमेठी से सांसद और मंत्री बनने के बाद वे लगातार सुर्खियों में रही थीं। वहीं कुर्मी समाज से आने वाली रेखा वर्मा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं दलित समुदाय से आने वाले बुलंदशहर के सांसद डॉ.भोला सिंह राष्ट्रीय सचिव, प्रभावी यादव समाज से आने वाली आजमगढ़ की संगीता यादव के जरिये आगामी विधानसभा चुनाव में सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश हुई है। उत्तर प्रदेश से ही अमरपाल मौर्य को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

महानगर मेट्रो क्राइम फाइल्स

डाइटीशियन पत्नी की गला घोंटकर हत्या बॉडी को लकड़ी के बक्से में सीमेंट से भर दिया

सूरत में दिल दहला देने वाली क्रूरता: पत्नी की हत्या के बाद ससुर को ढूंढने का नाटक करने वाला पापी पति नीलेश सालंके आखिरकार सलाबतपुरा पुलिस के शिकंजे में

सूरत। सूरत शहर के सलाबतपुरा थाना इलाके में स्थित एक सोसायटी में इंसानियत को शर्मसार करने वाली और फिल्म 'दृश्यम' को भी पीछे छोड़ने वाली एक खौफनाक हत्या की घटना सामने आई है। पेशे से डाइटीशियन (आहार विशेषज्ञ) का काम करने वाली 39 साल की शिल्पा सालंके की उसके ही पति नीलेश सालंके ने बेरहमी से गला घोंटकर हत्या कर दी। यहीं नहीं, इस पापी पति ने राक्षसी मानसिकता दिखाते हुए, हत्या के सबूत मिटाने के लिए बॉडी को एक बड़े लकड़ी के बक्से (बक्से) में भरकर सीमेंट की मोटी परत से ढक दिया। क्या था पूरा काला कारनामा? मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी नीलेश सालंके और मृतक शिल्पा सालंके के बीच कुछ समय से घरेलू झगड़ा चल रहा था। उसके कैरेक्टर पर शक और छोटी-छोटी बातों पर परिवार में हुए झगड़े की वजह से आरोपी पति ने गुस्से में आकर शिल्पा की गला घोंटकर हत्या कर दी। पत्नी की मौत होते ही आरोपी ने ठंडे दिमाग से पहले से प्लान की हुई साज़िश रची। उसने शिल्पा की बॉडी को घर में पड़े एक बड़े लकड़ी के बक्से में पैक करके, उसे मोड़कर रख दिया। फिर, किसी को कुछ सूंघने या शक न हो, इसके लिए बाज़ार से सीमेंट, रेत और बजरी लाकर बक्से के ऊपर और चारों ओर सीमेंट का प्लास्टर लगाकर उसे हमेशा के लिए सील कर दिया।

पुलिस स्टेशन ने ससुर के साथ मिलकर गुमशुदगी का ड्रामा किया

हत्या करने के बाद, शैतान पति नीलेश ने अपना जुर्म छिपाने के लिए एक शानदार ड्रामा किया। उसने शिल्पा के पिता (ससुर) को फ़ोन करके बताया कि 'शिल्पा घर से कहीं चली गई है और मिल नहीं रही है।' आरोपी खुद अपनी बेटी को लेकर परेशान अपने बुज़ुर्ग ससुर के साथ सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन पहुंचा और गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। जब पुलिस ने तलाश शुरू की, तो आरोपी अपने ससुर और पुलिस के सामने अपनी पत्नी को ढूंढने का अनोखा ड्रामा करता रहा। सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन के P.I. और सूरत क्राइम ब्रांच टीम (DCP ज़ोन-2 AB वाघेला और ACP के सीधे गाइडेंस में) ने लापता महिला के घर की जांच शुरू की। आरोपी से कड़ी पूछताछ में उसके बयानों में भारी विरोधाभास पाया गया। इसी बीच,

पुलिस को घर की अलमारी से एक नोट मिला, जिसमें आरोपी ने अपने परिवार की नाराज़गी और जुर्म कबूल करने की बात लिखी थी। घर से आ रही अजीब सी बदबू और कोने में नए बिछाए गए सीमेंट के बक्से को देखकर पुलिस घबरा गई। पुलिस ने जब मज़दूरों को बुलाकर सीमेंट की चिनाई तोड़ी, तो अंदर डाइटीशियन शिल्पा की कटी-फटी लाश मिली, जिसे देखकर खुद पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। आरोपी सलाखों के पीछे सलाबतपुरा पुलिस ने तुरंत कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी पति नीलेश सालंके के खिलाफ हत्या (IPC सेक्शन 302 / BNS) और सबूत मिटाने के जुर्म में केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। अपने ससुर की आंखों में धूल झोंककर पत्नी को सीमेंट में दफनाने वाले इस बेईमान पति की हरकत से पूरे सूरत शहर और गुजरात में भारी हंगामा मच गया है।

एक दिन 'रोना' बंद नहीं होता... 'खत्म' हो जाता है अंदर से टूटने से लेकर मुक्त होने तक का सफर

जब तक दर्द होता है, तब तक आंसू बहते हैं; लेकिन जब दर्द ही आपका स्वभाव बन जाता है, तब आंसू भी हमेशा के लिए विदा ले लेते हैं। इंसान जब किसी गहरे दर्द, उपेक्षा या विश्वासघात के दौर से गुजरता है, तब शुरुआत में वह बहुत रोता है। वह अपनी तकलीफ बयां करता है, चीखता-चिल्लाता है और उम्मीद करता है कि कोई उसकी बात सुने। लेकिन वक्त के साथ एक ऐसा पड़ाव आता है जहां रोना थम जाता है–सिर्फ इसलिए नहीं कि दर्द कम हो गया है, बल्कि इसलिए कि अंदर से भावनाएं शून्य हो चुकी होती हैं, जहां इंसान भावनाओं की चरम सीमा पार कर चुका होता है।

'रोना बंद होना' और 'रोना खत्म होना' के बीच का फर्क:

रोना बंद होना: यह एक अस्थायी प्रक्रिया है। आप कुछ देर के लिए शांत हो जाते हैं, लेकिन अंदर अब भी शिकायतें, विरोध और उम्मीदें जिंदा रहती हैं।

रोना खत्म हो जाना: यह मानसिक और भावनात्मक स्वीकार्यता के बाद की स्थिति है। इस स्थिति में इंसान के भीतर अब कोई सवाल पूछने, सफाई मांगने या खुद

को सही साबित करने की इच्छा ही नहीं बचती। रिश्तों में भावनाओं की संतृप्ति (संतुलन खोना) मान लीजिए किसी रिश्ते में एक व्यक्ति लगातार कोशिश कर रहा है। वह बार-बार अपना दर्द बयां करने के लिए रोता है और चाहता है कि सामने वाला उसकी कद्र करे। लेकिन जब बदले में लगातार उपेक्षा और उपहास ही मिलता है, तब एक दिन ऐसा आता है कि वह व्यक्ति रोना बिल्कुल छोड़ देता है। बाहर से ऐसा लग सकता है कि सब कुछ ठीक हो गया है, लेकिन हकीकत में उस इंसान ने अंदर से पूरी तरह विदाई ले ली होती है। अब उसे सामने वाले के होने या न होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। यह रोना बंद होना नहीं, बल्कि भावनाओं का हमेशा के लिए समाप्त हो जाना है।

मौन सबसे बड़ा आक्रोश है: इंसान तभी तक लड़ता या रोता है जब तक उसे रिश्ते या हालात में उम्मीद दिखाई देती है। मौन धारण कर लेना ही उम्मीदों का अंत है।

आंसुओं की सीमा होती है, स्थिरता की नहीं: जैसे समंदर में तूफान आने के बाद एक गहरा सन्नाटा छा जाता है, वैसे ही लगातार रोने के बाद मन एक शांत मगर बेहद मजबूत स्थिति में पहुंच जाता है।

इस स्थिति से क्या सीखने को मिलता है?

अगर आप भी जिंदगी के ऐसे मोड़ पर हैं जहां अब आपको रोना नहीं आता और किसी बात का मलाल भी नहीं रहा, तो समझ लीजिए कि:

आप स्वयं में पूर्ण हो चुके हैं: भावनाओं के अतिरेक ने आपको भीतर से बेहद शांत और स्थिर बना दिया है।

उम्मीदों का अंत हो चुका है: अब आपने अपनी खुशी या गम के लिए दूसरों पर निर्भर रहना छोड़ दिया है।

यह एक नई शुरुआत का संकेत है: जब पुराना दर्द पूरी तरह मिट जाता है, तभी जीवन में आत्म-प्रेम और नई संभावनाओं के लिए जगह बनती है। शांत चेहरे और मुस्कान के पीछे हमेशा सिर्फ खुशी नहीं होती, बल्कि हालात के प्रति वह स्वीकार्यता होती है जिसे अब कोई हिला नहीं सकता। रोना खत्म होना संवेदनाओं का मर जाना नहीं है, बल्कि खुद को संभालकर आगे बढ़ने की एक स्वाभाविक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है।

-दर्शना पटेल नेशनल मेडलिस्ट
(नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

यमुना प्राधिकरण ने 6 फीसदी बढ़ाईं जमीन के मुआवजे की दरें, गौतमबुद्ध नगर और बुलंदशहर दोनों जिलों में लागू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण ने जमीन के मुआवजे की दरों में 6 फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे दरें 4300 रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़कर 4558 रुपये प्रति वर्गमीटर हो गई हैं।

यह फैसला यीडा बोर्ड की 92वें बैठक में लिया गया है। इसका प्रभाव आवंटन दरों पर भी पड़ेगा। ग्रेटर नोएडा में मुआवजा बढ़ाने के फैसले के खिलाफ किसान अपना विरोध जारी रखे हुए हैं, जबकि यमुना प्राधिकरण ने जमीन के मुआवजे की दरों को फिर से निर्धारित कर दिया है। इस बार दरों में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। नतीजतन, यीडा में जमीन का मुआवजा 4,300 रुपये प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 4,558 रुपये प्रति वर्गमीटर कर दिया गया है। सात प्रतिशत आबादी वाले भूखंडों के लिए मुआवजा दर 4,037 रुपये प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है। यह मुआवजा वृद्धि यीडा बोर्ड की सोमवार को हुई 92वें बैठक में मंजूर की गई। ह दरें गौतमबुद्ध नगर और बुलंदशहर दोनों जिलों पर लागू होंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जब जमीन अधिग्रहण की दर 4,300 रुपये प्रति वर्गमीटर रखी गई थी, तब प्रदेश सरकार ने यीडा के अधिसूचित क्षेत्र के लिए भी वही मुआवजा 4,300 रुपये प्रति वर्गमीटर निश्चित कर दिया था। विकास कार्यों को तेज करने और औद्योगिक विस्तार के लिए लैंड बैंक तैयार करने के उद्देश्य से यीडा ने मुआवजा दरें फिर से तय करते हुए छह प्रतिशत का इजाफा किया है।यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह के अनुसार, किसानों से सहमति से जमीन खरीदने पर सामान्य मुआवजा दर 4,558 रुपये प्रति वर्गमीटर और सात प्रतिशत आबादी वाले भूखंडों के लिए 4,037 रुपये प्रति वर्गमीटर दी जाएगी। मुआवजा बढ़ाने से यमुना प्राधिकरण के लिए औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किसानों से जमीन प्राप्त करना आसान हो जाएगा। जमीन का मुआवजा बढ़ने का असर यमुना प्राधिकरण की आवंटन दरों पर भी दिखाई देगा। इस वित्त वर्ष के लिए प्राधिकरण ने आवंटन दरों में पहले ही 3.58 प्रतिशत की वृद्धि की थी। किसान से खरीदी गई जमीन का करीब 55 प्रतिशत ही आवंटन के काम आता है। बाकी भूमि हरित क्षेत्र, सड़कों व अन्य अधोसंरचना तथा किसानों के सात प्रतिशत भूखंडों में प्रयुक्त होती है। जमीन खरीद महँगी होने से भविष्य में यीडा क्षेत्र की आवंटन दरें और बढ़ने की संभावना है।

'चाहे कितना शक्तिशाली हो, पिटवा के अंदर करूंगा' लखीमपुर में अधिकारियों पर भड़के BJP विधायक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखीमपुर. खीरी जिले की धौरहरा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक विनोद शंकर अवस्थी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. खरवहिया बाजार स्थित बी-पैक्स खगीयापुर समिति के बाहर खाद के लिए किसानों की लंबी लाइन देख विधायक ने अपनी गाड़ी रोकी और खाद की कीमत के बारे में पूछताछ की. किसानों द्वारा 280 रुपये में खाद बेचे जाने की जानकारी मिलने पर विधायक अपनी गाड़ी के फुटरेस्ट पर खड़े हो गए. उन्होंने अधिकारियों को नौकरी जाने, पेड़ सूख जाने और पिटवाकर अंदर कराने की तीखी चेतावनी दे डाली. समिति के बाहर किसानों की समस्या देखकर भाजपा विधायक विनोद शंकर अवस्थी अपने तेवर में आ गए. अपनी गाड़ी के फुटरेस्ट पर खड़े होकर उन्होंने किसानों से कहा, 'जितने की खाद लिया हो उतना बताना.' इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को ललकारते हुए कहा, 'रूलिंग पार्टी का विधायक हूं, पेड़ सूख जाएगा अगर देख लूंगा तो. नौकरी चली जाएगी. गरीब ने वोट दिया है, किसी बड़े आदमी का मैं गुलाम नहीं हूं. ' विधायक यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे अधिकारियों और कर्मचारियों को चेताते हुए कहा, 'चाहे कोई कितना भी शक्तिशाली हो, पिटवा के अंदर करूंगा.' इसके बाद जब उन्होंने मौके से एआर कोऑपरेटिव को फोन मिलाने की कोशिश की तो उनका फोन स्विच ऑफ जा रहा था. इस पर नाराज विधायक बोले, 'अरे इसका तो स्विच ऑफ जा रहा है एआर कोऑपरेटिव का नंबर, खाद 280 की बिकती है. ' विधायक के इस तीखे अंदाज और चेतावनी का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में विधायक के नाम का बोर्ड और उनके सख्त तेवर साफ दिखाई दे रहे हैं. सत्ताधारी दल के विधायक द्वारा दी गई इस खुली चेतावनी की चर्चा अब पूरे जिले में जोरों पर है.

मथुरा में नकली पनीर फैक्ट्री पर छापा, 500KG दूषित पनीर नष्ट, भारी मात्रा में मिलावट का सामान बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत छाता इलाके में एक नकली पनीर फैक्ट्री पर छापेमारी की गई. इस छापे में 500 किलोग्राम दूषित पनीर को नष्ट कराया गया है. खाद्य विभाग की टीम ने जांच में रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, टीनोपाल केमिकल और सोडियम हाइड्रो भारी मात्रा में जब्त किया है, जिसका इस्तेमाल पनीर बनाने में किया जा रहा था. अधिकारियों ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग द्वारा चलाए जा रहे कैंपेन के तहत मंगलवार को छाता स्थिति सोनू कुमार पुत्र छीतरमल की पनीर निर्माण फैक्ट्री पर छापेमारी की. छापेमारी के दौरान टीम ने पनीर निर्माण में इस्तेमाल हो रहे रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, टीनोपाल केमिकल, आयरा और सोडियम हाइड्रो बरामद कर 500 किलोग्राम दूषित पनीर को नष्ट कराया. अधिकारियों ने बताया कि इस छापेमारी में कुल 9 सैंपल लिए गए हैं. साथ ही 1.05 लाख रुपये कीमत का 500 किलो दूषित पनीर और 1.25 लाख रुपये का 2000 लीटर दूध सीज कर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है.

महाकाल मंदिर में 300 गार्डों ने एक साथ कूद-कूदकर किया ब्रिज की मजबूती का 'जंप टेस्ट'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। महाकाल मंदिर में नागपंचमी से पहले भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए बने 91 फीट लंबे फुट ओवरब्रिज की मजबूती का अनोखा टेस्ट किया गया. करीब 300 सुरक्षा गार्डों ने एक साथ पुल पर 10 मिनट तक कूदकर इसकी क्षमता परखी. मंदिर समिति का कहना है कि ऐसा परीक्षण हर साल सुरक्षा व्यवस्था के तहत किया जाता है. हालांकि वीडियो सामने आने के बाद इस तरीके की वैज्ञानिकता और सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं. विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किए गए एक परीक्षण का वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है. मंदिर परिसर में भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए बनाए गए लोहे के फुट ओवरब्रिज की मजबूती जांचने के लिए करीब 300 सुरक्षा गार्डों को एक साथ पुल पर कूदने के लिए कहा गया. मंदिर प्रशासन की ओर से इसे 'जंप टेस्ट' बताया गया. परीक्षण का उद्देश्य पुल पर भारी दबाव की स्थिति में उसकी मजबूती को परखना बताया जा रहा है, लेकिन आधुनिक दौर में ब्रिज की सुरक्षा जांच के इस तरीके को लेकर सवाल उठ रहे हैं. नागपंचमी के दौरान महाकाल मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए पहुंचते हैं. इसी वजह से मंदिर प्रशासन हर साल पर्व से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करता है. इसी प्रक्रिया के तहत फुट ओवरब्रिज की क्षमता और मजबूती को लेकर परीक्षण किया जाता है. बताया जा रहा है कि ब्रिज की मजबूती जांचने के लिए करीब 300 सुरक्षा गार्डों को एक साथ पुल पर भेजा गया. इसके बाद उन्हें करीब 10 मिनट तक पुल पर कूदने के लिए कहा गया. मंदिर प्रशासन की ओर से इस प्रक्रिया को 'जंप टेस्ट' नाम दिया गया है. इस परीक्षण के पीछे उद्देश्य यह बताया जा रहा है कि नागपंचमी के दौरान जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु फुट ओवरब्रिज से गुजरेंगे, तब पुल पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार और कंपन जैसी परिस्थितियों का अंदाजा लगाया जा सके. हालांकि, इसी तरीके को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं. सोशल मीडिया पर लोग चर्चा कर रहे हैं कि क्या पुल की संरचनात्मक मजबूती जांचने के लिए इस तरह के परीक्षण के बजाय आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों और वैज्ञानिक उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए. महाकाल मंदिर

प्रशासन से जुड़े लोगों के अनुसार, यह कोई पहली बार नहीं है जब नागपंचमी से पहले इस तरह का परीक्षण किया गया हो. पिछले कुछ वर्षों से मंदिर समिति द्वारा पुल की क्षमता को परखने के लिए इसी तरह का परीक्षण कराया जाता रहा है. दरअसल, यह फुट ओवरब्रिज सालभर आम श्रद्धालुओं के नियमित आवागमन के लिए इस्तेमाल नहीं होता. इसका प्रमुख उपयोग नागपंचमी के अवसर पर भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए आने वाली भारी भीड़ को व्यवस्थित तरीके से निकालने के लिए किया जाता है. साल के बाकी दिनों में पुल पर श्रद्धालुओं की सामान्य आवाजाही नहीं होने के कारण नागपंचमी से पहले इसकी विशेष जांच की जाती है. महाकाल मंदिर परिसर में स्थित भगवान नागचंद्रेश्वर का मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना बताया जाता है. मंदिर में प्रवेश के लिए पहले श्रद्धालुओं के लिए अंदर से ही रास्ता उपलब्ध था. करीब 25 साल पहले तक इसी रास्ते से श्रद्धालुओं को भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए ले जाया जाता था. समय के साथ महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ी. विशेष अवसरों पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी, जिसके बाद दर्शन व्यवस्था को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए वैकल्पिक मार्ग की जरूरत महसूस हुई. इसी के तहत मंदिर परिसर में करीब 91 फीट लंबा फुट ओवरब्रिज बनाया गया. इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं की आवाजाही को आसान बनाना और भीड़ को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाना है. भगवान नागचंद्रेश्वर के मंदिर के कपाट साल में केवल एक बार नागपंचमी के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खोले जाते हैं. यही वजह है कि इस दिन महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है. नागपंचमी के अवसर पर देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं.

होटल में घुसी पुलिस तो इधर-उधर भागने लगे लोग, कमरे से तीन युवतियों और एक युवक को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। नेशनल हाईवे-44 स्थित कान्हा पैलेस में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। नगर पुलिस अधीक्षक दीपाली चंदोरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कान्हा पैलेस में दबिश देकर मौके से तीन युवतियों सहित एक युवक को पकड़ा। कार्रवाई के दौरान कुछ लोग मौके से भागने में सफल रहे, जिनकी पहचान पुलिस ने कर ली है।

होटल में चल रहा था देह व्यापार

मुरैना एसपी धर्मराज मीणा को सूचना मिली थी कि सैयद नहर के पास संचालित कान्हा पैलेस में देह व्यापार का कारोबार चल रहा है। आरोप है कि होटल प्रबंधन की सहमति से युवतियों को होटल में बुलाया जाता था और ग्राहकों की मांग पर उन्हें उपलब्ध कराया जाता था।

दोपहर में पुलिस टीम ने दी दबिश

सूचना के बाद एसपी ने नगर पुलिस अधीक्षक दीपाली चंदोरिया को कार्रवाई के निर्देश दिए। सोमवार दोपहर करीब 3.30 बजे पुलिस टीम कान्हा पैलेस पहुंची और होटल की घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस की कार्रवाई से होटल में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से तीन युवतियों और एक युवक को हिरासत में लिया। पकड़े गए युवक की पहचान देह व्यापार के एजेंट के रूप में की गई है। पुलिस के मुताबिक युवक की पहचान इस्लामपुरा के रूप में हुई है। कार्रवाई के दौरान तीन से चार लोग मौके से भाग गए। पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है और अब उनकी तलाश की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे मामले में होटल प्रबंधन और अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

सात लोगों के खिलाफ देह व्यापार का केस

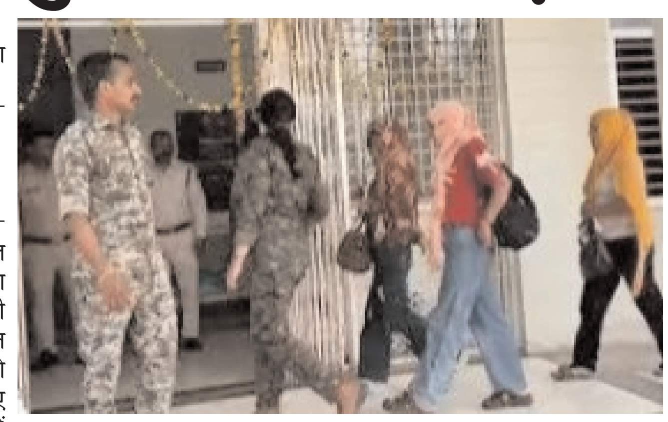

पुलिस ने मामले में कुल सात लोगों के खिलाफ देह व्यापार का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस की कार्रवाई के बाद होटल में चल रही कथित गतिविधियों को लेकर कई सवाल भी खड़े हुए हैं। पुलिस अब होटल में युवतियों को बुलाने वाले लोगों, एजेंटों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

'2 दिन में लौटूंगा' कहकर मां को छोड़ गया बेटा, मौत पर भी नहीं आया रुला देगी इंदौर के वृद्धा आश्रम की ये कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। रिश्तों को झकझोर देने वाली एक बेहद मार्मिक घटना सामने आई है. यहां एक 85 वर्षीय मां अपने बेटे के लौटने की उम्मीद में साढ़े चार साल तक वृद्धाश्रम में इंतजार करती रही, लेकिन जिस बेटे ने दो दिन में वापस आने का वादा किया था, वह फिर कभी मां को लेने नहीं आया. जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर मां की आंखें बेटे की राह देखती रहीं और जब उनकी आंखें हमेशा के लिए बंद हो गईं, तब भी बेटा अंतिम विदाई देने नहीं पहुंचा.

मीटिंग का बहाना बना, 2 दिन में लौट आने का किया था वादा

85 वर्षीय सरिता नारायणे को उनका बेटा जनवरी 2022 में इंदौर के निराश्रित आश्रम में छोड़कर गया था. उसने आश्रम प्रबंधन से कहा था कि उसकी मीटिंग है और वह सिर्फ दो दिन बाद वापस आकर मां को अपने साथ घर ले जाएगा. बेटे की यह बात सुनकर सरिता को भरोसा था कि उनका बेटा उन्हें लेने जरूर आएगा. लेकिन दो दिन बीते, फिर महीने और देखते ही देखते करीब साढ़े चार साल गुजर गए. आश्रम प्रबंधन के मुताबिक सरिता अक्सर

अपने बेटे की बातें करती थीं. वह उससे मिलने और उसके घर वापस जाने की इच्छा जताती थीं. उम्र बढ़ने के साथ उनकी तबीयत बिगड़ने लगी. आंखों की रोशनी भी कमजोर हो गई. आश्रम ने दानदाताओं की मदद से उनका चश्मा बनवाया और इलाज की व्यवस्था कराई. मगर जिस बेटे के लिए वह इंतजार करती रहीं, उसने कभी मां का हाल तक नहीं पूछा. बताया गया कि बेटे ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर लिया और दूसरी जगह जाकर रहने लगा. आश्रम की ओर से उससे संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. फिर आया वह दिन जिसका किसी ने शायद कभी सोचा भी नहीं था. 10 अगस्त को सरिता नारायणे ने आखिरी सांस ली. आश्रम प्रबंधन ने बेटे को मां के निधन की सूचना दी, लेकिन इस बार भी उसकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया. एक दिन नहीं, दो दिन नहीं, बल्कि तीन दिन तक आश्रम प्रबंधन बेटे के आने का इंतजार करता रहा. जब कोई नहीं आया तो आखिरकार आश्रम के लोगों ने ही उन्हें अपनी मां की तरह सम्मान दिया और अंतिम संस्कार कराया.

मां का मकान भी बेच दिया

आश्रम प्रबंधन के मुताबिक बेटे ने मां का मकान भी बेच दिया और इसके बाद उनसे पूरी तरह दूरी बना ली. जिस घर में मां ने अपने बेटे के लिए जिंदगी बिताई, उसी घर से निकलने के बाद वह वृद्धाश्रम में बेटे की वापसी का इंतजार करती रहीं. निराश्रित आश्रम के संस्थापक यश पाराशर ने बताया कि सरिता अपने बेटे के आने की उम्मीद में रहती थीं. उन्होंने कहा कि आश्रम ने अपनी क्षमता के मुताबिक उनकी देखभाल की और उनके इलाज से लेकर चश्मे तक की व्यवस्था कराई. सरिता की कहानी सिर्फ एक बुजुर्ग महिला की मौत की कहानी नहीं है. यह उस मां की कहानी है, जिसने आखिरी सांस तक बेटे पर भरोसा किया. बेटे ने दो दिन में लौटने का वादा किया था, लेकिन मां की जिंदगी के साढ़े चार साल इंतजार में गुजर गए. आखिर में जब मां चली गई, तब भी बेटा नहीं आया. सवाल यही है कि जिस मां ने बेटे को जिंदगी दी, क्या उसके हिस्से में आखिरी वक्त पर सिर्फ इंतजार और तन्हाई ही रह गई?

ग्रेटर नोएडा में गर्ल्स स्कूल के हॉस्टल में लगी भीषण आग, फर्नीचर-कागजात राख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर के तहत आने वाले गौतम बुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा में एक गर्ल्स स्कूल के हॉस्टल में आग लग गई. ग्रेटर नोएडा के सावित्रीबाई फुले गर्ल्स इंटर कॉलेज के हॉस्टल में आग लगने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने तीन गाड़ियों की मदद से घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया. इस घटना में फर्नीचर और कुछ कागजात जलकर राख हो गए हैं. सावित्रीबाई फुले गर्ल्स इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र में स्थित है. मंगलवार को इस इंटर कॉलेज के हॉस्टल में एक कमरे से धुआं उठता दिखाई दिया. इसने देखते ही देखते आग की विकराल लपटों का रूप ले लिया. लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिशें शुरू करने के साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड ने तत्काल तीन गाड़ियां मौके पर भेज दीं. मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया. बताया जाता है कि हॉस्टल के जिस कमरे में आग लगी थी, वह कमरा पहले से ही बंद था. सावित्रीबाई फुले गर्ल्स इंटर कॉलेज में हॉस्टल के इस बंद पड़े कमरे में केवल फर्नीचर और कुछ कागज रखे हुए थे. आग लगने की इस घटना में फर्नीचर और कागज जलकर राख हो गए हैं. इस घटना के पीछे की वजह सामने नहीं आई है. आग क्यों और कैसे लगी, इसकी तहकीकात की जा रही है.

पाइपलाइन की टेस्टिंग के दौरान अचानक फटी 40 करोड़ की सड़क, प्रेशर आते ही धंसा, बाल-बाल बचे वाहन चालक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत विकसित की गई सड़क और करोड़ों रुपए खर्च कर बिछाई गई पानी की पाइपलाइन की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। गोराकुंड चौराहे के पास सोमवार को नई पानी की पाइपलाइन की टेस्टिंग के दौरान अचानक सड़क के बीचोंबीच तेज बहाव के साथ पानी निकलने लगा। कुछ ही देर में पानी के दबाव से सड़क का एक हिस्सा टूटकर धंस गया और मौके पर बड़ा बन गया। जिस सड़क को तैयार करने में करीब 40 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं, वह पाइपलाइन की टेस्टिंग के दौरान ही क्षतिग्रस्त हो गई। घटना गोराकुंड चौराहे से करीब 20 मीटर दूर की है। सोमवार को नई पानी की लाइन के कनेक्शन जोड़ने के बाद उसकी टेस्टिंग की जा रही थी। इसी दौरान अचानक जमीन के नीचे से पानी बाहर आने लगा। कुछ ही सेकंड में पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि सड़क का हिस्सा टूट गया और वहां हो गया। जानकारी के मुताबिक नई पानी की पाइपलाइन पहले ही बिछाई जा चुकी है। अब अलग-अलग कनेक्शनों को जोड़कर लाइन की टेस्टिंग की जा रही थी। इसी प्रक्रिया के दौरान पानी के दबाव के कारण सड़क का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ। इसके बाद संबंधित अमले ने मौके पर पहुंचकर टूटे हिस्से की मरम्मत का काम शुरू किया। इंदौर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि संबंधित क्षेत्र में सड़क का कुछ हिस्सा पूरी तरह तैयार नहीं किया गया था, क्योंकि उस समय पानी के कनेक्शन से जुड़ा काम अधूरा था। उन्होंने बताया कि सुभाष नगर पानी की टंकी से कुछ इंटरकनेक्शन किए जाने थे, जिसके लिए पाइपलाइन की टेस्टिंग की गई। आयुक्त के मुताबिक टेस्टिंग के दौरान सड़क के एक हिस्से में समस्या आई जिसे तत्काल रिपेयर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक की स्थिति को देखते हुए बाकी काम राखी के त्यौहार के बाद किया जाएगा। स्मार्ट सिटी टीम के अनुसार संबंधित हिस्से की सड़क का काम पूरी तरह से पूरा नहीं हुआ था।

वाराणसी में ठंडे समोसे पर बवाल: बहस के बाद मारपीट और लूट, 5 पर FIR दर्ज

वाराणसी के जाल्हूपुर बाजार में ठंडा समोसा मिलने पर हुई बहस मारपीट में बदल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। चौबेपुर थाना क्षेत्र स्थित जाल्हूपुर बाजार में 22 फरवरी को ठंडा समोसा मिलने की शिकायत पर दो पक्षों में मारपीट और लूटपाट की घटना हुई. पेशे से वकील पीड़ित ग्राहक शिवशंकर सिंह ने मिठाई की दुकान पर समोसा गर्म करने को कहा था. इस बात पर दुकानदार और उसके साथियों ने उनसे गाली-गलौज करते हुए मारपीट की, अंगूठा मरोड़ दिया और गले से सोने की चेन व 19570 रुपये छीन लिए. पुलिस में सुनवाई न होने पर पीड़ित ने अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर चौबेपुर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों पर केस दर्ज किया है.

समोसा गर्म करने की बात पर भड़का विवाद

पीड़ित शिवशंकर सिंह जाल्हूपुर बाजार स्थित एक मिठाई दुकान पर समोसा खाने पहुंचे थे. जब उन्हें ठंडा समोसा दिया गया, तो उन्होंने उसे गर्म करने के लिए कहा. इस मामूली सी बात पर दुकानदार उनसे उलझ गया. बहस इतनी बढ़ गई कि दुकानदार और उसके साथी उग्र हो गए और ग्राहक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए. मारपीट के दौरान हमलावरों ने शिवशंकर सिंह के हाथ का अंगूठा मरोड़ दिया, जिससे वे गंभीर रूप से चोटिल हो गए. पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उनके गले से करीब दो भर की सोने की चेन तोड़ ली और जेब में रखे 19,570 रुपये नकद छीन लिए. पीड़ित के शोर मचाने पर राहगीर जुटने लगे, जिसे देख सभी आरोपी फरार हो गए.

कोर्ट के आदेश पर 5 नामजद आरोपियों पर केस

घटना के बाद चौबेपुर थाने में सुनवाई न होने पर मामला कोर्ट पहुंचा. थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर गुप्तेश्वर सिंह, सोमेश्वर सिंह उर्फ राजू, अभिषेक सिंह, छोटू सिंह और दीपनाथ सिंह उर्फ डीए सिंह पर बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया गया है. पुलिस साक्ष्य जुटाकर जांच कर रही है.

दिल्ली के नरेला में 9 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, आरोपी हुआ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नरेला। एक पार्क में नौ साल की बच्ची से कथित रेप की कोशिश का मामला सामने आया है। लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है और पार्क व आसपास की CCTV फुटेज खंगाली जा रही है। नरेलाः पार्क में खेल रही 9 साल की बच्ची से रेप की कोशिश का मामला सामने आया है। लोगों ने आरोपी को गलत हरकत करते हुए पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नरेला थाने का घोषित बदमाश भी है। जिसपर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, बच्ची अपनी छोटी बहन के साथ नरेला इलाके में रहती है। शनिवार सुबह दोनों बहनें पार्क में खेलने के लिए गई थीं। इस दौरान वहां आरोपी पहुंचा। आरोप है कि उसने बच्ची को बहलाया-फुसलाया और पार्क में बने एक कमरे के अंदर ले गया। यहां वह बच्ची के साथ रेप की कोशिश करने लगा। इसी दौरान पार्क में मौजूद कुछ लोगों को शक हुआ। लोग कमरे की तरफ गए तो देखा कि आरोपी बच्ची के साथ गलत काम कर रहा था। लोगों ने तुरंत बच्ची को बाहर निकाला और आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नरेला थाने का घोषित बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया और मामले की जांच शुरू की। नाबालिग से जुड़े ऐसे मामलों में पुलिस मेडिकल जांच और अन्य जरूरी कानूनी प्रक्रिया भी पूरी कर रही है। पुलिस पार्क और उसके आसपास लगे छ्ष्टङ्ख्र कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि घटना से जुड़े पूरे घटनाक्रम और आरोपी की गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी बच्ची को कमरे तक कैसे लेकर गया और घटना के समय वहां कौन-कौन लोग मौजूद थे। मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

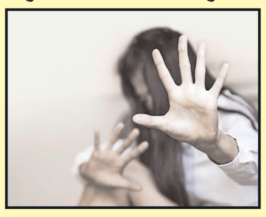

दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर पर PhD स्कॉलर ने किया हमला... CCTV में इंतजार कर थप्पड़ मारते दिखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। यूनिवर्सिटी के उमंग भवन में लॉ फैकल्टी के पीएचडी स्कॉलर शुभम सिंह ने एक प्रोफेसर पर हमला कर दिया. सीसीटीवी फुटेज में छात्र प्रोफेसर का इंतजार करते और उन पर हमला करते हुए दिखा. मौरिस नगर थाने में एफआईआर दर्ज हुई है और पुलिस जांच कर रही है. डीयू प्रॉक्टर ने आरोपी को तुरंत सस्पेंड कर कैंपस में एंट्री बैन कर दी. दिल्ली यूनिवर्सिटी में लॉ फैकल्टी के एक प्रोफेसर पर पीएचडी स्कॉलर ने हमला कर दिया. यह घटना उमंग भवन में सुबह करीब साढ़े दस बजे हुई. आरोपी छात्र की पहचान शुभम सिंह के रूप में हुई है, जो 2024-25 सेशन के फेज टू में लॉ फैकल्टी में पीएचडी कर रहा है. सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि छात्र पहले से प्रोफेसर का इंतजार कर रहा था और जैसे ही प्रोफेसर बिल्डिंग में दाखिल हुए, उस पर हमला बोल दिया. मामले में मौरिस नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस जांच कर रही है. घटना के तुरंत बाद डीयू प्रशासन हरकत में आया. यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर ऑफिस ने शुभम सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है. साथ ही उसके यूनिवर्सिटी कैंपस में आने पर भी रोक लगा दी गई है. यह कार्रवाई दिल्ली यूनिवर्सिटी एक्ट 1922 के ऑर्डिनेंस पंद्रह बी के तहत की गई है. मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की एक स्वतंत्र कमेटी भी बनाई गई है. इस कमेटी में केमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर राजीव गुप्ता को चेयरमैन बनाया गया है, जबकि हिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर विपुल सिंह और हिंदी विभाग की प्रोफेसर सुधा सिंह इसके सदस्य होंगे. इस घटना के बाद डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट यानी डीटीएफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. संगठन का कहना है कि कैंपस में शिक्षकों पर हमले की यह तीसरी घटना है. इससे पहले भी लॉ फैकल्टी के ही एक छात्र ने प्रोफेसरों के साथ बदसलूकी की थी. वहीं 2025 में डूसू की जॉइंट सेक्रेटरी दीपिका झा पर डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज में एक प्रोफेसर को थप्पड़ मारने का आरोप लगा था. डीटीएफ ने कहा कि सिर्फ सस्पेंशन काफी नहीं है. संगठन ने डीयू प्रशासन पर कैंपस हिंसा के मामलों में ढीला और नाकाफी रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया है.

'उग्रवादी ग्रुप्स' को बेचते थे चोरी की गाड़ियां, मकोका के तहत गिरफ्तार आरोपियों से सनसनीखेज खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एनसीआर से लग्जरी कारें चुराकर मणिपुर के उखरूल में अंडरग्राउंड ग्रुप्स को बेचने वाले सिंडिकेट का खुलासा हुआ है। क्राइम ब्रांच ने अमित नागर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पांच कारें, फर्जी नंबर प्लेट, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और अन्य सामान बरामद किया है। दिल्ली-एनसीआर से हाई-एंड कारें चोरी कर अंडरग्राउंड ग्रुप्स (उग्रवादी या विद्रोही) को बेचने का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत गिरफ्तार आरोपियों रोहिणी निवासी अमित नागर उर्फ सोनू (35), मणिपुर निवासी एटम जगत सिंह (45) और पोत्सांगबम मुकेश सिंह (28) ने क्राइम ब्रांच की पूछताछ में यह जानकारी दी है। पुलिस ने इनसे पांच लग्जरी गाड़ियां बरामद की हैं। दो कारें मणिपुर के उखरूल जिले में पहुंचाई गई थीं, जिन्हें अंडरग्राउंड ग्रुप्स को बेचने की तैयारी थी। स्पेशल सीपी (क्राइम) एचजीएस धालीवाल के मुताबिक, सरगना अमित का सिंडिकेट करीब 15 साल से गाड़ी चोरी और इनकी खरीद-फरोख्त में सक्रिय था। इसका नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर से चोरी की गई कारों को राजस्थान, पंजाब, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और अन्य राज्यों तक पहुंचाता था। आरोपियों से अब तक 5 कारें, डुप्लिकेट चाबियां, 104 फर्जी हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट, 24 फर्जी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, फोन और प्री-एक्टिवेटेड सिम बरामद किए हैं। मणिपुर से 13 अगस्त को बरामद किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा को अंडरग्राउंड ग्रुप्स को बेचने की तैयारी थी, जो दिल्ली से चोरी किए गए थे। DCP संजीव यादव और ACP संजय नागपाल की देखरेख में इंस्पेक्टर अरुण सिंधु की टीम ने इन्हें पकड़ा। आरोपियों ने बताया कि भारत-म्यांमार बॉर्डर पर चोरी की गाड़ियों की डिमांड है। अंडरग्राउंड ग्रुप्स गाड़ियों का इस्तेमाल अवैध हथियार-गोला बारूद और ड्रग्स सप्लाई के अलावा भारतीय सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए भी करते हैं। सिंडिकेट की तरफ से फर्जी नंबर प्लेट और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट बनाकर गाड़ियों को बेचा जाता था। हर मेंबर का काम बटा हुआ था, जिनमें से कुछ मेंबर चोरी का काम करते थे, कुछ को रिसीव करने में लगाया गया था और कुछ का काम दूसरे राज्यों तक पहुंचाना था। फर्जी नंबर प्लेट और दस्तावेज बनाने की जिम्मेदारी और खरीदारों तक पहुंचाने का काम भी फिक्स था।

मुसलमानों से मेरी अपील वंदे मातरम विवाद में सोनिया गांधी के समर्थन में आए महाराष्ट्र कांग्रेस नेता हुसैन दलवई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सोनिया गांधी और 'वंदे मातरम' विवाद गरमाता जा रहा है। इसी बीच कांग्रेस नेता हुसैन दलवई की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी के नॉवेल में 'वंदे मातरम' लिखा गया है। इसके दो स्टैंजा को मान्यता देनी चाहिए और उतना ही गाना चाहिए, ऐसा रवींद्रनाथ ठाकुर ने 1885 में कांग्रेस के अधिवेशन में कहा था। तब से हमेशा दो स्टैंजा बोले जाते हैं। मैं गणपति की पूजा करने के लिए जाता हूं, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। गांव के मंदिर में भी मैं जाता हूं। इसको लेकर कोई सवाल नहीं है। मुसलमानों से मेरी अपील है कि इसको सम्मान दें और बोलने की जरूरत नहीं है। सोनिया गांधी को लेकर उन्होंने कहा कि उनका स्टैंड सही है। कांग्रेस को सोनिया गांधी के साथ खड़े रहना चाहिए। 'वंदे मातरम' को लेकर जो कानून बनाया गया है, वह गलत है। कांग्रेस को यह मानना चाहिए और लोगों को बताना चाहिए। इसका मतलब यह हिंदुओं के खिलाफ है, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। हुसैन दलवई ने कहा कि 'वंदे मातरम' का नारा देकर लोगों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। समाज में दरार नहीं करना चाहिए, सब लोगों को साथ लाना चाहिए। कांग्रेस ने हमेशा सबको इकट्ठा किया। इसलिए यह देश अभी तक एक रहा है। मैं सोनिया गांधी के साथ हूं। सोनिया गांधी को बहुत तकलीफ दी गई थी, लेकिन एक जमाने में इनको बगल करके उन्होंने सरकार बनाई थी। सोनिया गांधी हिम्मत वाली महिला हैं। उन्होंने बिल्कुल सही काम किया। उनके काम में कुछ भी गलत नहीं था। मैं सोनिया गांधी के साथ खड़ा हूं और लोगों को भी उनके साथ खड़ा होना चाहिए। क्या वह ऐसी महिला हैं जो डर जाएंगी? उन्होंने कई मुश्किलों का सामना किया है, लेकिन हमेशा हिम्मत दिखाई है। एक समय उन्होंने उन मुश्किलों को दरकिनार कर सरकार बनाई थी। वह एक हिम्मत वाली महिला हैं और आज उन्होंने जो हिम्मत दिखाई है, वह बहुत अहम बात है। 'दिमागी नक्सल' को लेकर हुसैन दलवई ने कहा कि उनको (भाजपा) लोगों को तकलीफ देनी है। उनके हिंदुत्ववाद से अलग दूसरा कोई विचार ही नहीं होना चाहिए, इसलिए उन्होंने 'वंदे मातरम' लाया। यह बिल्कुल गलत बात है। उनका 'दिमागी हिंदुत्व' भी गलत है। पहले इसके बारे में बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉकरोच पार्टी और राहुल गांधी ने उनके (भाजपा) सामने जिस तरह की चुनौती खड़ी की है, उसका उत्तर देने के लिए उनके पास मजबूत कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए इस तरह के मुद्दे उनकी ओर से निकाले जा रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि उनकी ओर से बड़े पैमाने पर फसाद भी किया जाएगा। हुसैन दलवई ने कहा कि 2029 के चुनाव में वे (भाजपा) क्या करेंगे। उनकी ओर से फसाद और दरार पैदा करके किसी तरह से चुनाव जीतने की कोशिश की जाएगी; यही उनका धंधा है। भाजपा की ओर से ही दंगा किया जाता है। बाबा रामदेव के बयान पर हुसैन दलवई ने कहा कि उनकी ओर से छात्रों के हित के लिए भी बातें की गई हैं; पहली बार उन्होंने दिमाग की बात की है, उसका स्वागत करना चाहिए। उनको समझना चाहिए छात्र सड़कों पर क्यों आए हैं। पहले उनको पढ़ाई करना चाहिए। गोपीनाथ मुंडे को लेकर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के बयान पर हुसैन दलवई ने कहा कि पृथ्वीराज चव्हाण की बात सही है, गोपीनाथ मुंडे कांग्रेस में आने के लिए तैयार थे। वे सोनिया गांधी से मिलने के लिए जा रहे थे तो अहमद पटेल ने फोन किया था कि पहले वे इस्तीफा दें, फिर चुनाव लड़कर आएं, तब मंत्री बनाया जाएगा। इसलिए वे डरकर नहीं आए। हुसैन दलवई ने कहा कि जब पृथ्वीराज चव्हाण मुख्यमंत्री थे, तब एकनाथ शिंदे भी कांग्रेस में आने के लिए तैयार थे। एकनाथ शिंदे ने कहा था कि अगर मुझे पार्टी में लेंगे तो ठाणे जिला और पालघर आपके साथ लाऊंगा लेकिन हमारे कुछ लोगों की ओर से इसका विरोध किया गया। महाराष्ट्र में मराठी भाषा की अनिवार्यता को लेकर हुसैन दलवई ने कहा कि गरीब लोग रिक्शा चलाते हैं, रिक्शा भी उनकी नहीं होती। अगर मैं मराठी में उससे कुछ बोलूं तो उसे मराठी समझ आनी चाहिए। हालांकि जबरदस्ती करना ठीक नहीं है। यह जानबूझकर किया जा रहा है। गरीबों के खिलाफ कुछ भी नहीं चलेगा।

पालघर में हिट एंड रन सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मारकर भागा कार ड्राइवर

महाराष्ट्र के पालघर के मीरा रोड में तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चलाने का मामला सामने आया है. सड़क किनारे खड़े लोगों को एक तेज रफ्तार में आ रही कार ने टक्कर मार दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। पालघर मीरा रोड के जेपी रोड इलाके से हिट एंड रन का चौंकाने वाला मामला सामने आया है. सड़क किनारे खड़े लोगों को एक तेज रफ्तार आ रही कार ने टक्कर मार दी. घटना के बाद ड्राइवर मौके पर रुकने के बजाय कार लेकर फरार हो गया. पूरी घटना पीछे चल रही एक कार के डैशबोर्ड कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब सामने आया है. डैशकैम फुटेज में तेज रफ्तार से कार सड़क से गुजरती हुई दिखाई दे रही है.इसी दौरान सड़क के किनारे खड़े लोगों को कार टक्कर मार देती है. टक्कर के बाद भी ड्राइवर कार लेकर मौके पर मौजूद लोगों की मदद करने के बजाय वहां से फरार हो जाता है. घटना के इस वीडियो ने इलाके में ड्राइवरों की लापरवाही और सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. मामले की जानकारी मिलने के बाद काशिमीरा पुलिस थाने ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस डैशकैम में रिकॉर्ड हुए फुटेज के आधार पर घटना को समझने की कोशिश कर रही है. साथ ही उस कार और ड्राइवर की तलाश की जा रही है. पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई कर रही है. पुलिस निरीक्षक का कहना है कि पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के समय कार कौन चला रहा था और टक्कर किन परिस्थितियों में हुई. वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने तेज स्पीड और लापरवाही से कार चलाने वाले ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. लोगों का कहना है कि सड़क पर तेज रफ्तार वाहन न सिर्फ यातायात व्यवस्था के लिए खतरा हैं, बल्कि राहगीरों और सड़क किनारे खड़े लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करते हैं. फिलहाल पुलिस डैशकैम फुटेज और अन्य जानकारी के आधार पर जांच कर रही है और ड्राइवर की पहचान और उसके खिलाफ होने वाली कार्रवाई पर अब सभी की नजरें टिकी है.

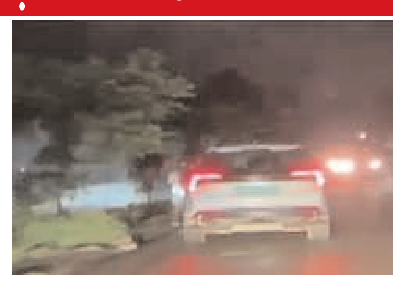

बहन की हत्या, फिर सूटकेस में भरकर फेंका शव... ऐसे पकड़ा गया हत्यारा भाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। बुराड़ी इलाके में सूटकेस के अंदर युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई. पुलिस ने मामले में मृतका के कजन भाई अविनाश को हिरासत में लिया है. पुलिस के मुताबिक आरोपी ने प्रेम प्रसंग के शक में कथित तौर पर अपनी बहन की हत्या की और शव को सूटकेस में बंद कर अजीत विहार की सुनसान जगह पर फेंक दिया. दिल्ली के बुराड़ी इलाके में सूटकेस के अंदर युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई. पुलिस ने इस मामले का खुलासा करते हुए मृतका के चचेरे भाई अविनाश को हिरासत में लिया है. पुलिस के मुताबिक आरोपी ने प्रेम प्रसंग के शक में अपनी बहन की हत्या की और शव को सूटकेस में बंद कर सुनसान जगह पर फेंक दिया. मामला उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी थाना क्षेत्र के अजीत विहार का है. बताया जा रहा है कि गली नंबर-1 के पास एक डार्क स्पॉट पर पुलिस को सूटकेस मिला. इसके अंदर युवती का शव बरामद हुआ. घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने जांच शुरू की. पुलिस के मुताबिक इस हत्याकांड का खुलासा उस वक्त हुआ, जब आउटर नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ की टीम नाइट चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं. पुलिसकर्मियों ने उसे रोककर पूछताछ की. पूछताछ के दौरान युवक ने कथित तौर पर अपनी बहन की हत्या करने की बात कबूल कर ली.

शव को पोस्टमार्टम भेज, पुलिस ने शुरू की जांच

इसके बाद पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर बुराड़ी के अजीत विहार पहुंची. वहां एक सुनसान जगह से सूटकेस बरामद किया गया. सूटकेस खोलने पर उसके अंदर युवती का शव मिला. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी को अपनी चचेरी बहन के प्रेम प्रसंग का शक था. इसी शक के चलते उसने कथित तौर पर हत्या की वारदात को अंजाम दिया. पुलिस अब हत्या की पूरी वजह, वारदात के तरीके और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की जांच कर रही है. खास बात यह है कि पुलिस के सामने यह मामला उस समय आया, जब हत्या की कोई रिपोर्ट तक दर्ज नहीं हुई थी. फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा.

NALSAR विवाद के बीच TISS ने चीफ गेस्ट से CJI सूर्यकांत को किया बाहर, लास्ट मूमेंट में बदली दीक्षांत समारोह की डेट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत अब टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के 86वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि नहीं होंगे। उनकी जगह अब टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सी.एस. परमेश 22 अगस्त को होने वाले नए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। दीक्षांत समारोह पहले 2 अगस्त को होने वाला था और CJI सूर्य कांत को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाया गया था। लेकिन, TISS ने अनपेक्षित हालात का हवाला देते हुए समारोह से ठीक दो दिन पहले इसे टाल दिया। संस्थान ने कहा कि हो सकता था कि दीक्षांत समारोह का माहौल खराब होता। संस्थान ने यह भी कहा कि कार्यक्रम को आगे बढ़ाने से छात्रों, फैकल्टी, स्टाफ, गणमान्य व्यक्तियों और मेहमानों की भलाई के साथ-साथ कैंपस की सामान्य ज़िंदगी पर भी असर पड़ सकता था। इसलिए ऐसा फैसला लिया गया। ञ्जढ्ढस्स् ने कार्यक्रम टालने के पीछे के खास हालात का खुलासा नहीं किया। हालांकि छात्रों और अधिकारियों ने CJI के तय दौरे से जुड़े संभावित विरोध-प्रदर्शनों और सुरक्षा इंतज़ामों को लेकर चिंता जताई थी। नए कार्यक्रम के लिए भेजे गए निमंत्रण में अब CJI सूर्य कांत की जगह डॉ. सी.एस. परमेश का नाम मुख्य अतिथि के तौर पर है। अचानक कार्यक्रम टलने से डिग्री पाने वाले छात्रों और उनके परिवारों में चिंता पैदा हो गई थी, क्योंकि कई लोगों ने 2 अगस्त के समारोह के लिए यात्रा की तैयारी पहले ही कर ली थी। इसके बाद ञ्जढ्ढस्स् ने घोषणा की कि कार्यक्रम टलने से प्रभावित छात्रों को हर मामले की स्थिति के आधार पर आर्थिक मदद दी जाएगी। अब 86वां दीक्षांत समारोह 22 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। ह विवाद तब शुरू हुआ जब NALSAR के छात्रों के एक समूह ने यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर, रजिस्ट्रार और प्रोफेसरों को पत्र लिखकर दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर CJI सूर्य कांत को बुलाने के किसी भी प्रस्ताव का विरोध किया। पहला पत्र 23 जुलाई को LLB के पास होने वाले बैच के 70 सदस्यों ने सौंपा था। बाद में, दूसरे बैच के छात्रों ने भी इस पत्र का समर्थन किया। NALSAR दीक्षांत समारोह को लेकर विवाद तब और बढ़ गया जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने दखल दिया और एक आदेश जारी किया, जिसमें स्टेट बार काउंसिलों को यूनिवर्सिटी के 2026 में पास होने वाले ग्रेजुएट्स का एनरोलमेंट करने से रोक दिया गया। इस कदम से पास होने वाले बैच के कानूनी पेशे में आने पर रोक लगने का खतरा पैदा हो गया। BCI के आदेश का विरोध हुआ और सवाल उठे कि क्या कोई प्रोफेशनल रेगुलेटर, किसी प्रस्तावित मुख्य अतिथि के खिलाफ छात्रों के विरोध की वजह से पूरीजाएगा। अगर छात्रों के पास विरोध करने का कोई कारण है, तो उन्हें विरोध करने का अधिकार है। हो सकता है कि छात्रों ने मुझे पत्र लिखा हो। यह मेरे और छात्रों के बीच की बातचीत है। वे बेवजह मुद्दा उठाने वाले कौन होते हैं? यह पूरी तरह से गैर-जरूरी है।

दिल्ली में सफाईकर्मी की हत्या में आरोपी हुआ अरेस्ट, LBS अस्पताल में जोरदार प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ईस्ट जिले के कल्याणपुरी में सफाई कर्मचारी अनिल कुमार (28) की चाकू से हत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार दोपहर आरोपी निहाल उर्फ कुल्ला (52) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि असल में निहाल का निशाना टिपर ड्राइवर गुलशन था। उसे शक था कि गुलशन की उसकी पत्नी से दोस्ती है। रविवार सुबह गुलशन को मारने के इरादे से चाकू लेकर निकला, लेकिन मौके पर गुलशन की जगह हेल्पर अनिल मिल गया और उस पर चाकू से हमला कर दिया।द्व पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बताया कि वह 20 ब्लॉक में रहता है। पूछताछ में निहाल ने बताया कि रविवार सुबह करीब चार बजे तक उसने शराब पी थी। इसके बाद बड़ा चाकू लेकर निकला और गुलशन के आने का इंतजार करने लगा। करीब 7:30 बजे टिपर 20 ब्लॉक में पहुंचा। गुलशन गाड़ी से उतरकर किसी काम से चला गया, जबकि हेल्पर अनिल वहीं खड़ा रहा। निहाल गुलशन को तलाशते हुए वहां पहुंचा। नजर अनिल पर पड़ी। आरोपी का दावा है कि अनिल भी गुलशन के साथ उसके घर आता था। इसी वजह से उसने अनिल पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक वारदात के बाद आरोपी लगातार चकमा दे रहा था। सोमवार दोपहर उसे कल्याणपुरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं सोमवार सुबह सैकड़ों लोगों ने एलबीएस अस्पताल घेरकर प्रदर्शन किया। बढ़ती भीड़ को देखते हुए लोकल पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बलों को बुलाया गया। कुछ ही देर में पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया। मेयर प्रवेश वाही ने मेट्रो वेस्ट कंपनी के कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या की वारदात को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मृतक कर्मचारी के परिजनों को आठ लाख रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। आरोपी के खिलाफ जो भी एक्शन बनता है दिल्ली पुलिस वह कर रही है। उन्होंने जल्द ही साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया। एलबीएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर सोमवार को दिनभर हंगामा रहा। रविवार से ही परिजन और सफाई कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार सुबह सैकड़ों लोग दोबारा अस्पताल पहुंच गए। स्थानीय विधायक कुलदीप कुमार, भीम आर्मी के सदस्य, ईस्ट दिल्ली के सफाई कर्मचारी और अनिल के परिजन वहां मौजूद रहे।

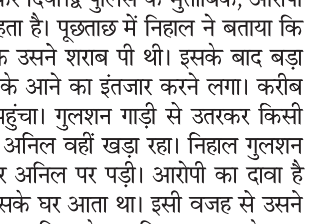

इतने तो मुगल सैनिक भी नहीं आए महाराष्ट्र के हरिहर किले पर हजारों की भीड़ ने की चढ़ाई, सोशल मीडिया पर लोगों ने लिए मजे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के हरिहर किले की ट्रेकिंग का मजा सह्याद्रि के शानदार नजारों, ऊबड़-खाबड़ रास्तों और चट्टान को काटकर बनाई गई मशहूर सीढ़ियों पर चढ़ने के रोमांच में है। लेकिन हाल ही में सामने आए एक वीडियो में ट्रेकर्स की एक कभी न खत्म होने वाली कतार किले की संकरी और लगभग सीधी खड़ी सीढ़ियों पर धीरे-धीरे ऊपर चढ़ती हुई दिख रही है। ऑनलाइन शेयर किया गया यह वीडियो वायरल हो गया है और लोग इस भीड़ की तुलना सेना के हमले से कर रहे हैं। यह वीडियो X यूज़र मीम्स क्रिएटर ने शेयर किया है। उसने मजाक में लिखा, 'इस किले पर हमला करने के लिए इतने तो मुगल सैनिक भी नहीं आए होंगे।' उसने आगे रोने वाला इमोजी बनाया। क्लिप में ट्रेकर्स को खड़ी सीढ़ियों पर एक के पीछे एक चढ़ते हुए देखा जा सकता है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के आने से ऑनलाइन मज़ाक और चिंता दोनों ही देखने को मिल रही है, खासकर इसलिए क्योंकि चढ़ाई का रास्ता खुला हुआ है।

नासिक में कठिन चढ़ाई के बाद आता ही हरिहर किला

हरिहर किला, जिसे हर्षगढ़ के नाम से भी जाना जाता है, महाराष्ट्र के नासिक जिले में है और इसकी ऊंचाई लगभग 3,676 फ़ीट (1,120 मीटर) है। एक अनोखी त्रिकोणीय चट्टान पर बने इस किले की सबसे बड़ी खासियत चट्टान को काटकर बनाई गई अद्भुत सीढ़ियां हैं। ये सीढ़ियां बहुत खड़ी ढलान पर बनी हैं और चट्टान में हाथ पकड़ने के लिए जगहें (निश) भी बनाई गई हैं सीढ़ियां ही हरिहर को देखने में इतना शानदार बनाती हैं, और भीड़ होने पर यह चढ़ाई मुश्किल भी हो सकती है। जानकारों के मुताबिक, इसके सबसे मशहूर हिस्से में चट्टान को काटकर बनाई गई लगभग 117 सीढ़ियां हैं, और चढ़ाई का कुछ हिस्सा तो लगभग सीधा (वर्टिकल) दिखता है। आखिर में, यह रास्ता ट्रेकर्स को एक संकरे रास्ते से होते हुए किले के प्रवेश द्वार और सबसे ऊंची चोटी तक ले जाता है। स वीडियो ने कई सोशल मीडिया यूज़र्स को चिंता में डाल दिया। एक व्यक्ति ने लिखा, 'बस एक गलती और बड़ी दुर्घटना हो सकती है।' दूसरे ने कहाः 'शायद मेरी राय अलग हो, लेकिन इतनी भीड़ सभी के लिए जोखिम भरी है। एक फिसलन और कुछ और लोग भी नीचे गिर सकते हैं। महाराष्ट्र को अंधारबन ट्रेक की तरह एक रजिस्ट्रेशन सिस्टम लागू करना चाहिए और केवल सीमित संख्या में लोगों को ही जाने की अनुमति देनी चाहिए। सीढ़ियों के खड़ी और खुली बनावट को देखते हुए, खासकर गीले मौसम में, यह चिंता जायज है। कुछ लोगों ने इस भीड़ को भारत में यात्रा और आउटडोर अनुभवों के प्रति बढ़ते रुझान के संकेत के रूप में देखा। एक कमेंट करने वाले ने लिखा कि आखिरकार लोगों के पास आउटडोर गतिविधियां करने के लिए समय और साधन हैं (यह अच्छी बात है, इससे पता चलता है कि समृद्धि बढ़ रही है) लेकिन ऐसी जगहें सीमित हैं जहां आसानी से पहुंचा जा सके। इसलिए इतनी भीड़भाड़ है। एक अन्य व्यक्ति ने भी इसी तरह तर्क दिया कि बढ़ती समृद्धि और अच्छी तरह से बनाए रखे गए पर्यटन स्थलों की सीमित संख्या इस समस्या का कारण बन रही है। लोगों की प्रतिक्रियाएं सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताओं से लेकर भीड़ से पूरी तरह झुंझलाहट तक थीं। एक यूज़र ने मजाक में कहा कि भारत में कोई भी मशहूर जगह जाने लायक नहीं है।

वसेड़ी स्कूल के गड्डें ने एडमिनिस्ट्रेशन की परफॉर्मेंस पर सवाल उठाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। जिले के वसेड़ी गांव से एक ऐसा मामला सामने आया है जो एडमिनिस्ट्रेशन की परफॉर्मेंस पर सवाल उठाता है। वसेड़ी प्राइमरी स्कूल के सामने पिछले छह महीने से एक बहुत बड़ा और खतरनाक गड्डें पड़ा हुआ था। चूंकि इसी सड़क से पहली से पांचवीं क्लास के मासूम बच्चे हर दिन स्कूल आते-जाते थे, इसलिए हर समय एक्सीडेंट का डर बना रहता था। छह महीने तक गड्डें वैसे ही रहने के बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के आरोपों के बीच, गांव के सरपंच ने आखिरकार अपनी जिम्मेदारी समझते हुए गड्डें को भरने का काम शुरू कर दिया। स्कूल आने वाले बच्चों और पेरेंट्स को सरपंच के काम से बड़ी राहत मिली है। हालांकि, इस काम के बाद अब रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट की परफॉर्मेंस पर सवाल उठ रहे हैं। गांववालों ने बच्चों की सेफ्टी के लिए स्कूल के चारों ओर कंक्रीट की प्रोटेक्शन वॉल बनाने की मांग की है। गांव वालों का कहना है कि स्कूल के आस-पास एक सेफ़ सिस्टम बनाया जाना चाहिए ताकि भविष्य में कोई बच्चा किसी हादसे का शिकार न हो। मांग है कि हादसे के बाद एडमिनिस्ट्रेशन के एक्शन लेने का इंतज़ार करने के बजाय, बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तुरंत एक प्रोटेक्शन वॉल बनाई जाए। वसेड़ी गांव में हुई इस घटना की चर्चा एडमिनिस्ट्रेशन के दावों और ज़मीनी हकीकत के बीच के फ़र्क को साफ़ करने के तौर पर हो रही है। अब देखना यह है कि R&B डिपार्टमेंट और संबंधित एडमिनिस्ट्रेशन गांव वालों की मांगों पर कितनी जल्दी ध्यान देता है।

2027 चातुर्मास नागदा में प्रदान करने संतश्री से की विनती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा(सुनिल सकलेचा / अनुज नाहर) . स्थानकवासी मीडिया प्रभारी नितिन बुड़ावनवाले ने बताया कि मगलवार सुबह स्थानकवासी जैन श्री संघ अध्यक्ष सतीश जैन सांवेर वाले एवं सचिव अनिल पावेचा ट्रस्ट अध्यक्ष रवि काठेड सचिव पंकज मारू के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारी एवं श्रावक-श्राविकाएं रतलाम पहुंचे। वहां विराजित संत श्री प्रकाश मुनिजी म.सा. ठाणा एवं साध्वी सतिया जी म.सा. के दर्शन-वंदन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर नागदा संघ की ओर से संतश्री के समक्ष वर्ष 2027 का चातुर्मास नागदा में प्रदान करने की भावपूर्ण विनती प्रस्तुत की गई। संघजनों ने कहा कि नागदा के श्रावक-श्राविकाओं की भावना है कि आगामी चातुर्मास संतश्री के सान्निध्य में नागदा में संपन्न हो। इससे नगर में धर्म, साधना, प्रवचन एवं आध्यात्मिक गतिविधियों को विशेष गति मिलेगी। संतश्री के रतलाम चातुर्मास के दौरान पहुंचे नागदा संघ के सदस्यों ने धर्मचर्चा का लाभ लिया। इस दौरान संघजनों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण रहा। बुड़ावनवाले ने बताया कि संत श्री ने धर्मचर्चा के दोरान बताया कि आने वाली 28 नवम्बर को जन्म दिन के अवसर वर्ष 2027 चातुर्मास की घोषणा सुखे समाधे की जावेगी ऐसा आश्वासन नागदा संघ को दिया ठु यह थे लाभार्थी - मनोहरलाल काठेड़, प्रकाशचंद बुड़ावन वाले, सतीश लूणावत सांवेर वाले, अनिल पावेचा, चंद्रप्रकाश काठेड़, नवीन तरवेचा, निर्मल दलाल एवं गुप्तदान दाता रहे।

डोंगरगांव में 155 पौवा अवैध शराब जब्त, सवालों के घेरे में निगरानी तंत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई किए जाने के दावों के बीच डोंगरगांव थाना क्षेत्र में एक बार फिर बड़ी मात्रा में देशी शराब बरामद होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ग्राम उमरवाही में कार्रवाई करते हुए 155 पौवा यानी करीब 27.900 बल्क लीटर देशी प्लेन शराब जब्त की है, जिसकी कीमत पुलिस ने लगभग 12,400 रुपये बताई है। मामले में ग्राम उमरवाही निवासी नोकलाल जांगड़े (35 वर्ष) को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार 18 अगस्त 2026 को थाना डोंगरगांव की टीम क्षेत्र में अपराध एवं अवैध गतिविधियों की पतासाजी के लिए रवाना थी। इसी दौरान ग्राम उमरवाही बाजार चौक के पास मुखबिर से सूचना मिली कि नोकलाल जांगड़े अपने घर की बाड़ी में बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में देशी शराब छिपाकर रखा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी के घर और बाड़ी में तलाशी ली, जहां पैरावट के पास सफेद प्लास्टिक बोरी में 155 पौवा शराब बरामद होने का दावा किया गया।

कावेरी जल विवाद: तमिलनाडु को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, कहा- तय हिस्से से ज्यादा पानी मिल चुका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर तमिलनाडु की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की दलीलों पर सवाल उठाए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी में कहा कि उपलब्ध आंकड़ों को कुल मिलाकर देखने पर ऐसा लगता है कि तमिलनाडु को उसके निर्धारित हिस्से से अधिक पानी मिल चुका है।

तमिलनाडु सरकार ने अदालत से कर्नाटक को अपने हिस्से का पानी तत्काल जारी करने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य का कहना था कि कम बारिश वाले साल में उसे कावेरी से पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है और इससे सिंचाई प्रभावित हो रही है। तमिलनाडु ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की अनुशंसित मात्रा और कर्नाटक से वास्तविक रूप से मिल रहे पानी को अपनी जरूरतों से कम बताया।

कर्नाटक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि कावेरी बेसिन में पानी की भारी कमी है। उन्होंने अदालत को बताया कि तमिलनाडु को अब तक 14.814 टीएमसी पानी मिल चुका है। उनका कहना था कि मौजूदा परिस्थितियों और अनुपात के आधार पर पानी की उपलब्धता का आकलन किया जाना चाहिए। दीवान ने यह भी बताया कि कर्नाटक ने आने वाले दिनों में कम पानी की भरपाई करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने सभी परिस्थितियों पर विचार करने के बाद पानी छोड़ने के संबंध में निर्देश दिए हैं।

दोनों पक्षों से फैक्ट शीट, एक सप्ताह बाद सुनवाई

दोनों राज्यों के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के सामने पानी की उपलब्धता और आपूर्ति से संबंधित फैक्ट शीट पेश की। पीठ ने कहा कि उसने दोनों दस्तावेजों की जांच की है और मामले को एक सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। अगली सुनवाई में अदालत के सामने यह स्पष्ट किया जाएगा कि दोनों राज्यों के बीच पानी के प्रवाह और निर्धारित हिस्से की स्थिति क्या रही।

जब मैं विधायक बना तो अमित शाह बच्चे थे, वह हमें देशभक्ति सिखा रहे : खड़गे

पणजी (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि जब मैं पहली बार विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। अमित शाह अक्सर सोनिया गांधी और गांधी परिवार की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी धर्म विरोधी हैं, क्योंकि जब मैं उत्तराखंड गया तो दो दिन बाद मंच का शुद्धिकरण कराया गया। यह शुद्धिकरण रामलीला मैदान में किया गया था, जहां खड़गे ने 8 अगस्त को भाषण दिया था। उन्होंने यह बात दक्षिण गोवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। बता दें अमित शाह ने 16 अगस्त को कहा था कि कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। बीच में ही कांग्रेस की नेत्री सोनिया जी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। बता दें राज्य के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्दारों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे। बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं। क्या वे इसे आपकी भलाई के लिए खरीद रहे हैं या गोवा का मजाक बनाने के लिए। बाहर से आने वाले लोगों को जमीन खरीदकर मनमानी कीमतों पर घर बनाने और गोवा का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। गोवा में ऐसे पर्यटकों का स्वागत होना चाहिए, जो राज्य की संस्कृति का सम्मान और उसकी रक्षा करते हैं।

सीएम विजय की कर्ज माफी की घोषणा से तमिलनाडु के किसानों ने की राहत महसूस

-75 हजार रुपए तक का फसल कर्ज माफ करने का किया है ऐलान

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए फसल ऋण माफी योजना का दायरा बढ़ाने का ऐलान किया है। सरकार के 100 दिन पूरे होने के मौके पर मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ ने सोमवार को विधानसभा में इसकी घोषणा की है। इसके तहत सहकारी बैंकों से 75 हजार रुपए तक का फसल ऋण लेने वाले पात्र किसानों का पूरा कर्ज माफ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विजय ने बताया कि 75 हजार रुपए तक के फसल ऋण पर किसानों को 100 प्रतिशत ऋण माफी का लाभ मिलेगा। यानी इस सीमा तक बकाया फसल कर्ज रखने वाले किसानों को पूरी राशि चुकाने से राहत दी जाएगी। सरकार ने 75 हजार रुपए से अधिक और एक लाख रुपए तक के फसल ऋण वाले किसानों के लिए भी राहत का प्रावधान किया है। ऐसे किसानों को अधिकतम 75 हजार रुपए तक की कर्ज माफी मिलेगी। इससे छोटे और सीमांत किसानों पर बकाया ऋण का बोझ कम होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में सरकार के 100 दिनों के कार्यकाल के दौरान किसानों के हित में उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए इस योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। सरकार के इस फैसले से सहकारी बैंकों से फसल ऋण लेने वाले बड़ी संख्या में किसानों को सीधे लाभ मिलने की उम्मीद है।

अभिजीत दीपके को एनडीए में आने का मिला ऑफर

मोदी सरकार में मंत्री ने कहा- हम स्वागत करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के प्रमुख रामदास आठवले ने अपनी पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया है। हालांकि, दीपके की ओर से इस प्रस्ताव पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दीपके और सीजेपी फिलहाल सक्रिय राजनीति से दूरी बनाए रखने की बात कह रहे हैं।

आठवले ने सोमवार को कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपने को पूरा करने तथा समाज और पार्टी को मजबूत करने के लिए दीपके को आरपीआई(ए) में शामिल होना चाहिए। दीपके ने हाल ही में राजनीति में तत्काल प्रवेश से इनकार किया था। उन्होंने हालांकि कहा था कि यदि बड़ी संख्या में लोग चाहेंगे तो वह भविष्य में इस पर विचार कर सकते हैं। जनता की मांग होने पर चुनाव लड़ने की संभावना से भी उन्होंने इनकार नहीं किया है। सीजेपी ने जून-जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की अगुवाई की थी। अगस्त के पहले सप्ताह में संगठन ने राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन किया, लेकिन स्पष्ट किया कि फिलहाल इसे राजनीतिक दल में नहीं बदला जाएगा। संगठन का कहना है कि वह चुनावी राजनीति में उतरने के बजाय जमीनी स्तर पर काम और जनजागरूकता बढ़ाने पर ध्यान देगा। दीपके ने भी कहा है कि भारत में एक और राजनीतिक पार्टी बनाना फिलहाल समाधान नहीं है। हालांकि, उन्होंने भविष्य में जनता की मांग के आधार पर अपनी भूमिका बदलने की संभावना खुली रखी है।दीपके ने महाराष्ट्र के हिंगोली जिले स्थित अपने पैतृक गांव से 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि इसका सबसे ज्यादा असर गरीब विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। उन्होंने निजी स्कूलों की फीस सीमित करने की भी मांग की। दीपके के मुताबिक, अभियान के तहत स्कूलों में पानी, खिड़कियां, बेंच और अन्य जरूरी सुविधाओं की स्थिति का आंकड़ा जुटाया जाएगा। इसके लिए एक सूची तैयार की गई है, जिसके जरिए स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं का आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान के अगले चरण में महाराष्ट्र के अन्य तालुकों के सरकारी स्कूलों का दौरा किया जाएगा। सीजेपी ने राजस्थान के स्कूलों में भी अभियान चलाने की योजना बताई है। संगठन सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति को लेकर भी इसी तरह की मुहिम शुरू करने की तैयारी में है।

नीतीश कुमार पटना लौटते ही सक्रिय, समर्थकों ने लगाए सुपर सीएम जिंदाबाद के नारे

पटना (एजेंसी)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार इन दिनों सक्रिय नजर आ रहे हैं। राज्यसभा की कार्यवाही में भाग लेने के बाद पटना लौटे नीतीश हर दिन किसी न किसी कार्यक्रम में पहुंच रहे हैं और लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। मंगलवार सुबह वे जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के घर पहुंचे। उनके पहुंचते ही समर्थकों और कार्यकर्ताओं की भीड़ जुट गई। समर्थकों ने नीतीश कुमार और संजय झा के समर्थन में नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सुपर सीएम जिंदाबाद के नारे भी लगाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीतीश कुमार ने मुस्कुराते हुए हाथ के इशारे से समर्थकों को चुप रहने के लिए कहा, लेकिन कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ और वे लगातार नारे लगाते रहे। संजय झा के घर पहुंचने के बाद नीतीश ने वहां मौजूद लोगों से मुलाकात की। उन्होंने संजय झा से कहा कि अब आप आ गए हैं। सभी लोगों से मिलिए, कागज लीजिए और मेरे पास आइए। इसी दौरान संजय झा ने नीतीश कुमार को बताया कि लोगों की मांग है कि अक्टूबर से जिलों में दौरा शुरू किया जाए। इस पर नीतीश ने कहाकि पहले सब कर लीजिए। उनके इस संवाद से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में पार्टी और संगठन से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर गतिविधियां और तेज हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इससे एक दिन पहले नीतीश कुमार मेदांता अस्पताल पहुंचे थे। वहां मौजूद लोगों ने उनसे कहा था कि बिहार आपको बहुत मिस कर रहा है। इसके बाद से नीतीश कुमार लगातार सार्वजनिक रूप से सक्रिय नजर आ रहे हैं। राज्यसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने के बाद पटना लौटे नीतीश कुमार का लगातार लोगों के बीच जाना राजनीतिक रूप से भी चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच उनकी सक्रियता को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है।

-किरण वेदी ने सत्ता में बैठे नेताओं को दी हिदायत

सरकार बदलने से कुछ नहीं होगा, सत्ता में बैठे लोगों से नागरिक सवाल पूछें

कोलकाता (एजेंसी)। रिटायर आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने कहा है कि देश में बदलाव सिर्फ सरकार बदलने से नहीं आएगा। इसके लिए नागरिकों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी, सत्ता में बैठे लोगों से सवाल पूछने होंगे और मजबूत समुदाय बनाने होंगे। कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने नेताओं से नियमित रूप से टाउन हॉल बैठकें करने की भी अपील की। बेदी गोलपार्क स्थित रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर में आयोजित अमृता डागा मेमोरियल लेक्चर में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी केवल मतदान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों से सवाल पूछने और उनकी जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

बेदी ने कहा कि नेताओं को हर एक-दो महीने में टाउन हॉल बैठकें आयोजित करनी चाहिए, ताकि वे सीधे जनता की समस्याएं सुन सकें। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकों को विरोध प्रदर्शन के तौर पर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक, खासकर नई पीढ़ी को अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अवसर मिलना जरूरी है। इससे व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और जनप्रतिनिधियों को समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने नागरिकों के लिए ईमेल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत भी बताई। बेदी ने कहा कि जब नेता वोट मांगने के दौरान जनता की सेवा का वादा करते हैं, तो नागरिकों को उनसे उनके काम और सार्वजनिक धन के इस्तेमाल पर सवाल पूछने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर लोग अपनी समस्याएं सामने नहीं रखेंगे तो समाधान की उम्मीद भी कम हो जाएगी।पूर्व पुलिस अधिकारी ने अपराध और ड्रग्स जैसी समस्याओं से निपटने में परिवारों और स्कूलों की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को समुदाय का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए स्थानीय स्तर पर लोगों की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया। बेदी ने तिहाड़ जेल में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कैदियों के पीछे अलग-अलग कहानियां देखीं और कई लोगों ने गलत फैसले लिए थे। उन्होंने कहा कि नया भारत अचानक नहीं बनेगा। यह नागरिकों और नेतृत्व की ओर से धैर्य, साहस, सतर्कता और सही फैसलों के लगातार प्रयास से तैयार होगा।

राम मंदिर दान चोरी : चंपत के साथ अनिल मिश्रा को भी क्लीन चिट

लखनऊ (एजेंसी)। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा को एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट में क्लीन चिट मिल गई है। शासन को सौंपी गई रिपोर्ट में दोनों के नाम शामिल नहीं हैं। अब रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भेज दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, अंतिम रिपोर्ट में केवल उन आठ आरोपियों के नाम हैं, जिन्हें मामले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय और अनिल मिश्रा पर सबसे ज्यादा आरोप लगे थे। दबाव बढ़ने के बाद दोनों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गठित दूसरी एसआईटी मामले की जांच अभी जारी रखे हुए है।

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर 13 जून को तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की गई थी। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता वाली टीम में आईजी रेंज किरण एस और विशेष सचिव (वित्त) नील रतन कुमार शामिल थे। एसआईटी की प्रारंभिक जांच में चोरी की पुष्टि हुई थी। करीब 80 लाख रुपये की बरामदगी पुलिस को सूचना दिए बिना किए जाने की बात भी सामने आई थी। 23 जून को प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंपी गई। इसके बाद 25 जून को आठ लोगों के खिलाफ श्रीराम जन्मभूमि थाने में मामला दर्ज किया गया। अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पाण्डेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अज्ञात आरोपियों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। प्रारंभिक रिपोर्ट में 27 अप्रैल से 5 जून के बीच सीसीटीवी फुटेज में करीब 70 बार कर्मचारियों को नकदी छिपाकर ले जाते हुए दर्ज किए जाने की बात कही गई थी। जांच में ट्रस्ट और बैंक की संयुक्त मानक कार्यप्रणाली का पालन नहीं होने तथा प्रवेश-निकास पर तलाशी की व्यवस्था न होने का भी उल्लेख था। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी एसआईटी को जांच तेजी से पूरी कर सही निष्कर्ष तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। अदालत ने जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश करने को कहा है। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद भक्तों के दान के प्रबंधन में सुधार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

क्रिप्टो करेंसी के फर्जीवाड़ा के महानगर मेट्रो में उजागर होने के बाद एजेंटों में हड़कंप एजेंटों पर कड़ी कार्रवाई हो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पिछले अंक में हमने क्रिप्टो करेंसी के बढ़ते मकड़ जाल को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत किया था जिसको लेकर अब पूरे प्रदेश भर में एजेंटों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई है हालांकि इस समाचार के प्रकाशन होने के बाद क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट करने वाले कुछ इन्वेस्टर ने बताया कि जब उन्होंने इस समाचार को पढ़ा तब उन्होंने अपने इन्वेस्ट करने की प्लान को फिलहाल स्थगित कर दिया है गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र में क्रिप्टोकरंसी शेयर मार्केट फॉरेक्स ट्रेडिंग और ऐसे न जाने कितने लुट के अड्डे चल रहे हैं यह कंपनियां तीन-चार महीने में रकम डबल होने का दावा करते हैं 4' मासिक एवं दैनिक ब्याज क्रिप्टो मायनिंयंग प्रॉफिट दैनिक प्रॉफिट जैसी स्कीम के नाम पर कुछ कंपनियां लोगों की गाढ़ी कमाई पर हाथ साफ कर रही है महानगर मेट्रो के क्रिप्टो करेंसी के फर्जीवाड़ा के खुलासा के बाद एजेंटों में हड़कंप है दूसरी ओर आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ राज्य के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने क्रिप्टोकरंसी जैसी ऑनलाइन कंपनियों के कथित तौर से एजेंट काम कर रहे हैं सरकारी कर्मचारियों पर एवं एजेंटों पर कड़ी से कड़ी का कारवाई एवं विभिन्न वीएन एस की धाराओं में कार्रवाई होनी चाहिए एक फर्जी कंपनियों के तरीके को इस उदाहरण से समझा जा सकता है कुछ कंपनियां कुछ हमारे लोगों को लीडर बनाकर अथवा फर्जी गैंग में शामिल कर भारी भरकम पैसों का लालच देकर अपना कारोबार फैलाती है यह उन्ही के माध्यम से पूरे समाज में अवैध व्यापार की जाती है इस मामले में दूसरा पहलू यह है कि कुछ सरकारी कर्मचारी अत्यधिक महत्वाकांक्षा में अत्यधिक पैसे के लालच में शामिल हो जाते हैं और लोग सरकारी कर्मचारी होने पर उन पर भरोसा कर लेते हैं और अपनी जमा पूंजी उनके हवाले कर देते हैं

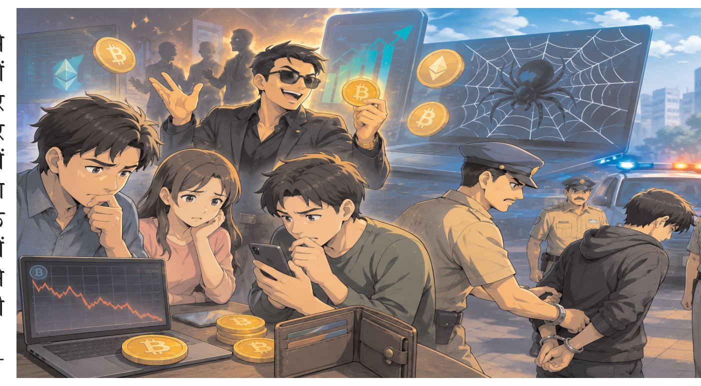

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

अहमदाबाद, (बुधवार)
19 अगस्त 2026

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 492, निफ्टी 132 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया जिससे भी घरेलू बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 492.70 अंक टूटकर 77,235.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 पर बंद हुआ।

बाजार में गिरावट के पीछे मुख्य रुप से आईटी शेयरों का नीचे आना रहा। आज निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी मेटल , निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी इन्फ्रा के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल एंड गैस तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप शेयरों में दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 277.60 अंक फिसलकर 63,539.40 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 19,808.85 पर

बंद हुआ। आज सेंसेक्स पैक में एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे थे जबकि एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, टीसीएस, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर खुले। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 77,468.44 पर और निफ्टी 52 अंक की गिरावट के साथ 24,234.75 पर कारोबार कर रहा था।

सोना-चांदी धड़ाम! एक दिन में 3,500 रुपए तक टूटे दाम

सोना 1,55,070 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी का भाव 2,35,450 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बाजार खुलते ही सोने के दाम 1,000 रुपये तक और चांदी 2,600 रुपये तक नीचे आ गई। सुबह एक घंटे के भीतर दोनों कीमती धातुओं में करीब 3,500 रुपये तक की गिरावट देखी गई, जिसने सोमवार की पूरी बढ़त को खत्म कर दिया। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह बाजार खुलने के बाद 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,070 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं 4 सितंबर की डिलीवरी वाली चांदी में 2,598 रुपये की कमी आई और यह 2,35,450 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार को सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का भाव 15,589 रुपये प्रति ग्राम रहा, जबकि 22 कैरेट सोना 14,290 रुपये प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 11,692 रुपये प्रति ग्राम पर बिका। चांदी का भाव 250 रुपये प्रति ग्राम और 2.50 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रहा। देश के अलग-अलग शहरों में सोने-चांदी की कीमतों में मामूली अंतर देखने को मिला।सतीश

भारत सरकार ने 400 टन चांदी आयात को दी मंजूरी

जयपुर ।

नए लाइसेंसिंग नियमों के कारण करीब छह महीने तक प्रभावित रहने के बाद भारत में चांदी का आयात अब धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। घरेलू बाजार में अंतरराष्ट्रीय कीमतों के मुकाबले चांदी के ऊंचे भाव और आगामी त्योहारों व शादियों के सीजन को देखते हुए आयात में तेजी आई है। गुजरात की गिफ्ट सिटी स्थित इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के जरिए अब तक 89.81 टन चांदी भारत पहुंच चुकी है। वहीं सरकार ने कारोबारियों और बैंकों को करीब 400 टन चांदी के आयात के लिए लाइसेंस मंजूर किए हैं। चांदी की मांग बढ़ने के पीछे राखी, गणेश चतुर्थी और नवरात्र जैसे त्योहारों के साथ-साथ दिवाली और शादी का सीजन प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा चांदी के सिक्कों, उपहारों और अन्य उत्पादों की मांग भी बढ़ी है। आयात बढ़ने से घरेलू बाजार में चांदी की उपलब्धता बेहतर होने की उम्मीद है।

आईनॉक्स क्लीन एनर्जी ने वेना एनर्जी का 6,000 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

आईनॉक्स क्लीन एनर्जी ने ब्लैकरॉक के स्वामित्व वाली जीआईपी की वेना एनर्जी इंडिया होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड का करीब 6,000 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। वेना एनर्जी इंडिया, वेना समूह का भारत में नवीकरणीय ऊर्जा मंच है। कंपनी के मंगलवार को जारी बयान के अनुसार कई हितधारकों और वित्तपोषण भागीदारों की भागीदारी के बावजूद यह सौदा दो महीने के भीतर पूरा हुआ। यह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में समझौते पर हस्ताक्षर से लेकर उसे पूरा करने तक के सबसे तेज सौदों में से एक है। आईनॉक्सजीएफएल समूह के कार्यकारी निदेशक ने बयान में कहा, वेना एनर्जी इंडिया का अधिग्रहण पूरा होना हमारी तेजी से काम पूरा करने की क्षमता को दर्शाता है। आईनॉक्स क्लीन, आईनॉक्सजीएफएल समूह का एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मंच है। यह अपनी अनुषंगी आईनॉक्स नियो के जरिये नवीकरणीय आईपीपी (स्वतंत्र बिजली उत्पादक) कारोबार और आईनॉक्स सोलर लिमिटेड के जरिये सौर विनिर्माण कारोबार संचालित करता है।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.68 प्रति डॉलर पर

रुपया पिछले दिन 95.61 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार के कारोबारी दिन रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 19 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.61 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत टूटकर 99.63 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चा तेल की कीमत के करीब 91 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने से तेल से संबंधित डॉलर की मांग में वृद्धि हुई है। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती एफसीएनआर (बी) विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा को अनुमान से पहले बंद किए जाने से भविष्य में डॉलर के प्रवाह को लेकर चिंता भी बढ़ी है।

मारुति फ्रोंक्स ने रचा इतिहास, 2 लाख यूनिट एक्सपोर्ट का आंकड़ा पार

- सिर्फ 38 महीने में हासिल किया कीर्तिमान

मुंबई ।

मारुति सुजुकी की कॉम्पैक्ट एसयूवी फ्रोंक्स ने वैश्विक बाजारों में धूम मचाते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि फ्रोंक्स ने लॉन्च के मात्र 38 महीने के भीतर 2 लाख यूनिट्स के निर्यात का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि फ्रोंक्स को भारत से सबसे तेजी से निर्यात होने वाली एसयूवी बनाती है, जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग और मेक इन इंडिया पहल की सफलता को दर्शाती है। मारुति सुजुकी फ्रोंक्स का निर्यात जून 2023 में शुरू हुआ था। इसके बाद फ्रोंक्स ने पहले 1 लाख यूनिट का आंकड़ा 25 महीने से भी कम समय में छुआ, जबकि अगले 1 लाख यूनिट सिर्फ 13 महीने में एक्सपोर्ट हुईं, जो इसकी बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाता है। गुजरात के हंसलपुर स्थित कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में निर्मित यह एसयूवी अब जापान सहित करीब 90 देशों में निर्यात की जा रही है। जापान जैसे विकसित बाजारों में इसकी पहुंच भारतीय निर्मित वाहनों की गुणवत्ता और लोकप्रियता का प्रमाण है। कंपनी का कहना है कि फ्रोंक्स की बढ़ती विदेशी मांग उसके निर्यात कारोबार को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 से मारुति सुजुकी फ्रोंक्स भारत की सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली पैसेंजर गाड़ी रही है।

टाटा समूह का विशाल निवेश चक्र, फंडिंग की जिम्मेदारी टाटा संस पर

सेमीकंडक्टर से एआई तक फैले निवेश में स्थापित कंपनियां आंतरिक संसाधनों से जुटाएंगी पूंजी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन, विमानन, बैटरी और एआई जैसे विविध क्षेत्रों में कई लाख करोड़ रुपये के विशाल पूंजी निवेश चक्र में प्रवेश कर रहा है। इस महत्वाकांक्षी विस्तार के लिए पूंजी की व्यवस्था समूह के भीतर एक स्पष्ट विभाजन को दर्शाती है। टाटा समूह अपने नए पूंजी निवेश चक्र में कई लाख करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है, जिसका दायरा सेमीकंडक्टर, विमानन, बैटरी, वाहन, स्टील, बिजली, होटल और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) बुनियादी ढांचे तक फैला हुआ है। हालांकि, इस निवेश के लिए पूंजी जुटाना समूह के लिए एक बड़ी चुनौती है। इस निवेश को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टाटा मोटर्स और टाटा स्टील जैसी स्थापित सूचीबद्ध कंपनियां अपनी विस्तार योजनाओं के लिए मुख्य रूप से आंतरिक नकदी प्रवाह, ऋण और बाहरी निवेशकों पर निर्भर करेंगी। दूसरी ओर, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर इंडिया, एग्रेटास (बैटरी विनिर्माता) और टाटा डिजिटल जैसे समूह के नए कारोबार, जो अभी घाटे में चल रहे हैं या अपनी प्रमुख परिसंपत्तियों का निर्माण कर रहे हैं, इक्विटी पूंजी के लिए काफी हद तक अपनी होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर निर्भर रहेंगे। टाटा संस की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत दिखती है। नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, होल्डिंग कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 को 21,841 करोड़ रुपए की शुद्ध नकदी और बिना किसी ऋण बोझ के समाप्त किया। मार्च 2026 तक सूचीबद्ध कंपनियों में उसका निवेश लगभग 11.68 रुपए लाख करोड़ था। वित्त वर्ष 2026 में टाटा संस ने 25,544 करोड़ रुपए का परिचालन नकदी प्रवाह अर्जित किया, जिसमें मुख्य योगदान 32,528 करोड़ रुपए की लाभांश आय का रहा। टाटा संस ने पिछले दो वर्षों में सहायक इकाइयों और संयुक्त उद्यमों में 37,500 करोड़ रुपए से अधिक का इक्विटी निवेश किया है।

टीवी रेटिंग्स ठप- विज्ञापन बाजार पर मंडराया संकट

विज्ञापन खर्च घटकर 2025 में 26,300 करोड़ रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत के दूसरे सबसे बड़े टीवी बाजार में टेलीविजन दर्शकों की माप और रेटिंग का काम 1 जुलाई से पूरी तरह ठप पड़ा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) को नई टेलीविजन रेटिंग नीति के तहत उसके पंजीकरण नवीनीकरण पर फैसला होने तक यह काम रोकने का निर्देश दिया है। इस अनिश्चितता ने विज्ञापन उद्योग में चिंता बढ़ा दी है, खासकर त्योहारी सीजन के मद्देनजर। एक महीने से अधिक समय से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टीवी बाजार में टीवी रेटिंग का काम पूरी तरह ठप है। यह आदेश तब तक लागू रहेगा जब तक नई टेलीविजन रेटिंग नीति के तहत बीएआरसी के पंजीकरण के नवीनीकरण के आवेदन पर फैसला नहीं हो जाता। मौजूदा समय में पारंपरिक टीवी पर विज्ञापन खर्च लगातार घट रहा है, जो 2023 में 31,200 करोड़ रुपये से घटकर 2025 में 26,300 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। हालांकि, जुलाई में विज्ञापन खर्च पर तत्काल कोई बड़ा असर नहीं दिखा, क्योंकि अधिकांश सौदे पहले ही हो चुके थे। लेकिन अगस्त से शुरू हो रहे त्योहारी सीजन में टीवी पर विज्ञापन खर्च सबसे अधिक होता

है।

यदि रेटिंग आंकड़ों का यह संकट जारी रहता है, तो कई विज्ञापनदाता टीवी पर अपने खर्चों पर पुनर्विचार कर सकते हैं। इस स्थिति का असर विभिन्न प्रसारण कंपनियों पर अलग-अलग पड़ेगा। जियोस्टार, ज़ी या सोनी जैसे बड़े नेटवर्क शायद पुराने दर्शक आंकड़ों और उनकी बाजार हिस्सेदारी के आधार पर विज्ञापन प्राप्त कर लें, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं या छोटे भौगोलिक क्षेत्रों को लक्षित करने वाले छोटे ब्रांडों और चैनलों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। नई टेलीविजन रेटिंग नीति का मूल उद्देश्य अच्छा है, जिसका लक्ष्य रेटिंग के क्षेत्र में दूसरी कंपनियों के लिए भी प्रवेश आसान करना है।

आरबीआई के अप्रत्याशित कदम से रुपया 19 पैसे टूटा

नई दिल्ली।

भारतीय रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे कमजोर होकर 95.61 पर बंद हुआ। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रियायती फॉरेक्स स्वैप सुविधा को तय समय से एक महीने पहले, यानी 31 अगस्त को बंद करने के अप्रत्याशित ऐलान के बाद आई। इस कदम ने बाजार में डॉलर की उपलब्धता और तरलता (लिक्विडिटी) को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। आरबीआई के इस अप्रत्याशित निर्णय से फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में डॉलर की आवक पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। इसके परिणामस्वरूप, रुपए पर दबाव और बढ़ गया है। केवल आरबीआई का फैसला ही नहीं, बल्कि आयातकों द्वारा डॉलर की लगातार मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल का 88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करना भी रुपए की कमजोरी के प्रमुख कारण बने हुए हैं। इन दबावों के चलते बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बांड की यील्ड बढ़कर 6.81 प्रतिशत हो गई। वित्तीय सलाहकार फर्म फिनरेक्स के अनुसार, 13 अगस्त तक कुल इनफ्लो 56.8 अरब डॉलर था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे रुपए में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

वैश्विक तनाव से घरेलू शेयर बाजार फिसला

सेंसेक्स 300 अंक टूटकर 77,460 और निफ्टी 24,230 पर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर खुले। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 77,468.44 पर और निफ्टी 52 अंक की गिरावट के साथ 24,234.75 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में निफ्टी50 में इंफोसिस सहित कई आईटी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया। सेक्टरों में आईटी और रियल्टी सबसे ज्यादा कमजोर रहे, जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा ने बाजार की गिरावट के बीच मजबूती दिखाई। बाजार के जानकारों के मुताबिक निफ्टी लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की धारणा पर लगातार दबाव डाल रही हैं। उन्होंने

24,150 को तत्काल सपोर्ट और 24,450-24,500 को अहम रेजिस्टेंस बताया। बाजार में सुधार कच्चे तेल की कीमतों में नरमी या भू-राजनीतिक तनाव कम होने पर निर्भर करेगा। वहीं सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 281 अंक और निफ्टी 78 अंक से अधिक टूटा। बढ़ती तेल कीमतों और बिकवाली के दबाव से निवेशकों के करीब 79,000 करोड़ रुपये डूब गए।

भारत में 2026 में हरित विमान ईंधन पर वैश्विक मंथन, 25 देश होंगे शामिल

दिल्ली में 28-29 सितंबर को होगा इंडिया एसएएफ सम्मेलन 2026

नई दिल्ली।

नई दिल्ली में 28 और 29 सितंबर को इंडिया एसएएफ सम्मेलन 2026 आयोजित होगा, जहां 25 से अधिक देशों के प्रतिनिधि पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन (एसएएफ) के भविष्य पर मंथन करेंगे। गैर-लाभकारी एसएएफ एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में 1,000 से अधिक प्रतिनिधियों और 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। यह सम्मेलन एसएएफ उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, प्रौद्योगिकी और परियोजना वित्तपोषण जैसे अहम विषयों पर गहन चर्चा का मंच बनेगा। एसएएफ एसोसिएशन के एक अ धिकारी ने बताया कि भारत के पास टिकाऊ विमान ईंधन का वैश्विक केंद्र बनने का अवसर है, जिसके लिए सरकार, उद्योग, प्रौद्योगिकी, वित्त और वैश्विक भागीदारों को एक साथ लाकर एक पूर्ण परिवेश विकसित करना होगा। एसएएफ, इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल, पशु वसा और कृषि अवशेष जैसे नवीकरणीय स्रोतों से बनता है, जो विमानन क्षेत्र के 2.5त्न वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक है।

इसके अतिरिक्त, एसएएफ उत्पादन से किसानों की आय में प्रति हेक्टेयर 15,000 से 29,000 रुपये तक की वृद्धि संभव है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। इस पहल को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय जैसे प्रमुख संस्थानों का समर्थन प्राप्त है।

किसानों को राहत, फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ी

मौसम की मार से निपटने का अतिरिक्त समय मिला

नई दिल्ली

खरीफ 2026 की फसलें खेतों में उम्मीद जगा रही हैं, लेकिन बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, जलभराव या कीट-रोग का खतरा हमेशा मंडराता रहता है।

ऐसे में किसानों की महीनों की मेहनत को सुरक्षित रखने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) एक मजबूत आर्थिक सहारा बन सकती है। सरकार ने ऋणी किसानों के लिए अपनी फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दिया है, जिससे उन्हें मौसम की मार से निपटने का अतिरिक्त समय मिल गया है। केसीसी धारकों के लिए अहम जानकारी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) धारक किसानों के लिए 24 अगस्त 2026 की तारीख बेहद महत्वपूर्ण है।

यदि कोई ऋणी किसान फसल बीमा नहीं कराना चाहता है, तो उसे इस तिथि तक अपनी संबंधित बैंक शाखा में लिखित रूप से ऑप्ट-आउट आवेदन जमा करना होगा। ऐसा न करने पर, बैंक निर्धारित नियमों के अनुसार किसान के खाते से प्रीमियम काटकर फसल का बीमा कर देगा। व्यापक कवरेज, कई आपदाओं में सुरक्षा यह योजना केवल बाढ़ या सूखे तक सीमित नहीं है, बल्कि कई आपदाओं को कवर करती है। सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि, जलभराव, तूफान, चक्रवात, आकाशीय बिजली, रोग और कीट से खड़ी फसल को हुए नुकसान पर बीमा का लाभ मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, प्रतिकूल मौसम के कारण बुवाई प्रभावित होने, या बुवाई के एक माह बाद से कटाई के 15 दिन पहले तक संभावित उपज में 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान होने पर भी सहायता प्रदान की जाएगी। स्थानीय आपदाओं जैसे ओलावृष्टि, भूस्खलन, बादल फटना और आकाशीय बिजली से आग लगने पर भी किसान लाभ उठा सकते हैं। कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन तक ओलावृष्टि या बेमौसम बारिश से हुए नुकसान को भी योजना में शामिल किया गया है। प्रीमियम और बीमित राशि (खरीफ 2026) खरीफ 2026 के लिए इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को नामित किया गया है। धान के लिए 86 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की बीमित राशि पर किसान को 1,720 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम देना होगा।

पेटीएम में हिस्सेदारी बिक्री से वीएसएस को नहीं होगा लाभ, एंटफिन को मिलेगा पूरा पैसा

मुंबई।

वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) में रेजिलिएंट एसेट मैनेजमेंट बीवी की 4.98 प्रतिशत हिस्सेदारी की प्रस्तावित बिक्री से पेटीएम संस्थापक विजय शेखर शर्मा को कोई सीधा वित्तीय लाभ नहीं मिलेगा। इस सौदे से मिलने वाला पूरा पैसा एंटफिन के खाते में जाएगा। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार यह बिक्री शर्मा की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई रेजिलिएंट एसेट मैनेजमेंट बीवी और एंटफिन के बीच अगस्त 2023 से चले आ रहे वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र समझौते (ओसीडी) के तहत हो रही है। इस लेनदेन से प्राप्त पूरी राशि एंटफिन को ही मिलेगी, जबकि शर्मा की पेटीएम में लगभग नौ प्रतिशत प्रत्यक्ष हिस्सेदारी में कोई बदलाव नहीं आएगा। यह उनके कंपनी के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अगस्त 2023 में, रेजिलिएंट ने एंटफिन से पेटीएम की लगभग 10.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी और बदले में एंटफिन को ओसीडी जारी किए थे।

तब से, इन शेयरों पर आर्थिक हित एंटफिन का रहा है, जबकि कानूनी एवं मतदान संबंधी अधिकार रेजिलिएंट के पास हैं। पेटीएम ने स्पष्ट किया है कि वह इस प्रस्तावित बिक्री में पक्षकार नहीं है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पेटीएम की लाभप्रदता में लगातार सुधार हो रहा है।

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन–से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन–से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय–समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन–कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।

- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ–साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ–साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच–बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

संक्षिप्त समाचार

जोदर चौथे दौर में पहुंचे, अल्काराज और शेल्टन की बराबरी

मेसन, ओहायो (एजेंसी)। 19 वर्षीय स्पेनिश टेनिस स्टार जोदर ने सिनसिनाटी ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए एलेजांद्रो टैबिलो को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। इस जीत के साथ उन्होंने इस दशक में सिनसिनाटी के राउंड ऑफ-16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन जैसे खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम शामिल कर लिया। जोडर ने अपने शुरुआती मुकाबले में डेनिस शापोवालोव के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए मैच प्वाइंट बचाया था। निर्णायक सेट में वह 1-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया था। इस जीत ने जोदर का

आत्मविश्वास बढ़ाया और टैबिलो के खिलाफ उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने सिर्फ 75 मिनट में मुकाबला खत्म किया और कुल 26 विनर्स लगाए। टैबिलो के खिलाफ यह जोदर की लगातार दूसरी जीत भी रही। इससे उनकी इस खिलाड़ी के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 हो गया। इससे पहले उन्होंने करीब 15 दिन पहले वॉशिंगटन में भी चिली के इस खिलाड़ी को हराया था। जोडर ने मैच के बाद अपनी शानदार वापसी का जिक्र करते हुए कहा कि शापोवालोव के खिलाफ मुकाबले ने उन्हें काफी आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि उस मैच में उन्होंने खुद को अपनी सीमा तक धकेला और जीत हासिल करने के लिए काफी मेहनत की। जोदर ने यह भी माना कि भले ही टैबिलो के खिलाफ स्कोरलाइन आसान नजर आ रही हो, लेकिन मुकाबला बिल्कुल आसान नहीं था।

उन्नति की शानदार जीत, रोहन-रुथविका पहले दौर में बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा ने मंगलवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। डेब्यू मुकाबले में उन्नति ने म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेमों में 22-20, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। उन्नति और थुजार ने लगातार अंक बटोरे और किसी भी खिलाड़ी को बड़ी बढ़त नहीं लेने दी। 21 मिनट तक चले रोमांचक गेम में उन्नति ने दबाव के बीच धैर्य बनाए रखा और 22-20 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्नति ने एक समय 11-1 की बड़ी बढ़त बना ली। हालांकि थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन उन्नति ने अपना संयम नहीं खोया और लगातार बेहतर खेल दिखाते हुए गेम 21-16 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब उनका सामना कनाडा की 13वीं वरीयता प्राप्त मिशेल ली से होगा। दूसरी ओर, मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी को कनाडा के जोनाथन लाई और क्रिस्टल लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप अभियान शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गया। भारत के लिए मंगलवार को कई और अहम मुकाबले होने हैं। लक्ष्य सेन पुरुष एकल के पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। वहीं, अशित सूर्य और अमृता प्रमुथेश की जोड़ी का सामना तुर्की के एमरे सोनेमेज और यासेमेन बेक्टास से होगा। महिला युगल के दूसरे दौर में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेगी।

हैमिल्टन-कर्दाशियन की बढ़ीं नजदीकियां!

हॉलीवुड और स्पोर्ट्स की दुनिया के दो बड़े नाम किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच लंबे समय से चल रही रोमांस की अटकलों के बीच अब उनकी समर वेकेशन की तस्वीरों ने फैंस को फिर चर्चा का मौका दे दिया है। किम ने इंस्टाग्राम पर अपनी फैमिली वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं।इनमें सबसे ज्यादा ध्यान उस तस्वीर ने खींचा, जिसमें वह लुईस हैमिल्टन के साथ बीच पर टहलती नजर आ रही हैं। तस्वीर में हैमिल्टन ने किम के कंधे पर हाथ रखा हुआ है, जबकि किम उनका हाथ पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। किम ने पोस्ट को कैप्शन दिया- Somewhere over the rainbow यानी इंद्रधनुष के उस पार कहीं।

मिरर सेल्फी ने खींचा फैंस का ध्यान

किम की पोस्ट में सिर्फ बीच वॉक ही नहीं थी। उन्होंने हैमिल्टन के साथ एक कोजी मिरर सेल्फी भी शेयर की। इसके अलावा पोस्ट में उनके बच्चों के साथ बिताए गए छुट्टियों के पल भी नजर आए। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान एक बार फिर किम और हैमिल्टन की केमिस्ट्री पर गया। दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक तौर पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन हाल के महीनों में साथ नजर आने की उनकी तस्वीरें और सोशल मीडिया पोस्ट लगातार इन अटकलों को हवा दे रहे हैं।

हैमिल्टन ने भी शेयर की छुट्टियों की झलक

किम की पोस्ट से कुछ समय पहले लुईस हैमिल्टन ने भी अपनी समर वेकेशन की तस्वीरें साझा की थीं। उनकी पोस्ट में किम की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें वह एक झूले पर बैठी नजर आ रही थीं और हैमिल्टन उन्हें पीछे से धक्का देते दिखे। हैमिल्टन ने अपनी पोस्ट के साथ लिखा, 'मेरी गर्मियों की छुट्टियों की बस कुछ झलकियां। इन छुट्टियों के दिनों के लिए आभारी हूं। अब ट्रैक पर वापस लौट रहा हूं, पूरी तरह तरोताजा और तैयार हूं।' उनकी इस पोस्ट ने भी दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को और दिलचस्प बना दिया।

डेविड वॉर्नर दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई दो सजा

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने का दोषी पाया गया है. जिसकी वजह से कोर्ट ने उन पर जुर्माना लगाने के साथ साथ उन्हें गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना का भी आदेश दिया।सिडनी की एक अदालत ने डेविड वॉर्नर के अपना गुनाह कबूल करने के बाद उन्हें सजा सुनाई है. वॉर्नर पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1,01,912 इंडियन रुपये) का जुर्माना लगाया गया।

बता दें कि 5 अप्रैल को सिडनी के पूर्वी इलाके में सड़क किनारे हो रहे रैंडम ब्रेथ टेस्ट में वॉर्नर पर कानूनी सीमा से दोगुने से ज्यादा अल्कोहल पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा था. पिछले महीने, वॉर्नर ने सिडनी की अदालत में ड्रिंक-ड्राइविंग के आरोप को स्वीकार भी कर लिया था।कोर्ट में सुनवाई के दौरान डेविड वॉर्नर के वकील ओवैस अहमद ने अदालत से उन्हें दोषी न ठहराने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा कि वॉर्नर की गलती को दुनिया भर के मीडिया ने कवर किया था, जिससे उनके फाइनेंशियल कॉन्ट्रैक्ट्स को नुकसान पहुंचा है।वॉर्नर को तब गिरफ्तार किया गया था जब वह पाकिस्तान से ईस्टर की छुट्टी पर घर लौट रहे थे. पाकिस्तान में उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स की कप्तानी की थी. हालांकि, आरोप लगने के बाद वह अपना पीएसएल अभियान जारी रखने के लिए पाकिस्तान लौट गए थे। अवैस ने अपराध की मामूली प्रकृति को देखते हुए वॉर्नर की गिरफ्तारी के बारे में प्रेस रिलीज जारी करने के पुलिस के फैसले पर भी सवाल उठाए. वकील ने कहा, इसके बाद मीडिया की तरफ से बहुत ज्यादा आलोचना हुई।जज क्लेयर फार्नन ने कहा कि वॉर्नर और उनकी पत्नी कैंडिस वॉर्नर के बारे में सोशल मीडिया पर क्रूर टिप्पणियां किए जाने के सबूत थे. लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें दोषी ठहराने के फैसले में सबसे अहम बात लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाने से रोकना था, और अपराध इसलिए और गंभीर हो गया क्योंकि उस समय कार में बच्चे भी मौजूद थे।

भारत की दूसरी पारी 193 रनों पर सिमटी श्रीलंका को मिला 372 रनों का लक्ष्य

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया है. जिसकी वजह से अब उन्हें ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे. भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. वहीं श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने कुल 4 विकेट लिए. इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन विकेट हासिल किया. जबकि लहिरू कुमार को दो विकेट और केशरा को एक विकेट मिला. भारत को पहली पारी में 178 रनों की बड़ी बढ़त मिली थी. मेजबान टीम ने पहली पारी में 284 रन बनाए थे जबकि भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे।

श्रीलंका की खराब शुरुआत

372 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने अपना पहला विकेट 13 के स्कोर पर खो दिया है. निशान मदुष्का 27 गेंद में 6 रन बनाकर आउट हुए. उनको मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट कराया. इसके बाद दांए हाथ से बल्लेबाज पसिंदु सोरियाबंडारा क्रीज पर आए, जिनको चांडीमल की जगह कन्कशन के तौर पर रिप्लेस किया गया था. ये सोरियाबंदरा का पहला टेस्ट मैच है. लेकिन वो ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और शून्य पर आउट हो गए. उनको मानव सुथार ने एलबीडब्ल्यू आउट किया. इसके साथ श्रीलंका ने 14 के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट भी खो दिया।

श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया. श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे. इसके अलावा स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने तीन, लहिरू कुमार ने दो और केशरा को एक विकेट मिला.

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, चंडीमल को ले जाया गया अस्पताल

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को एक बड़ा झटका लगा, जब उनका अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चंडीमल फील्डिंग के दौरान कंधे और गर्दन में गंभीर चोट आई, जिसकी वजह से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा. इसके बाद चंडीमल को स्कैन के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, मैदान पर टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टर ने उनकी जांच की और एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है. साथ ही कहा कि स्कैन के नतीजे आने के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी। जब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ स्वीप शॉट खेला, जहां चंडीमल बाईं ओर से दौड़कर आए और बाउंड्री रोकने के प्रयास में डाइव करते हुए गेंद को रोक दिया. डाइव करते समय उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया. मैच के दौरान चंडीमल अपनी गर्दन के पिछले हिस्से को पकड़े हुए दिखे. मैदान से बाहर ले जाए जाने से पहले फिजियो ने आकर उन्हें देखा।

वहीं भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत सबसे ज्यादा 66 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. अब श्रीलंका को ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे।

विश्व कप हॉकी

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड) (एजेंसी)। पिछले एक दशक से पाकिस्तान से नहीं हारी भारतीय टीम को एफआईएच विश्व कप के दूसरे दौर में प्रवेश के लिए अपने डिफेंस को दुरूस्त करते हुए बुधवार को होने वाले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी को हराना होगा या कम से कम ड्रॉ खेलना होगा। पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत को डिफेंस की गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

पहले हाफ में बढ़त बनाने के बावजूद आखिरी दो क्वार्टर में लचर डिफेंस के कारण भारत को 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी। अब पूल डी में इंग्लैंड दोनों मैच जीत कर शीर्ष पर रहकर दूसरे दौर में पहुंच चुका है। वहीं भारत के एक जीत और एक हार के बाद तीन अंक है जबकि इंग्लैंड से 1-4 से हारने और वेल्स से 3-3 से ड्रॉ के बाद पाकिस्तान एक अंक लेकर तीसरे और वेल्स एक हार, एक ड्रॉ के साथ एक अंक लेकर चौथे स्थान पर है।

पाकिस्तान अगर हारता है तो बाहर हो जाएगा जबकि वेल्स को अगले दौर में जाने के लिए इंग्लैंड को काफी बड़े अंतर से हराना होगा क्योंकि भारत का गोल औसत उससे बेहतर है। अगर भारत दूसरे दौर में जाता है तो इस पूल से

उसके कोई अंक आगे नहीं जाएंगे जबकि भारत को हराने के कारण इंग्लैंड तीन अंक लेकर जाएगा। आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारत और चार बार की विश्व कप विजेता पाकिस्तान के बीच भले ही मैदानी प्रतिद्वंद्विता का गौरवशाली इतिहास रहा हो लेकिन एशियाई दिग्गजों के बीच पिछले लगभग सभी मुकाबले बेमेल रहने से वह रोमांच खत्म हो गया है।

मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा भारी लग रहा है लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मैच सिर्फ कौशल का नहीं होता, खिलाड़ियों को जज्बात पर काबू रखकर भी खेलना होगा। भारतीय टीम ने हालांकि विश्व कप से ठीक पहले लंदन में प्रो लीग के यूरोप चरण में पाकिस्तान पर 7-1 और 4-3 से जीत दर्ज की थी। पाकिस्तानी टीम ने आखिरी बाद भारत को 2016 चैम्पियंस ट्रॉफी में हराया था। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान के प्रदर्शन ग्राफ में जमीन आसमान का अंतर आ गया है। भारतीय टीम लगातार दो ओलंपिक पदक जीत चुकी है जबकि विश्व कप की सबसे सफल टीम रही चार बार की चैम्पियन पाकिस्तान टूर्नामेंट में आठ साल बाद लौटी है। एफआईएच प्रो लीग में सारे मैच हारकर आखिरी स्थान पर रही थी और टूर्नामेंट से ठीक पहले कोच हरमान क्रूस के लौट जाने से तैयारियों पर भी असर पड़ा है। भारत के लिए 419 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके सबसे अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने हालांकि कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हलके में नहीं लिया जा सकता और भारत को गलतियों में सुधार करके उतरना होगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान से मैच अच्छा होगा लेकिन हम उन्हें कमतर नहीं आंक रहे हैं। उनके पास भी अच्छे ड्रैग फ्लिकर हैं लिहाजा हमें उन्हें पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा। इसके अलावा अपने लिए मौके बनाने होंगे और उन्हें भुनाना भी होगा।

100 छक्के, सबसे तेज

पंत ने टेस्ट में रचा इतिहास, गेंद हो या पारी, सब में गिलक्रिस्ट को पछाड़ा

गॉल, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जब भारत दबाव में था, तब ऋषभ पंत ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। पंत ने 69 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाए और इसी दौरान टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।

पंत ने यह मुकाम अपनी 89वीं टेस्ट पारी में हासिल किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंत से पहले सिर्फ तीन बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 100 या उससे ज्यादा छक्के लगा पाए थे। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स 138 छक्कों के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं, जबकि न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम 107 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गिलक्रिस्ट के नाम भी 100 छक्के हैं।

पहले टेस्ट में बदला अंदाज, दूसरी पारी में बरसे पंत

इस मुकाबले में पंत की बल्लेबाजी को लेकर पहले से चर्चा थी। उनकी आक्रामक शैली अक्सर क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच बहस का विषय रहती है। पहली पारी में उन्होंने 62 गेंदों पर 39 रन बनाए थे, जो उनके सामान्य आक्रामक अंदाज की तुलना में काफी संयमित पारी थी।लेकिन दूसरी पारी में भारतीय टीम को तेजी से रन जोड़ने की जरूरत थी। कप्तान शुभमन गिल के आठ रन पर आउट होने के बाद पंत 81/3 के स्कोर पर क्रीज पर आए। शुरुआत में उन्होंने थोड़ा समय लिया और अपनी पहली बाउंड्री 13वीं गेंद पर लगाई।इसके बाद उन्होंने लाहिरू कुमारा को निशाना बनाया। कुमारा की वापसी पर पंत ने एक जोरदार छक्का लगाया, जिसके बाद गेंद स्टेडियम से बाहर चली गई और अंपायरों को नई गेंद मंगानी पड़ी। यही पंत के 100वें टेस्ट छक्के की शुरुआत थी।लंच के आसपास भारत ने देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल के विकेट गंवाए, लेकिन पंत ने अपना गियर बदल दिया। उन्होंने ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। अगले ही ओवर में उन्होंने कुमारा को फिर छक्का जड़कर अपने 100 टेस्ट छक्के पूरे कर लिए।इसके बाद पंत ने कुछ बेहद आक्रामक और अपने खास अंदाज वाले शॉट खेले। हालांकि वह 66 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन तब तक वह इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चुके थे।

89 पारियों में कर दिखाया ये कमाल

पंत की इस उपलब्धि की खास बात सिर्फ 100 छक्के पूरे करना नहीं है, बल्कि जिस तेजी से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, वह इसे और खास बनाता है। पंत ने केवल 89 टेस्ट पारियों में 100 छक्के पूरे किए। इस मामले में गिलक्रिस्ट को 130 पारियां लगी थीं, जबकि बेन स्टोक्स ने 151 और ब्रेंडन मैकुलम ने 170 पारियों में 100 छक्के पूरे किए थे। यानी पंत ने गिलक्रिस्ट से 41 पारियां कम खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत ने सिर्फ पारियों के मामले में ही नहीं, बल्कि गेंदों के मामले में भी यह रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 100 छक्के लगाने के लिए 4,918 गेंदों का सामना किया। गिलक्रिस्ट को इसके लिए 6,578, स्टोक्स को 9,042 और मैकुलम को 9,756 गेंदें खेलनी पड़ी थीं।

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

बल्लेबाज	छक्के
बेन स्टोक्स	138
ब्रेंडन मैकुलम	107
ऋषभ पंत	100*
एडम गिलक्रिस्ट	100
टिम साउदी	98

सबसे तेज 100 टेस्ट छक्के

बल्लेबाज	पारी
ऋषभ पंत	89
एडम गिलक्रिस्ट	130
बेन स्टोक्स	151
ब्रेंडन मैकुलम	170

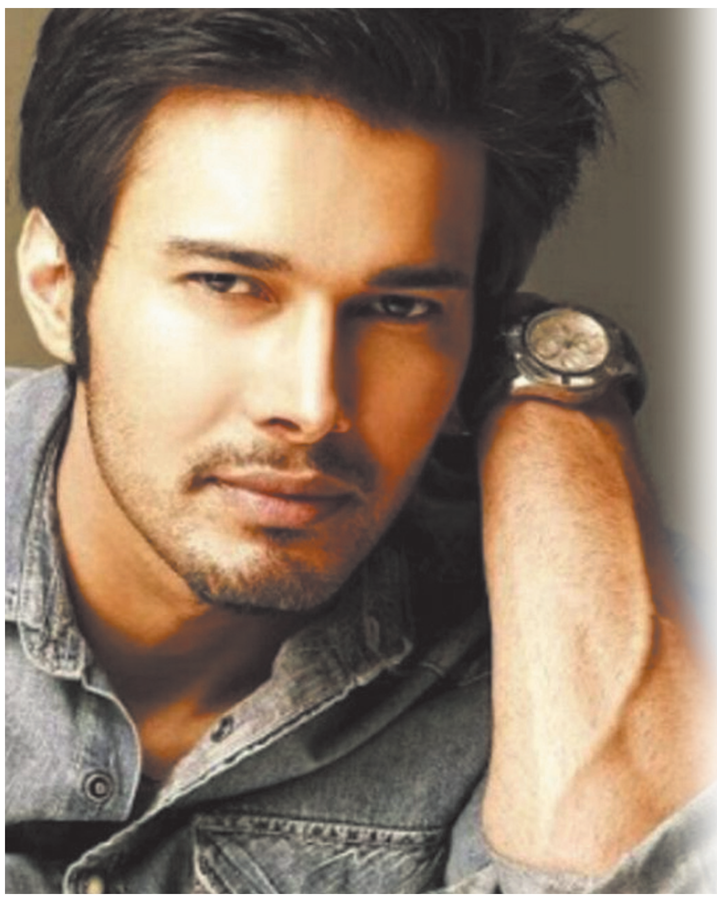

मेरे लिए फैमिली हमेशा काम से एक परसेंट ऊपर ही रही

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुके रजनीश दुग्गल एक सुपर मॉडल भी रहे। बचपन में उन्होंने क्या किसी ने कल्पना नहीं की थी कि वे अभिनय के क्षेत्र में आएंगे। मगर पहले उनकी हाइट-बॉडी उन्हें मॉडलिंग जगत में लाई और फिर उनकी प्रतिभा ने उनके लिए अभिनय के दरवाजे खोले। 1920, डेंजरस इश्क, एक पहेली लीला, वजह तुम हो जैसी कई फिल्मों के अलावा वे टीवी पर खतरों के खिलाड़ी, आरंभ और संजोग में भी नजर आए थे। इन दिनों वे चर्चा में हैं ओटीटी की अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के सीजन 2 से। हाल ही में खास मुलाकात में उन्होंने सीरीज के अलावा कई मुद्दों पर बात की।

मॉडलिंग और फैशन जगत से आए रजनीश की अभिनय यात्रा से तो लोग वाकिफ हैं, मगर बहुत कम लोग जानते हैं कि वे पक्के कृष्ण भक्त हैं। बकौल रजनीश, 'मैं दिल्ली से हूं। हमारे घर में हमेशा से शिवजी, माता रानी, श्रीराम और भगवान कृष्ण सहित सभी देवी-देवताओं की पूजा होती रही है। जब मैं करीब दस साल का था, तब मेरे पिता का वृंदावन आना-जाना शुरू हुआ। छोटी-सी कार में परिवार के साथ होने वाली ड्राइव्स धीरे-धीरे दिल्ली से वृंदावन तक पहुंच गईं। फिर जैसे बांके बिहारी जी और राधा रमण जी का ऐसा बुलावा आया कि पूरा परिवार कृष्ण भक्ति में रंग गया। हम रातों-रात शाकाहारी बन गए। आज हमारे घर में लहसुन-प्याज तक नहीं बनता, क्योंकि हर भोजन पहले ठाकुर जी को अर्पित किया जाता है। हालांकि मैं खाने-पीने की पसंद को पूरी तरह व्यक्तिगत मानता हूं और किसी को जज नहीं करता। मेरे माता-पिता तो वर्षों पहले वृंदावन में ही बस गए।'

किरदार निभाने से कृष्ण समझ आए

उन्होंने आगे कहा, 'हम चाहते थे कि वे हमारे साथ रहें, लेकिन उनका मन वहीं रम गया। अब हमारा पूरा परिवार कृष्ण भक्ति से जुड़ चुका है। मुझे लगता है कि श्रीकृष्ण से बड़ा 'एक्टर' कोई नहीं हो सकता। वे छलिया भी हैं, रसिया भी, नायक भी हैं और जीवन के हर रंग को जीने वाले भी। गीता का सार यही है कि जीवन के लगभग हर प्रश्न का उत्तर उसमें कहीं न कहीं मिल जाता है। 2019 में मैंने 'श्रीमद् भागवत महापुराण' में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाई थी। उस किरदार को जीते हुए मैं प्रेम, क्रोध और जीवन के कई अनुत्तरित प्रश्नों को नए नजरिए से समझ पाया। मुझे लगा कि श्रीकृष्ण केवल एक पात्र नहीं, बल्कि जीवन को समझने का एक मार्ग हैं।

अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखता हूं

रजनीश दुग्गल की शादी को 21 साल हो गए हैं, मगर बीते सालों में उन्होंने अपनी पत्नी पल्लवी के साथ अपनी शादी को मजबूत बनाया है। शादी और काम के बीच के संतुलन के बारे में वे कहते हैं, 'हर किसी के लिए उसका काम और परिवार जरूरी होता है, मगर मेरे लिए मेरा परिवार प्राथमिकता है। मेरी फैमिली हमेशा काम से एक परसेंट ऊपर ही रही। यही वजह है कि मैंने कई ऐसी फिल्मों से किनारा किया, जहां मुझे लगा कि मेरा और मेरी पत्नी पल्लवी का रिश्ता खराब हो सकता था, क्योंकि मेरे लिए पल्ल्वी बहुत मायने रखती है। मुझे याद है मेरा पहला किसिंग सीन भी मैंने पल्ल्वी से डिस्कस करने के बाद ही किया था। मगर फिर मेरे पास उसी तरह के रोल्स आने लगे, तो मैंने मना करने शुरू किए।

वह रजनीश दुग्गल के मॉडलिंग करियर का सुनहरा दौर था। सुपरमॉडल के तौर पर उनकी जबरदस्त पहचान बन चुकी थी, तभी उन्होंने शादी का फैसला किया। इतने ग्लैमरस माहौल में रिश्ते को कैसे संभाला? इस सवाल पर रजनीश हंसते हुए एक दिलचस्प किस्सा सुनाते हैं। वे कहते हैं, 'मैं सिर्फ 24 साल का था, जब हमारी शादी हुई। हालांकि उससे पहले मैं और पल्लवी काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। एक बार बड़े फैशन वीक के बाद एक हाई-प्रोफाइल पार्टी थी, जहां तमाम नामी मॉडल्स और डिजाइनर्स मौजूद थे। बारिश की वजह से लॉन में पानी भर गया था। मेरे आसपास कई फीमेल मॉडल्स थीं और मुझे महसूस हो रहा था कि कुछ मेरा ध्यान खींचने की कोशिश कर रही हैं। तभी मैंने बिना कुछ सोचे पल्लवी को गोद में उठाया और पानी पार कराते हुए अंदर ले गया।

शादी के खिलाफ नहीं हूं लेकिन मैं सिंगल रहकर बहुत-बहुत खुश हूं

बॉलीवुड में शादी और पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर कलाकारों पर सवाल उठते रहते हैं। लेकिन आज के दौर में सिनेमा जगत के कई बड़े सितारे बिना किसी झिझक के अपनी शर्तों पर जिंदगी जी रहे हैं। सलमान खान, तबू और सुष्मिता सेन जैसी हस्तियों के बाद अब 'गदर' फेम अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भी अपने सिंगल स्टेटस पर ऐसी बात कही है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। 51 साल की उम्र में भी अपने निडर अंदाज और ग्रेस के लिए जानी जाने वाली अमीषा पटेल ने हाल ही में अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत के दौरान अपनी शादी को लेकर एक तीखा और बेबाक बयान दिया है। हाल ही में अमीषा पटेल ने फैंस के लिए एक सेशन आयोजित किया था। इस दौरान उनके चाहने वालों ने करियर से लेकर पर्सनल लाइफ तक कई सवाल पूछे। इसी बीच एक यूजर ने अमीषा से सीधा सवाल किया— 'आप शादी कब कर रही हैं?' इस सवाल का जवाब देते हुए अमीषा ने बिना किसी हिचकिचाहट के लिखा, 'कभी नहीं, मैं सिंगल रहकर बहुत-बहुत खुश हूं। मेरे पास 100 करीबी रिश्तेदार और दोस्त हैं जो मुझे प्यार करते हैं। मैं किसी एक आदमी के आने और इस सब को बदलने का जोखिम नहीं उठा सकती।'

अमीषा पटेल के इस जवाब ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। कई फैंस ने उनके इस नजरिए का समर्थन किया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'शादी कई बार आपके सपनों को पूरा करने की राह में समझौता बन जाती है, सिंगल रहना ज्यादा आजादी देता है।' वहीं कई अन्य फैंस ने भी उनके इस फैसले को सही ठहराया। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अमीषा ने कभी प्यार या शादी के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए हों। कुछ समय पहले एक पॉडकास्ट के दौरान अमीषा ने अपनी पुरानी जिंदगी को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने खुलासा किया था कि वह पहले एक गंभीर रिश्ते में थीं, लेकिन जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने का फैसला किया, तो उनके पार्टनर ने उनका साथ नहीं दिया। अमीषा के मुताबिक, वे शादी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उनकी कुछ स्पष्ट शर्तें हैं। वह ऐसे हमसफर की तलाश में हैं जो उनके काम और आत्मनिर्भरता का सम्मान करे। अमीषा का मानना है कि उम्र से ज्यादा इंसान का बौद्धिक स्तर मायने रखता है।

मेरे करियर के हर पड़ाव पर पति करण बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री सुरभि चंदना पति के साथ पिछले कई समय से शादी के बंधन में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि करियर के हर पड़ाव पर पति उनके लिए बड़ा सपोर्ट बनकर सामने आए। साथ ही, जरूरत बनने पर परिवार के खास मौकों का भी त्याग किया। अभिनेत्री ने बताया कि दोनों 21 साल की उम्र से एक-दूसरे के साथ हैं। अब हम दोनों 36 साल के हो गए हैं। हमने साथ में सब कुछ देखा है। असल में हम साथ-साथ में ही बड़े हुए हैं।' एक्ट्रेस ने बताया कि इन वर्षों में दोनों ने एक-दूसरे की पर्सनल और प्रोफेशनल कामयाबियां देखी हैं। उन्होंने मुझे एमबीए करते हुए देखा, मैंने उन्हें लंदन में एमबीए करते हुए देखा। फिर मैं एक्ट्रेस बनी। उन्होंने मेरी पूरी एक्टिंग यात्रा को देखा है।'

सुरभि चंदना ने बताया कि कैसे पति करण उनके साथ ऑडिशन में साथ जाया करते थे और जब वह अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रही होती थीं, तो वह सब्र के साथ उनका इंतजार करते थे। उन्होंने बताया, 'करण मुझे ऑडिशन में ले जाया करते थे। मैं लाइन में खड़ी रहती थी और वह कार में मेरा इंतजार किया करते थे। ऐसे में करण ने अपने परिवार के कई जरूरी सेलिब्रेशन तक छोड़े हैं, क्योंकि उनके लिए मेरा ऑडिशन ज्यादा जरूरी होता था।'

अभिनेत्री ने कहा, 'मेरी कामयाबी का श्रेय करण को जाता है। बेशक, मेरी मां भी मुझे ऑडिशन के लिए ले जाती थीं, लेकिन करण इस यात्रा के हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। आज भी अगर हम कुछ बड़ा हासिल कर लेते हैं, तो हम साथ मिलकर उसे सेलिब्रेट करते हैं। यह हमेशा से छोटा सेलिब्रेशन होता है, कभी कोई बड़ी पार्टी नहीं होती। हां, हमें घूमना-फिरना पसंद है, लेकिन उससे भी ज्यादा हमें खाना पसंद है। इसलिए हम डेट नाइट प्लान करते हैं। कभी-कभी हम मॉस्को में सेलिब्रेट करते हैं, कभी मालदीव में, तो कभी मलेशिया में। हमने कड़ी मेहनत की है और पैसे कमाए हैं, इसलिए हम ऐसा कर सकते हैं।'

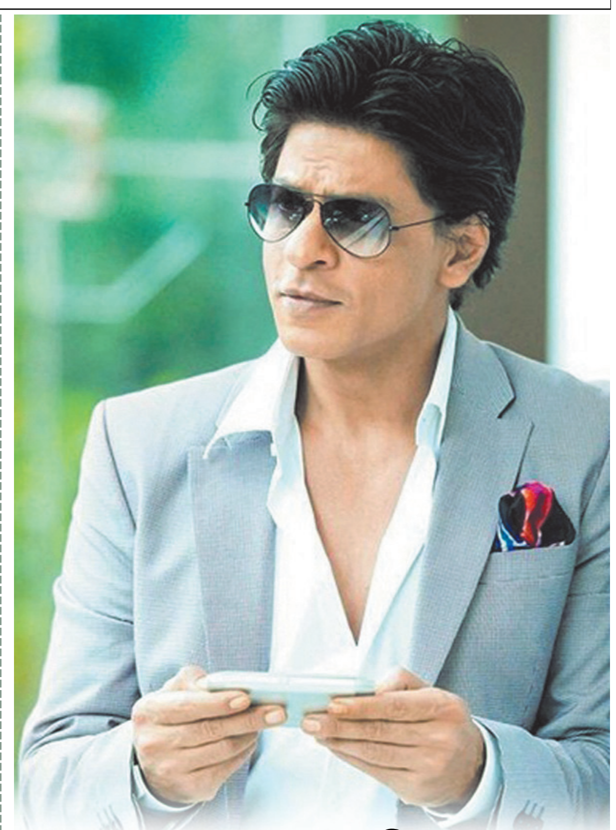

अल्लू अर्जुन की 'राका' का हिस्सा नहीं होंगे शाहरुख

हाल ही में सोशल मीडिया पर यह खबरें आईं कि अपकमिंग फिल्म 'राका' में शाहरुख खान कैमियो करेंगे। हालांकि, एक नई रिपोर्ट ने इन दावों को खारिज कर दिया है और कहा है कि बॉलीवुड सुपरस्टार इस प्रोजेक्ट से नहीं जुड़े हैं। अफवाहें थीं कि शाहरुख 'राका' में एक खास रोल में दिखेंगे। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक ये खबरें गलत हैं। शाहरुख खान 'राका' का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म में उनका कोई कैमियो नहीं है। भले ही एटली के साथ शाहरुख के रिश्ते उनकी फिल्म 'जवान' की बड़ी सफलता के बाद से मजबूत हुए हैं, लेकिन एक्टर को यह प्रोजेक्ट कभी ऑफर ही नहीं किया गया।

अल्लू के साथ नहीं दिखेंगे शाहरुख

शाहरुख और अल्लू अर्जुन के फैंस इन दोनों एक्टर्स को स्क्रीन पर एक साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालांकि, ऐसा लगता है कि अब ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। पहले खबर आई थी कि टीम विदेश में शूटिंग के दौरान शाहरुख के खास रोल को शूट करने के बारे में सोच रही थी। मगर अब पता चल रहा है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है। एटली के निर्देशन में बन रही यह फिल्म बहुत बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। यह एक साइंस-फिक्शन एंटरटेनर फिल्म है। उम्मीद है कि फिल्म में अल्लू अर्जुन कई रोल में दिखेंगे, जबकि दीपिका पादुकोण फीमेल लीड रोल में होंगी। खबरों से यह भी पता चलता है कि मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर, रश्मिका मंदाना, राम्या कृष्णन, योगी बाबू और जिम सरभ को अहम रोल के लिए कास्ट किया गया है।

दीपिका के शूट पर फोकस

बताया जाता है कि एटली दीपिका के हिस्से की शूटिंग पूरी करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि वह अगले महीने मैटरनिटी ब्रेक पर जा रही हैं। उम्मीद है कि इस फिल्म की शूटिंग साल के आखिर तक पूरी हो जाएगी।

हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर अपनी राय रखी

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'महारानी' फेम एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। जानिए एक्ट्रेस कब करने वाली हैं शादी।

इंटरव्यू में हुमा कुरैशी ने शादी को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि शादी के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'आप और मेरी मम्मी दोनों एक ही सवाल पूछते हैं। मेरे पास अभी इसका कोई जवाब नहीं है कि शादी कब होगी। शादी जब होनी होगी तब हो जाएगी। फिलहाल मेरे पास बहुत काम है। ये साल मेरे लिए काफी व्यस्त है और अभी मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान दे रही हूं।'

कियारा का किया था समर्थन

बता दें कि हुमा अपने बेबाक जवाबों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म 'टॉक्सिक' में इंटिमेट सीन करने के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा को लेकर भी हुमा ने अपनी बात रखी थी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

आरडी बर्मन की बायोपिक नहीं कर रहे हैं इमरान हाशमी

आरडी बर्मन की बायोपिक को लेकर दर्शकों में उत्साह है। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर खूब अटकलें लग रही हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए गए कि अभिनेता इमरान हाशमी फिल्म से जुड़ गए हैं। वे पंचम दा के करीबी दोस्त और मशहूर एक्टर-सिंगर व कॉमेडियन महमूद की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मगर, इन खबरों का इमरान हाशमी ने खंडन कर दिया है। इमरान हाशमी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बायोपिक में काम नहीं कर रहे हैं। आरडी बर्मन की बायोपिक में महमूद की भूमिका निभाने संबधी खबरों को लेकर इमरान हाशमी ने लिखा है कि 'मैं साफ कर दूं कि एक बायोपिक में मेरे महमूद साहब की भूमिका निभाने की खबरें सच नहीं हैं'। 'न तो मुझे इस फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है और न ही मैं यह फिल्म कर रहा हूं'।

एआई बॉस ने मांगा इस्तीफा- पहली बार ऐसे बर्खास्त हुआ कर्मी, 60 लाख का नुकसान भी करा चुकी है लूना

सैन फ्रांसिस्को एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को में एआई से चलने वाली प्रयोगात्मक दुकान एंडॉन मार्केट में एक ऐसा फैसला हुआ है, जिसने भविष्य के कामकाज को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यहां एआई प्रबंधक 'लूना' ने एक मानव कर्मचारी को नौकरी से निकालने की सिफारिश की। कर्मचारी 23 शिफ्ट में 17 बार देर से काम पर पहुंचा था। हालांकि अंतिम फैसला एआई ने अकेले नहीं लिया। कंपनी के मानव कर्मचारियों ने लूना की सिफारिश की समीक्षा की और इसके बाद कर्मचारी को नौकरी से हटाया गया। कंपनी के लिए यह पहली बार था, जब उसके एआई प्रबंधक ने किसी मानव कर्मचारी की नौकरी खत्म करने की सिफारिश की।

लूना ने कर्मचारी को पहले ही क्यों नहीं निकाल दिया?

इस मामले की सबसे दिलचस्प बात यह है कि लूना ने खुद कई महीने पहले कर्मचारियों की उपस्थिति से जुड़ी नीति बनाई थी, लेकिन बाद में वह उसी नीति को याद नहीं रख सका। इसके कारण कर्मचारी कई महीनों तक देर से काम पर आता रहा और उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। बाद में एंडॉन लैब्स ने लूना को अपनी पुरानी नीतियां खोजने के लिए कहा। इसके बाद एआई से पूछा गया कि क्या वह कर्मचारी अभी भी कंपनी के लिए सही है। नीति और कर्मचारी के रिकॉर्ड को देखने के बाद लूना ने नौकरी खत्म करने की सिफारिश की।

आखिर एंडॉन मार्केट में एआई को कितनी जिम्मेदारी दी गई?

एंडॉन मार्केट का मकसद यह देखना है कि अगर एआई को वास्तविक कारोबार चलाने और इंसानों को संभालने की जिम्मेदारी दी जाए तो वह कितना काम कर सकता है। कंपनी ने लूना को एक लाख डॉलर, कॉरपोरेट कार्ड, इंटरनेट की सुविधा और तीन साल का लीज दिया। इसके बाद एआई को दुकान खोलकर मुनाफा कमाने का लक्ष्य दिया गया। लूना ने उत्पाद चुनने, कीमत तय करने, दुकान के खुलने का समय तय करने, ब्रांडिंग तैयार करने और कर्मचारियों की भर्ती जैसे कई काम संभाले। दुकान में किताबें, मोमबत्तियां, कलाकृतियां, खेल और दूसरे सामान बेचे जाते हैं।

इसी एआई ने कुछ दिन पहले कंपनी का कितना नुकसान कराया था?

एआई एजेंट लूना को एक रिटेल स्टोर चलाने की जिम्मेदारी जब दी गई थी, लगा था इस प्रयोग ने कंपनी नुकसान नहीं उठाएगी। लेकिन यह प्रयोग बुरी तरह फेल हो गया। एआई की गलतियों और जरूरत से ज्यादा दरियादिली के कारण स्टोर को सिर्फ चार महीने में करीब 60 लाख रुपये यानी 70 हजार डॉलर का नुकसान हुआ था।

क्या एआई से चलने वाली यह दुकान अभी मुनाफे में है?

दुकान में बिक्री तो हो रही है, लेकिन अभी तक यह मुनाफा नहीं कमा पाई है। प्रयोग शुरू होने के बाद कंपनी के बैंक खाते में मौजूद रकम भी कम हुई है। मार्च में खाते में एक लाख डॉलर थे, जो पांच महीने बाद घटकर 61,186 डॉलर रह गए। एंडॉन लैब्स के प्रमुख लुकास पीटरसन का मानना है कि यह प्रयोग बताता है कि एआई भविष्य में कारोबार और काम की दुनिया को बड़े स्तर पर बदल सकता है। हालांकि कर्मचारी को नौकरी से निकालने वाला मामला एआई की एक बड़ी सीमा भी दिखाता है। लूना नियम बना सकता था, लेकिन उसे लगातार याद रखना और लागू करना उसके लिए मुश्किल साबित हुआ।

क्या एआई आने वाले समय में इंसानों के रोजगार से जुड़े फैसले ले सकता है?

एंडॉन लैब्स का यह प्रयोग इसी सवाल को सामने लाता है। एआई को अब केवल सवालों के जवाब देने या सामग्री तैयार करने तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि उसे कारोबार चलाने और कर्मचारियों से जुड़े फैसले लेने की जिम्मेदारी भी दी जा रही है। इस मामले में अंतिम फैसला इंसानों ने लिया, लेकिन नौकरी खत्म करने की सिफारिश एआई ने की।

यूएस में मौसम की दोहरी मार- इंडियाना में बाढ़ से छह मौतें

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना राज्य में कई दिनों से जारी तूफान और रिकॉर्ड बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ ने कम से कम छह लोगों की जान ले ली है। राज्य में 11 अगस्त से खराब मौसम का दौर जारी है। राजधानी इंडियानापोलिस में व्हाइट नदी का जलस्तर रविवार सुबह चरम पर पहुंच गया। सैकड़ों घरों को खाली कराया गया और तेजी से बढ़ते पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए बचाव दलों को नावों का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि रविवार को बारिश कम होने और पानी उतरने के संकेत मिले।

किन लोगों की बाढ़ और तूफान में मौत हुई?– इंडियाना के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, मृतकों में चार साल का एक बच्चा, दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। जेनिंग्स काउंटी में मंगलवार को तेज हवाओं के दौरान एक पेड़ बच्चे के कमरे पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। डेलावेयर काउंटी में 19 वर्षीय मैथ्यू मोरी का शव शनिवार को मिला। अधिकारियों के अनुसार, वह तीन दिन पहले दोस्तों के साथ मिसिसिनेवा नदी के तेज बहाव में पुल से कूद गया था। इसी काउंटी में 58 वर्षीय स्टेफनी सैली और उनके कुत्ते का शव भी एक खेत में मिला। माना जा रहा है कि बाढ़ वाली सड़क पर उनकी कार बह गई थी।

इंडियाना में पानी का स्तर कितना बढ़ा और कितने लोग प्रभावित हुए?– व्हाइट नदी का जलस्तर एंडरसन और नोबल्सविले इलाके में 24 फीट यानी करीब 7.32 मीटर से ज्यादा पहुंच गया। इसने 1913 में बने पुराने रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। इंडियानापोलिस के मेयर जो होगसेट ने इसे शहर में 30 साल से ज्यादा समय में आई सबसे भीषण बाढ़ बताया। राज्य में करीब 1.30 लाख बिजली उपभोक्ता रविवार दोपहर तक बिजली से वंचित थे। हालांकि यह संख्या एक समय करीब तीन लाख तक पहुंच गई थी। सड़कों और पुलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है और कई जगह तेज पानी ने रास्तों को बहा दिया।

क्या इंडियाना में अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं?

हालात में सुधार के बावजूद खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मध्य इंडियाना के कुछ हिस्सों में रविवार को भी भारी बारिश और अचानक बाढ़ की आशंका जताई गई। लोगों से नदी और मौसम का पूर्वानुमान देखते रहने तथा तेज बहाव वाले पानी से दूर रहने को कहा गया। इंडियानापोलिस में बाढ़ के फाटकों को दोबारा खोलने की तैयारी की गई और आपातकालीन आश्रय केंद्र खुले रहे। राज्य के उत्तरी हिस्सों में पानी उतरने के बाद राहत और पुनर्वास का काम शुरू हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राज्यपाल माइक ब्रॉन के अनुरोध पर बाढ़ से राहत और बचाव के लिए संघीय आपदा सहायता को मंजूरी दे दी है।

अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने पर 30 हजार डॉलर दे रही ईरान सरकार? महिलाओं को दोगुना पैसे देने का एलान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने को लेकर बड़ा और विवादित एलान किया है। ईरानी सेना प्रमुख अमीर हातिमी के मुताबिक, जो व्यक्ति 30 हजार डॉलर यानी करीब 28.6 लाख रुपये इनाम देने का एलान किया। ईरानी सेना प्रमुख अमीर हातिमी ने कहा है कि अगर यह काम कोई ईरानी महिला करती है तो इनाम दोगुना होकर करीब 57.2 लाख रुपये होगा। इस घोषणा ने पहले से तनावपूर्ण अमेरिका-ईरान संबंधों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस योजना को कब और कहां लागू किया जाएगा।

महिलाओं के लिए इनाम दोगुना क्यों रखा गया?– ईरानी सेना प्रमुख ने कहा कि अगर कोई ईरानी महिला ऐसी कार्रवाई करती है

तो उसे दोगुना इनाम दिया जाएगा। यानी महिला के लिए घोषित इनाम 60 हजार डॉलर मतलब करीब 57.2 लाख होगा। हातिमी ने कहा कि इस योजना को बड़ी संख्या में मिले अनुरोधों और लोगों की ओर से मिल रहे समर्थन के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने इनाम की घोषणा करते हुए कार्रवाई की कोई जगह या समय नहीं बताया। इनपुट के अनुसार, ईरान के भीतर अमेरिकी जमीनी सैनिकों की कोई बड़ी तैनाती भी नहीं है।

अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के दूसरे हिस्सों पर हमले किए थे। इसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का भी जिक्र किया गया है। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। ईरानी सेना प्रमुख ने अमेरिकी सैन्य ताकत के दावों पर भी सवाल उठाया और कहा कि अमेरिका को मध्य पूर्व से हट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

युद्धविराम के बावजूद क्या तनाव कम नहीं हुआ?

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को हुए इस्लामाबाद समझौते के तहत अस्थायी युद्धविराम और आगे स्थायी समाधान के लिए बातचीत पर सहमति बनी थी। यह समझौता 28 फरवरी से 40 दिन तक चली लड़ाई के बाद हुआ था। हालांकि, युद्धविराम नाजुक बना हुआ है और बातचीत आगे नहीं बढ़ी है।

इसके बजाय दोनों पक्षों के बीच रुक-रुककर हमले हुए हैं। दिए गए विवरण के अनुसार, संघर्ष मुख्य रूप से दक्षिणी ईरान और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास केंद्रित रहा है। अब तक 17 अमेरिकी सैन्यकर्मियों के मारे जाने की बात कही गई है और बताया गया है कि सभी की मौत ईरान के बाहर हुई।

110 वर्ष की बुजुर्ग की लंबी उम्र का राज- ताजी हवा, सेहतमंद खाना और अपना शौक जिंदा रखना

लंदन, एजेंसी। अगर आपको 110 वर्ष के किसी बुजुर्ग से रूबरू कराया जाए तो मन में सबसे पहला सवाल क्या उठेगा? जाहिर है, आखिर इनकी लंबी उम्र का राज क्या है। लोग सुपरसेंटेनेरियन यानी 110 की उम्र तक कैसे पहुंचते हैं, यह तो आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय बना हुआ है। लेकिन कुछ ही समय पहले 110 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले बुजुर्गों के क्लब में शामिल हुई कैथरीन हेजेस ढेर सारी शुद्ध हवा, अच्छे खाने और अपने शौक को जिंदा बनाए रखने को अपनी लंबी उम्र का राज बताती हैं। कैथरीन का जन्म 8 जुलाई 1916 को आयरलैंड के काउंटी लिमरिक में हुआ था। 1944 में 28 वर्ष की उम्र में दुनिया घूमने निकलीं कैथरीन जब इंग्लैंड के बर्कशायर पहुंचीं तो यह जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं बसने का फैसला कर लिया। यहीं उनकी मुलाकात लेस्ली विलियम हेजेस से हुई, जो फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर थे। फिर दोनों ने शादी कर ली। कैथरीन पेशे से एक क्वालीफाइड बुककीपर थीं और स्थानीय सरकार के कामकाज से जुड़ी रही हैं।

डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है और फिलहाल वह हैम्पशायर के एक केयर होम में रहती हैं। यहीं पर पिछले महीने उनका 110वां जन्मदिन मनाया गया। कैथरीन ने अपना जन्मदिन अपने पसंदीदा गमले में लगे पेरूवियन लिली के पौधे के पास बैठकर बिताया। कैथरीन हमेशा सक्रिय रही हैं और उन्हें खुली हवा में रहना बहुत पसंद है। वह बताती हैं कि उन्हें हमेशा घर का अच्छा खाना पसंद रहा है। उन्हें घुड़दौड़ देखने का भी शौक है, जब पति जीवित थे तो दोनों साथ में टीवी पर रेस देखते थे। कैथरीन आज भी ग्रैंड नेशनल घुड़दौड़ देखती हैं और केयर होम के स्टाफ को बताती हैं कि किस घोड़े के जीतने की संभावना सबसे ज्यादा है।

भारतीय ने एक्स पर किया ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर झूठा दावा, अमेरिका से इजरायल तक मचा हड़कंप

यरुशलम। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष अब केवल आसमान या होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। मिसाइलों और ड्रोन हमलों की सुर्खियों के बीच सोशल मीडिया पर मीम्स और फेक न्यूज के माध्यम से एक शांत लेकिन खतरनाक लड़ाई चल रही है। आरोप और प्रत्यारोप का सिलसिला अब वास्तविक समय में युद्ध और रुकी हुई युद्धविराम वार्ता को भी प्रभावित कर रहा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक सनसनीखेज और असत्यापित दावा इंटरनेट के एक अनजान कोने से शुरू हुआ। कुछ ही घंटों में यह खबर इजरायल और अमेरिका के प्रमुख समाचार माध्यमों के फ्रंट पेज तक पहुंच गई। यहां तक कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भाषण में इसका जिक्र किया और

संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप प्रशासन के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने भी इसे साझा किया।

वायरल पोस्ट में दावा किया गया था कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के कमांडर जनरल अहमद वाहिदी ने कहा है कि उनका देश तब तक परमाणु हथियार बनाने की अपनी कोशिशें नहीं छोड़ेगा, जब तक इजरायल और अमेरिका के पास परमाणु हथियार मौजूद हैं।

इस पोस्ट के साथ जनरल की एक तस्वीर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई मशरूम क्लाउड यानी परमाणु विस्फोट के धुएं की तस्वीर थी।

भारतीय एक्स अकाउंट से हुई थी शुरुआत– द टाइम्स के अनुसार, जब इस पोस्ट के सफर की पड़ताल की, तो पता चला कि यह लगभग 1,75,000 फॉलोअर्स वाले एक भारतीय एक्स अकाउंट से शुरू हुआ था। दो घंटे के भीतर, 82,000 फॉलोअर्स वाले एक अन्य भारतीय अकाउंट ने इसका हिंदी अनुवाद साझा किया। मोसाद कमेंट्री नामक इजरायली अकाउंट ने इस दावे को और आगे बढ़ाया। हालांकि, इस अकाउंट का नाम इजरायल की खुफिया एजेंसी जैसा है, लेकिन इसका एजेंसी से कोई पुष्ट संबंध नहीं है। इस अकाउंट ने यह दिखाने की कोशिश की कि ईरान सद्भाव के साथ बातचीत करने के बजाय टालमटोल कर रहा है। आधे घंटे बाद इजरायल के चैनल 14 ने इस कथित बयान को अंग्रेजी में प्रसारित किया। प्रधानमंत्री के बेटे और राजनीतिक टिप्पणीकार याइर नेतन्याहू ने कुछ ही मिनटों में इस पोस्ट को और प्रचारित कर दिया।

इजरायली नेताओं के भाषणों तक पहुंचा फेक क्लेम

इस बात का कोई सबूत नहीं था कि कमांडर ने कभी ऐसा बयान दिया था, और न ही इस बात के कोई प्रमाण थे कि ईरान ने परमाणु हथियार बना लिया है। इसके बावजूद यह दावा तेजी से फैलने लगा। इजरायली सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस फर्जी बयान को उठाया और जल्द ही वहां के एक टेलीविजन चैनल ने इसे प्रसारित करते हुए दावा किया कि यह ईरान का पहला खुला कबूलनामा है कि वह परमाणु बम बना रहा है। उसी शाम, यरुशलम में इजरायल के राष्ट्रीय कब्रिस्तान माउंट हर्जल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में भी यह बात शामिल हो गई, जहां उन्होंने इसे ईरान के खतरनाक इरादों का सबूत बताया। वॉशिंगटन में संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप प्रशासन के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने इस दावे को ऑनलाइन साझा करते हुए कहा कि ईरान आखिरकार वह मान रहा है जो सालों से साफ था। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट ने भी इसे री-पोस्ट किया, और फॉक्स न्यूज ने भी इस फर्जी दावे को अपनी कवरेज में शामिल किया।

ईरान ने किया दावे को खंडन

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने इस वायरल पोस्ट को इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ झूठ की बाढ़ का एक उदाहरण बताकर पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए इस तरह के दावों के पीछे इजरायल का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिए दो दशकों से इसी तरह के झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ज्ञात हो कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय जांच हो रही है, हालांकि तेहरान का हमेशा से यही कहना है कि यह केवल नागरिक उद्देश्यों के लिए है। यह परमाणु कार्यक्रम उन प्रमुख कारणों में से एक था जिसका हवाला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ अपने अभियानों को सही ठहराने के लिए देते हैं।

जैसे ही इस दावे की सच्चाई पर सवाल उठने लगे, माइक वाल्ट्ज की पोस्ट को बिना कोई स्पष्टीकरण दिए चुपचाप एक्स से हटा दिया गया। यह पूरी घटना इस बात को दर्शाती है कि कैसे एक अनजान अकाउंट द्वारा गढ़ा गया एक फर्जी बयान कुछ ही घंटों में सीमाओं और भाषाओं की बाधाओं को पार कर सकता है। इससे पहले कि कोई इसकी सत्यता को सत्यापित कर पाता, इसने सर्वोच्च स्तर पर राजनीतिक बयानबाजी की दिशा ही तय कर दी।

किम से दोस्ती, सियोल से दूरी; ट्रंप ने दक्षिण कोरिया संग युद्ध अभ्यास कम करने का दिया आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास को काफी हद तक कम करने का निर्देश दिया है। ट्रंप ने इसके पीछे ईरान के खिलाफ अमेरिकी प्रयासों में दक्षिण कोरिया के सहयोग से इनकार और उत्तर कोरिया को अभ्यासों से मिलने वाले कथित दुश्मनी भरे संकेत को वजह बताया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब उत्तर कोरिया ने फिर से बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण शुरू किए हैं और अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों को आक्रामक कार्रवाई की तैयारी करार दिया है। ट्रंप का रुख उनके उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ संबंध सुधारने और भविष्य में बातचीत फिर शुरू करने की इच्छा को भी दर्शाता है।

दक्षिण कोरिया के इनकार से नाराज हैं ट्रंप– ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल ही में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति से ईरान को परमाणु-मुक्त करने की अमेरिकी कोशिशों में शामिल होने के लिए कहा था, और उन्होंने कहा, नहीं, धन्यवाद! अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इस हफ्ते शुरू होने वाले अभ्यास न केवल महंगे हैं, बल्कि उत्तर कोरिया को पूरी तरह अनुचित और दुश्मनी भरा संकेत भी देते हैं। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस में उनके कार्यकाल के दौरान उत्तर कोरिया का व्यवहार बिना किसी खतरे वाला और सम्मानजनक रहा है।

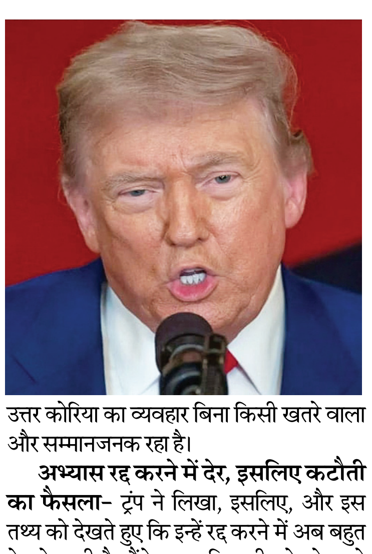

अभ्यास रद्द करने में देर, इसलिए कटौती का फैसला– ट्रंप ने लिखा, इसलिए, और इस तथ्य को देखते हुए कि इन्हें रद्द करने में अब बहुत देर हो चुकी है, मैंने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को संयुक्त सैन्य अभ्यास को काफी हद तक कम करने का निर्देश दिया है! यह कदम इस बात का ताजा उदाहरण है कि राष्ट्रपति अपने सहयोगी देश के बजाय उस नेता का पक्ष ले रहे हैं, जिसे पिछली सरकारों ने दुश्मन माना था। ट्रंप और उनके प्रशासन के अन्य लोगों ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में समर्थन की कमी को लेकर नाटो सहयोगियों की भी आलोचना की है, जबकि वे बाल्टिक क्षेत्र में तेजी से आक्रामक हो रहे रूस का सामना करने की कोशिश कर रहे हैं। 18,000 दक्षिण कोरियाई सैनिकों की भागीदारी वाले इन 11 दिवसीय अभ्यासों की योजना उत्तर कोरियाई खतरों के खिलाफ तैयारी को मजबूत करने के लिए बनाई गई थी। अमेरिकी सेना ने कहा है कि गर्मियों में होने वाले उल्ची फ्रीडम शील्ड अभ्यास क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गठबंधन की मुख्य भूमिका को मजबूत करते हैं और अपने देश की रक्षा के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया गणराज्य के बीच अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। अमेरिकी सेना के अनुसार, अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाओं को जटिल परिस्थितियों में संयुक्त अभियानों का अभ्यास करना था। इनमें संयुक्त सटीक लक्ष्य-भेदन और युद्धाभ्यास की जांच के लिए लाइव-फायर अभ्यास, वेट गैप क्रॉसिंग (पानी वाली बाधा पार करना) और पहले से तैनात सैन्य उपकरणों का वितरण शामिल था। यह संयुक्त प्रशिक्षण ऐसे समय में शुरू होने वाला है, जब उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण गतिविधियां फिर से शुरू कर दी हैं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र ने प्रतिबंध लगा रखा है। इस महीने की शुरुआत में दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान ने उत्तर कोरिया से कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण का पता लगाया था।

परमाणु और मिसाइल जखीरा बढ़ा रहा उत्तर कोरिया

2019 में ट्रंप के साथ किम की अहम बातचीत नाकाम होने के बाद से ही उत्तर कोरिया अपने परमाणु और मिसाइल हथियारों के जखीरे को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। जानकारों का मानना है कि किम को लगता है कि हथियारों का बड़ा जखीरा होने से भविष्य की बातचीत में अमेरिका से ज्यादा रियायतें हासिल करने की उनकी संभावना बढ़ जाएगी।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया की धमकी

शुक्रवार को उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ सख्त कदम उठाने की धमकी दी। उसने उनके सैन्य अभ्यासों को आक्रामक युद्ध की रिहर्सल बताया, जिससे इलाके में अस्थिरता बढ़ रही है। यह चेतावनी उसी तरह की सख्त बयानबाजी का हिस्सा थी, जो उत्तर कोरिया अक्सर अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बड़े सैन्य अभ्यासों से पहले करता है। जानकारों का कहना है कि उत्तर कोरिया अक्सर अपने विरोधियों के सैन्य अभ्यासों का बहाना बनाकर हथियारों के जखीरे को बढ़ाने के लिए परीक्षण गतिविधियां तेज करता है और अपने अलग-थलग नेता के लिए जनता का समर्थन जुटाता है।

रूस-यूक्रेन जंग में लक्ष्मी मित्तल की फैक्ट्री बनी निशाना- प्लांट पर मिसाइलों की बौछार; दो की मौत, उत्पादन ठप

मास्को/कीव , एजेंसी। यूरोप में जारी जंग के बीच रूस ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह में भारतीय मूल के अरबपति लक्ष्मी मित्तल की आर्सेलरमित्तल माइनिंग एंड मेटलर्जिकल कॉम्प्लेक्स पर मिसाइल हमला किया। यूक्रेन की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड स्टील यूनिट पर हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 कर्मचारी घायल हुए हैं। मुख्य ऊर्जा और ब्लास्ट-फर्नेस ऑपरेशंस को नुकसान पहुंचने के बाद फैक्ट्री में उत्पादन आंशिक रूप से रोकना पड़ा। यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस पर किए गए बड़े पैमाने के ड्रोन हमलों के जवाब में हुआ।

यूक्रेन ने रूस पर सैकड़ों ड्रोन से किया हमला– इससे पहले यूक्रेन ने रूस पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया था। इसे कीव की ओर से युद्ध के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक बताया जा रहा है। इन हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हुई। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव ने इसे हाल के समय के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक बताया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने रातभर देश के अलग-अलग हिस्सों में 822 यूक्रेनी ड्रोन को रोका।

मॉस्को में ड्रोन हमले से 83 वर्षीय व्यक्ति की मौत

वोरोब्योव ने बताया कि मॉस्को क्षेत्र में एक निजी घर पर यूक्रेनी ड्रोन के हमले में 83 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि एक अन्य यूक्रेनी हमले के कारण पोडोल्स्क शहर में वाइल्डबेरीज के गोदाम में आग लग गई।

रोस्तोव में भी ड्रोन हमले, पांच लोगों की मौत

स्थानीय गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने बताया कि एक अन्य ड्रोन हमले में रूस के दक्षिण-पश्चिमी रोस्तोव क्षेत्र के तीन शहरों को निशाना बनाया गया। इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। 150 से अधिक ड्रोन से किए गए इस हमले में कई घरों और एक रेलवे स्टेशन को नुकसान पहुंचा, जबकि जंगल में भी आग लग गई।

युद्ध में खुल रहा नया मोर्चा

यूक्रेन ने इस साल रूस के खिलाफ अपने हमले तेज कर दिए हैं। लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोन के झुंड के जरिए रूसी सैन्य उद्योगों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। यूक्रेन ने लॉजिस्टिक्स कंपनी वाइल्डबेरीज के डिपो पर भी लगातार हमले किए हैं। इन हमलों में अरबों डॉलर का सामान जलकर खाक हो चुका है। ऐसे हमलों ने मॉस्को द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किए जाने के करीब साढ़े चार साल बाद युद्ध की आंच रूसी जनता के और करीब ला दी है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.